झारखण्ड का अपना दैनिक

झारखण्ड उजाला

सच आप तक

रांची, बुधवार, 06 मई 2026 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रूपये | रांची संस्करण | वर्ष- 05 | अंक -314 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

असम विधानसभा चुनाव 2026 : हेमंत सोरेन झामुमो के प्रदर्शन से काफी संतुष्ट

झारखण्ड उजाला संवाददाता

रांची। असम विधानसभा चुनाव 2026 में बीजेपी ने शानदार जीत हासिल की है. हिमंता विस्वा सरमा वहां तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने वाले हैं. इसके कयास पहले से ही लगाए जा रहे थे. लेकिन असम चुनाव हेमंत सोरेन के लिए एक थोड़ी राहत भरी रही है. मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की भारी जीत के बीच झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) ने सीमित संसाधनों के बावजूद अपनी मौजूदगी दर्ज कराई. भले ही पार्टी ने 16 सीटों पर चुनाव लड़ा और कोई सीट नहीं जीत पाई, लेकिन करीब 1.5 प्रतिशत वोट हासिल कर कांग्रेस के पारंपरिक वोट बैंक में सेंध लगाने में कामयाब रही.

दो सीटों पर दूसरे स्थान पर जेएमएम

जेएमएम ने 16 सीटों में से दो पर दूसरे स्थान पर रहते हुए अच्छा प्रदर्शन किया, जबकि 11 सीटों पर तीसरे स्थान पर पहुंचकर अपनी उपस्थिति मजबूत की. खासकर चाय बागान क्षेत्रों में पार्टी ने प्रभावी प्रदर्शन दिखाया. सीएम हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन ने करीब 10 दिनों तक असम में डेरा डालकर पार्टी उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया.

हेमंत सोरेन संतुष्ट, बोले- जनता का समर्थन हौसला बढ़ाने वाला

हेमंत सोरेन असम के नतीजों से काफी संतुष्ट दिखे. उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, असम की महान जनता को जोहार एवं हृदय से आभार. बहुत ही सीमित समय और संसाधन में जो कुछ भी किया जा सका, वह आप सभी के सहयोग, विश्वास और सक्रिय भागीदारी के बिना संभव नहीं था. उन्होंने इसे आदिवासी-दलित-अल्पसंख्यक समाज के हक, सम्मान और पहचान की लड़ाई से जोड़ा. सोरेन ने कहा कि असम में आदिवासियों को एसटी का दर्जा न मिलना, चाय बागान मजदूरों की दयनीय स्थिति और जमीन के अधिकार जैसे मुद्दों को आवाज देने के लिए यह चुनावी अभियान महत्वपूर्ण कदम था. जेएमएम का मानना है कि बिना किसी बड़े गठबंधन के सिर्फ 16 सीटों पर लड़कर पार्टी ने न केवल अपनी पैठ बनानी शुरू की है, बल्कि आने वाले समय के लिए मजबूत आधार तैयार किया है. 7 सीटों पर 15 हजार से ज्यादा वोट मिलना इस बात का संकेत है कि झारखंडी मूल के लोगों, खासकर चाय बागान इलाकों में पार्टी की स्वीकार्यता बढ़ रही है.

कांग्रेस के वोट बैंक पर असर

माना जा रहा है कि असम में जेएमएम का खाता भले ही नहीं खुला, लेकिन कांग्रेस के पारंपरिक वोट बैंक में सेंध लगाने में पार्टी सफल रही है. यह प्रदर्शन भविष्य की राजनीति के लिए महत्वपूर्ण संकेत देता है और झामुमो के राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार की दिशा को मजबूत करता है. यह चुनाव जेएमएम के लिए मात्र सीटों की लड़ाई नहीं, बल्कि आदिवासी समाज के अस्तित्व, पहचान और अधिकारों की व्यापक लड़ाई का हिस्सा था.

2 नई सेमीकंडक्टर यूनिट्स और गन्ने के दाम में बढ़ोतरी समेत 10 बड़े फैसलों पर लगी मुहर

मोदी कैबिनेट का मेगा प्लान

एजेंसी

नयी दिल्ली। कैबिनेट ब्रीफिंग में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, कैबिनेट ने किसानों, प्रौद्योगिकी, मेक इन इंडिया और न्यायपालिका के संबंध में बड़े कदम उठाए हैं. आज लिए गए दस प्रमुख निर्णयों में, जिनका कुल मूल्य लगभग 1,52,000 करोड़ रुपये है, किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल शामिल है, जो कपास की उत्पादकता और कपास क्रांति पर केंद्रित है. सरकार ने अक्टूबर से शुरू होने वाले 2026-27 सत्र के लिए गन्ने का उचित और लाभकारी मूल्य 10 रुपये बढ़ाकर 365 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया. अश्विनी वैष्णव ने बताया, 10.25 प्रतिशत की मूल प्राप्ति (रिकवरी) दर के लिए एफआरपी 365 रुपये प्रति क्विंटल होगा. हर 10.25 प्रतिशत से ऊपर रिकवरी में 0.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी पर, एफआरपी में 3.56 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी होती है. इससे ज्यादा रिकवरी को प्रोत्साहन मिलता है. मंत्री ने कहा, किसानों को एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा मिलने की उम्मीद है.

मंत्रिमंडल ने कपास उत्पादकता बढ़ाने को 5,659 करोड़ रुपये के मिशन को मंजूरी दी

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, आज कैबिनेट ने कपास क्रांति नाम की एक पहल के जरिए, हमारे देश में कपास उगाने वाले 32 लाख किसानों के लिए एक क्रांतिकारी कदम को मंजूरी दी है. जहां भारत पहले से ही 297 लाख गांठों के उत्पादन के साथ दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कपास उत्पादक है, वहीं 2030-31 तक इसकी मांग 450 लाख गांठों तक पहुंचने की उम्मीद है. इस मांग को पूरा करने और आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए, कैबिनेट ने 5,669 करोड़ रुपये की एक परियोजना

को मंजूरी दी है, जिसका मुख्य जोर अनुसंधान, उत्पादन तकनीकों को बढ़ाने और किसानों को नए जमाने के रेशों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने पर है.

गुजरात के वडिनार में बनेगा अत्याधुनिक जहाज मरम्मत केंद्र

केंद्र सरकार ने मंगलवार को गुजरात के वडिनार में 1,570 करोड़ रुपये के निवेश से अत्याधुनिक जहाज मरम्मत केंद्र विकसित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी. इस परियोजना को दीनदयाल बंदरगाह प्राधिकरण और कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड संयुक्त रूप से लागू करेंगे. यह परियोजना ब्राउनफील्ड मॉडल पर विकसित की जाएगी, जिसमें 650 मीटर लंबी गोदी, दो बड़े फ्लोटिंग ड्राई डॉक, कार्यशालाएं और अन्य समुद्री अवसंरचना शामिल होंगी. वडिनार अपनी प्राकृतिक गहराई, प्रमुख समुद्री मार्गों से संपर्क और मुंद्रा एवं कांडला जैसे प्रमुख बंदरगाहों के निकट होने से खासकर बड़े वाणिज्यिक और विदेशी जहाजों की मरम्मत के लिए उपयुक्त माना जाता है. केंद्र सरकार ने मंगलवार को दो और सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाइयों को मंजूरी दी. इसमें 3936 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश होगा. अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इन परियोजनाओं को इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के तहत मंजूरी दी गई है.

सीएम ने वीसी के माध्यम से अधिकारियों के साथ राज्य में बेहतर विधि-व्यवस्था के संधारण को लेकर की उच्च स्तरीय बैठक

पुलिस अधिकारी आम जनता के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करें : हेमंत सोरेन

झारखण्ड उजाला संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने मंगलवार को अधिकारियों के साथ राज्य में बेहतर विधि-व्यवस्था के सुदृढ़ संधारण को लेकर वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए उच्च स्तरीय बैठक की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क और सक्रिय भूमिका में रहे। अपराध नियंत्रण में किसी प्रकार से कोई कोताही न बरती जाए । बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से राज्य के भीतर कानून व्यवस्था की स्थिति पर निरंतर निगरानी रखने तथा आमजन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अपराध से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों को चिन्हित कर उन मामलों की नियमित मानीटरिंग की जाय।

लापता बच्चों और महिलाओं के मामलों पर हो त्वरित कार्रवाई

बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि राज्य में लापता बच्चों और महिलाओं से संबंधित मामलों को प्राथमिकता दें। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि लापता बच्चों एवं महिलाओं के जितने भी मामले हैं उन पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए लापता बच्चों और महिलाओं की सुरक्षित रिकवरी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में आम जनों को भयमुक्त वातावरण प्रदान करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि नशीले पदार्थों के आदान-प्रदान के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि नशीले पदार्थ के कारोबार से जुड़े अपराधियों के खिलाफ मुहिम चला कर उनके सप्लाई चेन (आपूर्ति श्रृंखला) पर अविलंब रोक लगाएं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि उन जगहों को अवश्य चिन्हित करें जहां पर नशीले पदार्थ की खरीद-बिक्री होती है। जो अपराधी नशीले पदार्थ के कारोबार से जुड़े हैं उन पर शख्स कानूनी-कार्रवाई सुनिश्चित करें। स्कूल, कॉलेज एवं वैसे विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों वाले संस्थान जहां पर अधिक संख्या में युवा वर्ग की भीड़ होती है वैसे जगहों पर नशीले पदार्थ सप्लायरों पर पैनी नजर रखी जाए। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य के भीतर अफीम की खेती को हर हाल में रोका जाना चाहिए। उन्होंने खूंटी, चतरा एवं रांची जिले में विशेष तत्परता बरतें जाने का निदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अफीम की खेती के खिलाफ निरंतर मॉनिटरिंग करते हुए आम लोगों को भी जागरूक किया जाए।

बैठक में राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार, अपर मुख्य सचिव गृह विभाग वंदना दादेल, डीजीपी तदाशा मिश्रा सहित सभी जोनल आईजी, रेंज डीआईजी तथा सभी जिलों के वरीय पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारी शामिल रहे।

पुलिस अधिकारी आम जनता के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करें

हेमन्त सोरेन ने निर्देश दिया कि जिलों में पदस्थापित एसपी, डीएसपी एवं प्रभारी अधिकारी अपने-अपने कार्यालयों में निर्धारित समय पर उपस्थित रहकर आम जनता के साथ निरंतर संवाद करते रहें तथा उनकी समस्याओं को सुनते हुए उन समस्याओं का त्वरित गति से निष्पादन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारी आम लोगों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करें। मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि वे शहरी क्षेत्र के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र का भी आवश्यक दौरा करें और वहां आम जनता के साथ समन्वय स्थापित कर उनकी समस्याओं का तत्काल समाधान निकालें। ग्रामीण क्षेत्र का औचक निरीक्षण होने से पुलिस के प्रति लोगों का विश्वास और ज्यादा बढ़ेगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि राज्य के भीतर संगठित अपराध के मामले में सख्ती से निपटा जाना चाहिए। राज्य सरकार संगठित अपराध को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन को पूरी सुविधा और व्यवस्था प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि शहरी क्षेत्र से सटे इलाकों के प्रभारी अधिकारियों को भूमि संबंधित विवादों से निपटने समय अत्यंत सतर्क रहने की जरूरत है। पुलिस अधिकारी की ओर से किसी भी कीमत पर भू-माफिया को कोई संरक्षण नहीं दिया जाना चाहिए।

आज का विचार

सरस्वती देवी
ईटहरी मुखिया मेहरमा गोड्डा

पंचायत में विकास को लेकर हमेशा मै चिंतित रहती हूं। मेरी कार्य से कई लोग खुश हैं जनता की समस्या को लेकर मै हमेशा जगी रहती हूं।और समस्या का निदान तुरंत करवाने का प्रयास करती हूं।

सर्राफा

सोना (बिक्री) : 1,44,678
चांदी (प्रति किलो) : 2,70,000
(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- 77,017.79
निफ्टी :- 24,032.80

मौसम

अधिकतम तापमान : 31 °
न्यूनतम तापमान : 21 °

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- 05:12
संध्या :- 18:19

आज का इतिहास

आज ही के दिन 1952 को प्रथम भारतीय लोकसभा का गठन हुआ और गणेश वासुदेव मावलंकर पहले लोकसभा अध्यक्ष बने।

संक्षिप्त समाचार

पूर्णिया कोर्ट हटिया एक्सप्रेस नए रूट से चलेगी, कई ट्रेनें घंटों लेट

रांची। आने वाले दिनों में ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों को सावधान रहने की जरूरत है. पंडित दीनदयाल उपाध्याय मंडल के गया स्टेशन पर चल रहे विकास कार्यों के कारण पूर्णिया कोर्ट हटिया एक्सप्रेस का रूट अस्थायी रूप से बदल दिया गया है. अब यह ट्रेन अपने पारंपरिक मार्ग के बजाय बख्तियारपुर लिंक, करनौती, राजगीर, तिलैया, पैमार और बंधुआ होते हुए अपने गंतव्य तक पहुंचेगी. रेलवे ने यात्रियों को सलाह दी है कि यात्रा से पहले ट्रेन का नया रूट और समय सारिणी जरूर जांच लें. इधर कई प्रमुख ट्रेनें भी देरी से चलेंगी. नीलांचल एक्सप्रेस करीब 90 मिनट देरी से चलेगी. भुवनेश्वर नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस लगभग 60 मिनट और नई दिल्ली भुवनेश्वर राजधानी एक्सप्रेस करीब 120 मिनट की देरी से संचालित होगी. रेलवे के अनुसार, गया स्टेशन पर चल रहे विकास कार्य के कारण यह बदलाव किया गया है. कार्य पूरा होने के बाद सेवाएं पहले की तरह सामान्य कर दी जाएंगी.

गिरिडीह में तेज रफ्तार वैन ने तीन मजदूरों को कुचला, दो की मौत

बगोदर, गिरिडीह : जिला में बिरनी थाना क्षेत्र प्रखंड के माखमर्गो पंचायत भवन के पास मंगलवार को मजदूरी करने जा रहे तीन लोगों को तेज रफ्तार पिकअप वैन ने पीछे से टक्कर मार दी. इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है. इस हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है. मृतकों की पहचान बिरनी थाना क्षेत्र के जितकुंडी गांव निवासी बासुदेव साव (70) एवं लखिया देवी (65) के रूप में हुई है. वहीं धनपत साव (65) गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. स्थानीय लोगों ने बताया कि मंगलवार सुबह तीनों अपने घर से मजदूरी करने के लिए पैदल निकले थे. तीनों सड़क के किनारे से जा रहे थे. इसी दौरान मखमर्गो पंचायत भवन के समीप पीछे से तेज गति में आ रही पिकअप वैन ने अचानक नियंत्रण खो दिया और तीनों को अपनी चपेट में ले लिया.

स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों को लेकर उपायुक्त की अध्यक्षता में हुआ समीक्षा बैठक का आयोजन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

रामगढ़। स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों को लेकर मंगलवार को रामगढ़ उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सर्वप्रथम सिविल सर्जन रामगढ़ से रामगढ़ जिले में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं आदि की विस्तार से जानकारी ली जिसके उपरांत उपायुक्त ने सदर अस्पताल, सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों सहित अन्य स्वास्थ्य केंद्रों पर पूरी तरह साफ सफाई बनाए रखना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सदर अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों आदि में चिकित्सकों की उपलब्धता की जानकारी लेने के क्रम में उपायुक्त के द्वारा निर्धारित समय पर सभी चिकित्सकों की उपस्थिति सदर अस्पताल सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों आदि में सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। वहीं आयुष्मान भारत योजना की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सभी योग्य लाभुकों तक योजना कल आप सरलता से पहुंचना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मातृत्व स्वास्थ्य अंतर्गत विभिन्न कार्यों की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने गर्भवती महिलाओं के प्रसव पूर्व जांच स समय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। संस्थागत प्रसव संबंधित मामलों की समीक्षा में क्रम में उपायुक्त ने सदर अस्पताल सहित अन्य स्वास्थ्य केन्द्रों में हो रहे प्रसव आदि की जानकारी लेते हुए उपलब्ध सुविधाओं को और भी प्रभावी तरीके से संचालित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने गर्भवती महिलाओं में हाई रिस्क प्रेगनेंसी के मामलों की पहचान प्रसव पूर्व जांच के दौरान विशेष ध्यान देते हुए सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मौके पर उपायुक्त ने सदर अस्पताल सहित अन्य सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों आदि में 247 आकस्मिक सेवाएं, प्रसव आदि हेतु चिकित्सकों व स्वास्थ्य कर्मियों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कुपोषित बच्चों के इलाज हेतु उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने वर्तमान में एमटीसी केंद्र के माध्यम से कुपोषित बच्चों के इलाज की केंद्रवार जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने केंद्र का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने तथा समाज कल्याण विभाग से समन्वय करते हुए कुपोषित बच्चों का इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सदर अस्पताल सहित अन्य सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, स्वास्थ्य केंद्रों आदि में मरीजों को विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने, ब्लड बैंक के सफल संचालन को लेकर चर्चा के क्रम में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक के दौरान मुख्य रूप से उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल, गोपनीय प्रभारी रवीन्द्र कुमार गुप्ता, स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारियों, चिकित्सा पदाधिकारियों, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों सहित अन्य उपस्थित थे।

सिविल कोर्ट परिसर में 9 मई को एक नेशनल लोक अदालत का आयोजन

हजारीबाग: हजारीबाग राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार और झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के दिशा निर्देश पर हजारीबाग सिविल कोर्ट परिसर में 9 मई को एक नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इसके साथ ही झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निदेर्शानुसार 90 दिनों तक लोगों में विधिक जागरूकता लाने के उद्देश्य से विधिक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। नेशनल लोक अदालत में पक्षकारों को ज्यादा-से-ज्यादा लाभ पहुंच सके इसे लेकर उन्हें लगातार नोटिस भेजे जा रहे हैं। यह जानकारी मंगलवार को सिविल कोर्ट परिसर स्थित न्याय सदन भवन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव डॉ. रवि प्रकाश तिवारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी।जानकारी देते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव डॉ. रवि प्रकाश तिवारी ने बताया कि 9 मई को आयोजित नेशनल लोक अदालत को लेकर पक्षकारों को नोटिस पूर्व में ही जारी किए जा चुका हैं। मामलों के निष्पादन के लिए कई अलग-अलग बेंच भी बनाये गए हैं। इन बेंचों के माध्यम से पारिवारिक विवाद से संबंधित मामले, श्रम न्यायालय, बिजली विभाग, वन विभाग, उत्पाद विभाग, माप तौल, दुर्घटना दावा, भूमि-अधिग्रहण से संबंधित मामलों के साथ-साथ सुलहनीय आपराधिक मामले, बैंक रिकवरी, चेक बाउंस के मामलों का निष्पादन सुलह के आधार पर समाप्त करवाया जाएगा। पक्षकारों की सुविधा के लिए लोक अदालत स्थल तक पहुंचने के लिए किसी तरह की असुविधा न हों, इसके लिए कई व्यवस्थाएं की गई हैं।जानकारी देते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव ने बताया कि पक्षकारों की सुविधा के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार कार्यालय में पूछताछ के लिए दो हेल्प डेस्क बनाये गये हैं। डालसा सचिव डॉ रवि प्रकाश तिवारी ने पक्षकारों, अधिवक्ताओं और संबंधित विभाग के पदाधिकारियों से अपील की है कि मामलों के निष्पादन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करें।

शामिल खोड़हा दल को प्रोत्साहन सम्मान दिया गया

लोहरदगा : प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी लोहरदगा सदर प्रखंड अंतर्गत हरमू पंचायत के ग्राम हरमू जतरा मैदान में जेठ जतरा लगया गया। जतरा समिति ने पहले शोक व्यक्त किया जानकारी अनुसार आदिवासी सरना समिति हरमू लोहरदगा के पदाधिकारी किशोर उरांव, नकुल उरांव की माता जी का देहांत 3 मई को हो गया था। इस लिए जतरा समिति व ग्रामीणों से पहले माता जी का शोक व्यक्त किया। फिर जेठ जतरा का आयोजन 4-5 बजे लगाया। इस जतरा में अपनी समृद्ध परंपरा और सांस्कृतिक धरोहर के प्रतीक ह्लजेठ जतराह्व के पावन अवसर पर साधारण व पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ ग्रामवासियों ने अत्यंत शोक व्यक्त के साथ जेठ जतरा मनाया। इस अवसर पर आसपास के गाँवों से जतरा खोड़ा दल पारंपरिक वेशभूषा, ढोल, मांदर एवं नगाड़ा के साथ शामिल हुये । हरमू पंचायत के पूर्व मुखिया मीना उरांव को संबोधन करते हुये कहा कि ह्लहम सभी आज अपनी समृद्ध परंपरा और सांस्कृतिक धरोहर ह्यजेठ जतराह्ल के पावन अवसर पर एकत्रित हुए हैं। सबसे पहले हरमू गांव के हमारी प्रकृति, आस्था और सामूहिक एकता का जीवंत प्रतीक है।ह्वउन्होंने आगे कहा कि जेठ जतरा मुख्य रूप से झारखंड के आदिवासी सरना समिति द्वारा जेठ महीने में मनाया जाता है, जिसमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए अच्छी फसल, वर्षा और सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। हमारे पूर्वजों ने प्रकृति को ही ईश्वर का स्वरूप माना और इसी आस्था के साथ यह परंपरा आज भी जीवित है। इस अवसर पर ग्राम देवता, सरना स्थल एवं प्रकृति की पूजा-अर्चना की गई। ढोल-नगाड़ों की धुन, पारंपरिक नृत्य एवं गीतों के माध्यम से संस्कृति की सुंदर झलक प्रस्तुत की गई। यह पर्व आपसी भाईचारे, प्रेम और सहयोग का संदेश देता है तथा हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहने और परंपराओं को संजोकर रखने की प्रेरणा देता है। खोड़हा दल को प्रोत्साहन भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से दीपक उरांव ग्राम प्रधान, मंगा पहान, हरमू पंचायत मुखिया, संत कुमार उरांव, मीना उरांव, धनु उरांव, प्रभु उरांव, सुरेश उरांव, अनिल उरांव, बाबुलाल उरांव,पिंटु उरांव, ,सुलेखा उरांव, अनिमा उरांव, मुनिता लकड़ा एवं समस्त आदिवासी सरना समिति परिवार व बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

आगामी 10 मई को होगा लोहरदगा राजी पड़हा जिला समिति का पुनर्गठन एवं पेशा नियमावली पर चर्चा होगा: सोमदेव उरांव

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

लोहरदगा: राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा जिला समिति लोहरदगा अध्यक्ष सोमदेव उरांव की अध्यक्षता में लोहरदगा जिला के राजी पड़हा जिला समिति का पुनर्गठन एवं पेशा नियमावली को लेकर बैठक आयोजित की गयी। बैठक में विशेष चर्चा किया गया कि आगामी 10 भी 2026 दिन रविवार को समय 11 बजे दिन स्थान झखरा कुंबा लोहरदगा में लोहरदगा जिला के सभी महतो, पहान,पुजार एवं लोगों की उपस्थिति में लोहरदगा जिला के राजी पड़हा जिला समिति का पुनर्गठन किया जाएगा। इस बैठक में पेशा कानून 1996 का झारखंड सरकार द्वारा पेशा नियमावली 2025 बनाकर अनुसूचित क्षेत्रों में लागू किया गया है जो रूढ़ि या प्रदा के अनुरूप नहीं बनाया गया है। इस विषय पर गहन चर्चा किया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा जिला समिति सचिव सुकेन्द्रर उरांव, महासचिव जालेश्वर उरांव, उपाध्यक्ष सोमे उरांव, उपाध्यक्ष कृष्णा उरांव,कोषाध्यक्ष मंगलदास उरांव, सुधू भगत, फूलदेव भगत, जयंती उरांव,मानकी, बिसनी,महमानिया, बन्दे उरांव समेत अन्य लोग मौजूद थे।

पश्चिम बंगाल, असम एवं पुडुचेरी में भाजपा की प्रचंड जीत की खुशी विधायक ने कार्यकत्ताओं संग भव्य तरीके से मनाया

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

आतिशबाजी कर एक दूसरे को मिठाई खिलाया, विधायक ने कहा ये जीत एक कुशल नेतृत्व का स्पष्ट प्रमाण है

पतरातू :पश्चिम बंगाल, असम एवं पुदुचेरी विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को मिली ऐतिहासिक एवं प्रचंड जीत के उपलक्ष्य में मंगलवार को पीटीपीएस बड़कागांव विधायक आवासीय कार्यालय, पतरातू में भव्य विजय उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पतरातु प्रखंड के विधायक रोशन लाल चौधरी ने भाजपा कार्यकताओं के साथ हर्षोल्लास के साथ जीत का जश्न मनाया। कार्यक्रम के दौरान उत्साहित कार्यकताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी तथा आतिशबाजी कर इस ऐतिहासिक विजय की खुशी व्यक्त की। पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला, जहां कार्यकताओं ने एकजुट होकर इस गौरवपूर्ण क्षण को साझा किया। इस अवसर पर विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि यह प्रचंड जीत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सशक्त नेतृत्व, कुशल रणनीति एवं जनकल्याणकारी नीतियों पर जनता के अटूट विश्वास का स्पष्ट प्रमाण है। उन्होंने कहा कि भाजपा की यह विजय विकास, सुशासन और जनसेवा के प्रति जनता की आस्था की जीत है। विधायक ने सभी कार्यकताओं को इस सफलता के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह जीत संगठन की मजबूती, कार्यकताओं की मेहनत और आम जनता के समर्थन का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में भी भाजपा इसी प्रकार जनसेवा के मार्ग पर अग्रसर रहकर देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष रंजन भगत प्रदेश प्रवक्ता ओबीसी मोर्चा महेंद्र महतो,जिला महामंत्री राजू चतुवेर्दी जिला पार्षद राजाराम प्रजापति सोशल प्रभारी संतोष शर्मा, दशरथ कुर्मी अशोक शर्मा,मंडल उपाध्यक्ष पंकज सिंह रूपा देवी सुखदेव महतो, मंडल महामंत्री अवधेश सिंह मोहम्मद वारिस खान किशोर महतो गणेश ठाकुर समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

आगामी गंगा दशहरा कार्यक्रम को लेकर शुरू हुई तैयारियां,बच्चियों ने किया आरती अभ्यास

लोहरदगा:जिले में मंगलवार को वीर शिवाजी चौक स्थित सिद्धिदात्री दुर्गा मंदिर प्रांगण में गंगा दशहरा के पावन अवसर को लेकर तैयारियाँ शुरू हो गई हैं।इसी क्रम में मंगलवार को बच्चियों द्वारा आरती अभ्यास का प्रथम दिन आयोजित किया गया।कार्यक्रम में बच्चियों ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ भाग लिया।इस कार्यक्रम के प्रभारी अशोक कसकर एवं मंदिर पुजारी हरिहर शास्त्री ने बच्चियों को मां गंगा के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी।उन्होंने बताया कि मां गंगा शीतलता,पवित्रता और जीवनदायिनी शक्ति का प्रतीक हैं।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मां गंगा की उत्पत्ति भगवान विष्णु के चरणों से हुई,इसलिए उन्हें ह्लविष्णुपदीह्व भी कहा जाता है।बाद में वे ब्रह्मा जी के कमंडल में समाहित होकर स्वर्ग में प्रवाहित होती रहीं।उन्होंने आगे बताया कि राजा भागीरथ की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर मां गंगा पृथ्वी पर अवतरित होने को तैयार हुईं।किंतु उनके प्रचंड वेग से पृथ्वी को नुकसान न पहुंचे,इसके लिए भगवान शिव ने उन्हें अपनी जटाओं में धारण कर उनके प्रवाह को नियंत्रित किया।इस अवसर पर बच्चियों को आरती,पूजा विधि और धार्मिक परंपराओं की भी जानकारी दी गई,ताकि गंगा दशहरा के दिन वे विधिवत कार्यक्रम में भाग ले सकें।

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा चलाया गया जांच अभियान, कार्बाइड उपयोग पर दी गई चेतावनी

लोहरदगा: जिले में आमजनों को सुरक्षित और शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग ने व्यापक जांच एवं जागरूकता अभियान शुरू किया है। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी डॉ. मोइन अख्तर के निर्देश पर बक्सीडीपा और बदला स्थित राइपनिंग चेंबर का औचक निरीक्षण किया गया।जांच के दौरान फलों को पकाने में इस्तेमाल हो रहे रसायनों, उनके रख- रखाव, फूड लाइसेंस और अन्य दस्तावेजों की जांच की गई। टीम ने पाया कि फलों को पकाने के लिए एफएसएसएआई द्वारा अनुमोदित इथिलीन गैस का उपयोग किया जा रहा है।हालांकि, विभाग ने फल व्यापारियों को सख्त निर्देश दिया है कि किसी भी स्थिति में कैल्शियम कार्बाइड जैसे खतरनाक रसायनों का उपयोग न करें। कार्बाइड से पकाए गए फल स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक होते हैं और इससे किडनी, लीवर, तंत्रिका तंत्र पर गंभीर असर पड़ सकता है, साथ ही कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है।अधिकारियों ने बताया कि कार्बाइड से पके फल अस्वाभाविक रूप से चमकीले दिखते हैं, उनमें प्राकृतिक मिठास कम होती है और वे जल्दी सड़ने लगते हैं। वहीं, इथिलीन गैस से पकाए गए फलप्राकृतिक रूप से सुरक्षित होते हैं।खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जांच के दौरान विभाग केसहायक कर्मी रंजीत कुमार भी मौजूद थे।

डॉ एस0 राधाकृष्णन शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में तीन दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला के प्रथम दिवस का सफल आयोजन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

रामगढ़/रजरप्पा। डॉ० एस० राधाकृष्णन शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, सुकरीगढ़ा, लारी, रामगढ़ के बहुउद्देशीय सभागार में आज आईक्यूएसी (IQAC) के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला के प्रथम दिवस का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में डॉ० अजीत कुमार सिंह, प्राचार्य, के० एन० बक्शी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, गिरिडीह, झारखंड उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। तत्पश्चात मुख्य वक्ता का स्वागत अंगवस्त्र, पौधा एवं मोमेंटो प्रदान कर किया गया। महाविद्यालय की व्याख्याता सुप्रिया बर्मन द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया, जिसमें तीन दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रशिक्षुओं को इससे अधिकाधिक लाभ प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया गया। मुख्य वक्ता द्वारा ह्लकक्षा की चुनौतियाँ एवं समाधानह्व विषय पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। व्याख्यान में विशेष रूप से धीमी गति से सीखने वाले विद्यार्थियों (र'ङ्गह्व छीं१ल्ली१२) की पहचान, उनकी समस्याओं, शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में आने वाली चुनौतियों तथा उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही कठिन विद्यार्थियों के प्रबंधन, शिक्षक तनाव प्रबंधन एवं समय प्रबंधन जैसे विषयों पर भी महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए। इस अवसर पर महाविद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव डॉ० संजय प्रभाकर ने अपने संबोधन में कहा कि एक आदर्श शिक्षक बनने के लिए विषय पर गहन पकड़, व्यवहारिक ज्ञान एवं विद्यार्थियों के प्रति समर्पण की भावना का होना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य, सचिव, समस्त शिक्षकगण एवं प्रशिक्षु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन नयन कुमार मिश्रा द्वारा किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापिका इंदु कुमारी झा द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का प्रथम दिवस प्रशिक्षुओं के लिए ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायी एवं उपयोगी सिद्ध हुआ। आगामी दिनों में भी विभिन्न शैक्षणिक एवं समसामयिक विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान आयोजित किए जाएंगे।

रामगढ़ उपायुक्त ने गूगल मीट के माध्यम से की बिजली और पेयजल आपूर्ति की समीक्षा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

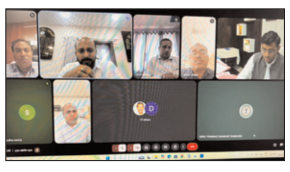

रामगढ़। रामगढ़ उपायुक्त ऋतुराज द्वारा गूगल मीट के माध्यम से जलापूर्ति एवं बिजली संबंधित एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में उन्होंने जिले में बिजली की उपलब्धता और पेयजल आपूर्ति से संबंधित गंभीर विषयों पर विस्तृत चर्चा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पेयजल आपूर्ति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले में पानी की किल्लत न होने पाए। उन्होंने खराब पड़े चापाकलों की मरम्मत में तेजी लाने और पाइपलाइन के लीकेज को तुरंत ठीक करने की बात कही। साथ ही निर्देश दिया कि जहाँ आवश्यकता हो, वहाँ टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए। बैठक के दौरान उपायुक्त ने बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि गर्मी के मौसम को देखते हुए जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। खराब ट्रांसफार्मरों को प्राथमिकता के आधार पर तत्काल बदला जाए। उपायुक्त ने अधिकारियों को कंट्रोल रूम के माध्यम से प्राप्त होने वाली जन समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं में किसी भी प्रकार की शिथिलता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही के साथ कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को इस भीषण गर्मी में बिजली और पानी की असुविधा से बचाना है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय बनाकर बेहतर तालमेल के साथ कार्य करने का निर्देश दिया।

झारखंड पुलिस को राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर पहचान दिलाने पर किया जा रहा काम : डीजीपी

रांची। राजधानी रांची के जैप-10 स्थित अनुसंधान प्रशिक्षण विद्यालय में मंगलवार को राज्यस्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें झारखंड के सभी थाना और ओपी प्रभारियों ने भाग लिया।इस कार्यक्रम का उद्घाटन झारखंड की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तदाशा मिश्रा और प्रशिक्षण आईजी विजयलक्ष्मी सहित कई आईपीएस ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया।मौके पर तदाशा मिश्रा ने कहा कि राज्य के कई जिलों से यह शिकायतें मिलती रही हैं कि थानों में आम लोगों को अपेक्षित रिस्पांस नहीं मिल पाता। उन्होंने कहा कि पुलिस की पहली पहचान उसका व्यवहार और त्वरित कार्रवाई होती है, इसलिए इसमें सुधार बेहद जरूरी है। इसी उद्देश्य से राज्यभर के थाना प्रभारियों को सीनियर आईपीएस अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा है, ताकि जमीनी स्तर पर बदलाव दिखे।डीजीपी ने यह भी कहा कि झारखंड पुलिस को राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर पहचान दिलाने के लिए बेस्ट पुलिस स्टेशन की अवधारणा पर काम किया जा रहा है। इसके तहत थानों की कार्यप्रणाली, साफ-सफाई, रिकॉर्ड मेंटेनेंस, तकनीकी उपयोग और जनता के साथ व्यवहार को उच्च स्तर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है।इस अवसर पर प्रशिक्षण आईजी विजयलक्ष्मी ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम आगे भी चरणबद्ध तरीके से आयोजित किए जाएंगे, ताकि सभी स्तर के पुलिस पदाधिकारी समय-समय पर अपडेट होते रहें और बदलती चुनौतियों का बेहतर तरीके से सामना कर सकें।प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को कानून की गहन समझ, अनुसंधान (इन्वेस्टिगेशन) की आधुनिक तकनीकों, केस डायरी के बेहतर संधारण, साक्ष्य संकलन की वैज्ञानिक प्रक्रिया और आम जनता के साथ व्यवहार में संवेदनशीलता और सेवा भाव पर विशेष मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम में थाना नेतृत्व को मजबूत करने, अपराध नियंत्रण की रणनीति को धार देने और सेफ एंड स्मार्ट पुलिसिंग के मॉडल को अपनाने पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों को यह बताया गया कि एक बेहतर पुलिस स्टेशन कैसे बनाया जा सकता है, जहां आम लोगों को त्वरित न्याय और संतोषजनक रिस्पांस मिल सके।इस मौके पर आईजी अनूप बिथेरे, डीआईजी इंद्रजीत महथा, डीआईजी चंदन झा, डीआईजी नौशाद आलम, डीआईजी मनोज रतन चौथे, डीआईजी कार्तिक एस, डीआईजी संध्या रानी मेहता, डीआईजी संजीव कुमार, डीआईजी सुरेंद्र झा सहित कई वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी उपस्थित रहे और उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए थाना प्रभारियों को व्यावहारिक सुझाव दिए।

किस्को प्रखंड मुख्यालय में भंवरों का आतंक, हमले में छात्र घायल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

लोहरदगा जिले के किस्को प्रखंड मुख्यालय क्षेत्र में भंवरों (मधुमक्खियों) का आतंक एक बार फिर बढ़ गया है, जिससे स्थानीय लोग दहशत में हैं। विशेषकर सप्ताह में मंगलवार और शनिवार को लगने वाले बाजार के दौरान राहगीरों और खरीदारी करने पहुंचे लोगों पर भंवरों के हमले की घटनाएं सामने आ रही हैं। प्रखंड मुख्यालय भवन बिल्डिंग और आसपास के पेड़ों में बने छत्तों के कारण यह समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे अचानक भंवरों का झुंड भड़क उठा और प्रखंड मुख्यालय परिसर में मौजूद लोगों पर हमला कर दिया। इस दौरान एक छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार भंवरों ने सैकड़ों की संख्या में लोगों को घेर लिया, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। स्थिति को संभालने में अंचल अधिकारी के चालक हबीबुल्लाह अंसारी ने तत्परता दिखाते हुए घायल को कंबल ओढ़ाकर और धुआं कर भंवरों से बचाया। इसके बाद एंबुलेंस के जरिए घायल को किस्को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से छत्तों को हटाने और स्थायी समाधान की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

रामगढ़ उपायुक्त ने किया सदर अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

रामगढ़। रामगढ़ उपायुक्त ने मंगलवार को सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की कार्यप्रणाली, स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति और मरीजों को दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने ड्यूटी रोस्टर की जांच की और निर्देश दिया कि सभी चिकित्सक निर्धारित समय पर अपनी ओपीडी और वार्ड ड्यूटी में उपस्थित रहें। उन्होंने स्पष्ट किया कि राउंड के समय डॉक्टरों की अनुपस्थिति बर्दाश्त नहीं की जाएगी और बायोमेट्रिक उपस्थिति का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने मरीजों से सीधा संवाद किया। उन्होंने वार्डों का भ्रमण कर वहां भर्ती मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत की। उन्होंने अस्पताल द्वारा दी जा रही चिकित्सा सेवाओं के संबंध में फीडबैक लिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने विशेष रूप से आयुष्मान भारत योजना की जांच कर जानकारी ली कि मरीजों को आयुष्मान कार्ड के तहत निःशुल्क इलाज का लाभ मिल रहा है या नहीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजना का लाभ सभी व्यक्ति तक बिना किसी बाधा के पहुँचे। दवाओं की स्टॉक रजिस्टर की जांच के दौरान उपायुक्त ने डॉक्टरों को सख्त निर्देश दिए कि वे केवल वही दवाएं लिखें जो अस्पताल में उपलब्ध हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि शत-प्रतिशत दवाएं अस्पताल से ही मिलनी चाहिए, मरीजों को बाहर से दवा खरीदना ना पड़े ।अस्पताल परिसर में स्वच्छता बनाए रखने के साथ-साथ उन्होंने कर्मियों को अनुशासित रहने और मरीजों के साथ शालीन व्यवहार करने का निर्देश दिया।साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि मरीजों के इलाज में देरी या ड्यूटी से नदारद रहने वाले कर्मियों पर सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सिविल सर्जन रामगढ को निर्देश दिया कि वे नियमित रूप से डॉक्टरों की उपस्थिति की निगरानी करें। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने कहा कि हमारा लक्ष्य जिले के अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा पहुँचाना है। सदर अस्पताल में डॉक्टरों की समय पर उपलब्धता और सम्मानजनक इलाज जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

झारखंड में शिक्षा का फैलता दायरा, स्कूलों में नामांकन रिकॉर्ड स्तर पर, फिर भी ड्रॉपआउट की चुनौती बरकरार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। झारखंड में शिक्षा के क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय विस्तार देखने को मिला है. स्कूलों की संख्या, नामांकन और सरकारी योजनाओं के प्रभाव से लाखों बच्चे शिक्षा की मुख्य धारा से जुड़े हैं. हालांकि, इन सकारात्मक संकेतों के बीच ड्रॉपआउट दर और माध्यमिक स्तर पर छात्रों की घटती उपस्थिति अब भी शिक्षा व्यवस्था के सामने बड़ी चुनौती बनकर उभरी है. राज्य के ताजा शैक्षणिक आंकड़ों के अनुसार, झारखंड में 2024-25 सत्र के दौरान ड्रॉपआउट दर में रिकॉर्ड गिरावट दर्ज की गई है. खासकर कक्षा 9 और 10 में यह दर घटकर करीब 3.5 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो कुछ साल पहले तक 20 प्रतिशत से अधिक बताई जाती थी. प्राथमिक स्तर पर भी ड्रॉपआउट दर 2 प्रतिशत से नीचे आने का दावा

किया गया है. यह बदलाव राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियानों और योजनाओं का परिणाम माना जा रहा है.

ड्रॉपआउट बच्चों की पहचान का काम जारी

इसी अवधि में राज्य भर में 65 हजार से अधिक आउट-ऑफ-स्कूल बच्चों की पहचान की गई थी, जिनमें से 54,130 बच्चों को दोबारा स्कूलों में नामांकित कर शिक्षा से जोड़ा गया. यह लगभग 83 प्रतिशत की सफलता दर को दशार्ता है, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है, लेकिन इन उपलब्धियों के बावजूद जमीनी स्तर पर तस्वीर पूरी तरह संतोषजनक नहीं है.

ऊंची कक्षाओं में घटती छात्रों की संख्या

रांची जिले के आंकड़े इस विरोधाभास को साफ तौर पर सामने रखते हैं. यहां कुल नामांकन 6,38,599 तक पहुंच चुका है, जो राज्य के प्रमुख जिलों में शिक्षा के विस्तार को दशार्ता है. रांची में प्राथमिक स्तर (कक्षा 1 से 5) में 2,66,368 छात्र नामांकित हैं, जबकि उच्च प्राथमिक (6 से 8) में यह संख्या घटकर 1,63,587 रह जाती है. माध्यमिक स्तर (9-10) में 1,13,333 और उच्च माध्यमिक (11-12) में मात्र 95,310 छात्र ही पढ़ाई जारी रख पाते हैं. यह गिरावट बताती है कि जैसे-जैसे कक्षाएं ऊंची होती जाती हैं, वैसे-वैसे छात्रों का स्कूल से जुड़ाव कमजोर होता जाता है.

क्या कहते हैं शिक्षा विशेषज्ञ

शिक्षा विशेषज्ञ मनोज कुमार शर्मा के अनुसार, यही वह स्तर है जहां सबसे ज्यादा हस्तक्षेप की जरूरत है. प्राथमिक स्तर पर लगभग सार्वभौमिक नामांकन (GER 98.55%) हासिल कर लेने के बावजूद माध्यमिक स्तर पर यह अनुपात घटकर 71.2 प्रतिशत रह जाना इस बात का संकेत है कि बच्चों को स्कूल में बनाए रखना अब भी बड़ी चुनौती है.

नेट एनरोलमेंट रेट की स्थिति चिंताजनक

नेट एनरोलमेंट रेट की स्थिति और भी गंभीर है. प्राथमिक स्तर पर जहां यह 80 प्रतिशत से अधिक है, वहीं माध्यमिक स्तर पर यह घटकर करीब 42 प्रतिशत तक पहुंच जाता है. इसका मतलब है कि बड़ी संख्या में बच्चे या तो समय से स्कूल नहीं पहुंच रहे हैं या फिर बीच में ही पढ़ाई छोड़ देते हैं. राज्य के शिक्षा ढांचे पर नजर डालें तो झारखंड में हजारों प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय संचालित हैं. रांची जैसे जिले में ही 1,256 प्राथमिक स्कूल, 668 उच्च प्राथमिक, 101 माध्यमिक और 74 वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हैं. इन स्कूलों में हजारों की संख्या में शिक्षक कार्यरत हैं. जिनमें 5,326 सरकारी शिक्षक और 2,444 पारा शिक्षक शामिल हैं.

पुलिस हिरासत में पिटाई पर हाईकोर्ट सख्त, स्वास्थ्य सचिव और सरायकेला एसपी से मांगा जवाब

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने पुलिस हिरासत में प्रताड़ना के गंभीर मामले पर सख्ती दिखाते हुए स्वतः संज्ञान लिया है. चीफ जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य प्रशासन से कड़े सवाल पूछे. कोर्ट ने साफ संकेत दिया कि हिरासत में मानवाधिकारों का उल्लंघन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.

सीसीटीवी और निगरानी व्यवस्था पर सवाल

सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने सरायकेला एसपी से पूछा कि राज्य के पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने को लेकर अब तक क्या ठोस कदम उठाए गए हैं. अदालत ने यह जानने की कोशिश की कि क्या हिरासत में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के

निर्देशों का पालन हो रहा है या नहीं. कोर्ट का यह रुख दशार्ता है कि निगरानी व्यवस्था की कमी को गंभीरता से लिया जा रहा है.

स्वास्थ्य विभाग से भी मांगा जवाब

अदालत ने स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव को भी तलब किया है. कोर्ट ने निर्देश दिया कि वे यह स्पष्ट करें कि पीड़ित तरुण महतो को ह्फिट फॉर कस्टडीह्व का प्रमाण पत्र देने वाले चिकित्सक के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है. यह सवाल इसलिए अहम है क्योंकि हिरासत में किसी व्यक्ति की स्वास्थ्य स्थिति का आकलन डॉक्टर की जिम्मेदारी होती है, और इसमें लापरवाही गंभीर परिणाम ला सकती है.

पीड़ित को मिला मुआवजा

राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि पीड़ित तरुण महतो को 1.50 लाख रुपये का मुआवजा दिया जा चुका है. हालांकि, अदालत का ध्यान केवल मुआवजे तक सीमित नहीं है, बल्कि वह पूरे मामले में जवाबदेही तय करना चाहती है. कोर्ट यह सुनिश्चित करना चाहती है कि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई हो.

पीसीसी की घोषणा के बाद झारखंड कांग्रेस में असंतोष, वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने प्रदेश नेतृत्व पर साधा निशाना

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। लंबे इंतजार के बाद झारखंड कांग्रेस ने अपनी नई कमिटी घोषित कर दी. कमिटी घोषित किए जाने के बाद राज्य के वित्तमंत्री और छतरपुर से कांग्रेस विधायक राधाकृष्ण किशोर ने सोशल मीडिया के माध्यम से प्रदेश नेतृत्व पर तीखा हमला बोला है. उन्होंने अपने फेसबुक अकाउंट से राज्य प्रभारी के राजू के नाम लिखा लेटर पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने कहा कि कांग्रेस को आज पांच राज्यों की विधानसभा चुनाव परिणाम से भी सीख लेनी चाहिए. उन्होने पूर्व मंत्री योगेंद्र साव पर हुई अनुशासनात्मक कार्रवाई और रमा खलखो को पद देकर सम्मानित किए जाने की तुलना 'एक आंख में काजल, एक आंख में सुरमा' वाले कहावत से तुलना करते हुए कहा कि 314 सदस्यों वाली पीसीसी के गठन कितना लाभकारी होगा, यह तो समय बताएगा. वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर आगे

लिखते हैं कि जंबो-जेट समिति की जगह यदि प्रदेश नेतृत्व के बारे में पार्टी कोई फैसला ले तो ही कांग्रेस संगठन के मजबूती की कल्पना की जा सकती है.

प्रदेश प्रभारी से हुई है इस संबंध में बात-अभिलाष साहू

झारखंड कांग्रेस के उपाध्यक्ष एवं अनुशासन समिति के सदस्य अभिलाष साहू ने वित्तमंत्री राधाकृष्ण किशोर के पत्र को लेकर कहा कि इसकी सूचनान प्रदेश प्रभारी के राजू को दी जा चुकी है. राज्य के वित्तमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता राधाकृष्ण किशोर द्वारा प्रदेश नेतृत्व के खिलाफ सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हर किसी की अपनी-अपनी महत्वाकांक्षा होती है. अगर किसी को कोई शिकायत या परेशानी हो तो उन्हें पार्टी के प्लेटफार्म पर कहना चाहिए.

राधाकृष्ण किशोर के बेटे ने सचिव पद से दिया इस्तीफा

रविवार को ही पार्टी ने वित्तमंत्री राधाकृष्ण किशोर के पुत्र प्रशांत किशोर को प्रदेश सचिव बनाया था. लेकिन अब जानकारी मिल रही है कि उन्होंने प्रदेश कांग्रेस सचिव पद से इस्तीफा दे दिया है. इस संदर्भ में ईटीवी भारत ने जब उपाध्यक्ष सतीश पॉल मुंजनी से बात की तो उन्होंने सिर्फ ये कहा कि सभी वर्गों का पीसीसी में सबको जगह दी गयी है. पार्टी ने जो पद दिया है उस पर उनको काम करना चाहिए था. अनुशासनहीनता की कार्रवाई को लेकर सतीश पॉल मुंजनी ने कहा कि इसका फैसला पार्टी के प्रदेश प्रभारी और अन्य बड़े नेता को करना है.

आदिवासी जन परिषद की जिला व महानगर कमेटी का पुनर्गठन, सुनील होरो बने जिला अध्यक्ष

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। आदिवासी जन परिषद ने करम टोली स्थित केंद्रीय घुमकुड़िया में संगठन की जिला एवं महानगर कमेटी का पुनर्गठन किया. जहां विभिन्न जिलों के कार्यकर्ता शामिल हुए. कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष प्रेमशाही मुंडा ने की. जबकि संचालन कार्यकर्ता सेलिना लकड़ा ने किया. इस दौरान नई कमेटी की शीला उरांव को महिला मोर्चा का रांची महानगर अध्यक्ष, पूजा गुप्ता को महिला मोर्चा महानगर सचिव, सुनील होरो को रांची जिला अध्यक्ष, शिवरतन मुंडा को जिला उपाध्यक्ष और पूनम कुमारी को सिल्ली पंचायत अध्यक्ष, मर्था होरो को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई. इस मौके पर केंद्रीय अध्यक्ष प्रेमशाही मुंडा ने कहा कि राज्य में आदिवासी नीति बनानी होगी. तभी आदिवासियों की जल, जंगल और जमीन बच पाएगी. देश में हिंदू, सिख, ईसाई, जैन, मुस्लिम, बौद्ध की जणगणना

परिपत्र में धर्म कॉलम है. लेकिन आदिवासियों के धर्म कॉलम नहीं होने से आज आदिवासी सभी धर्मों में गिनती किए जा रहे है. 2027 में जातीय गणना में आदिवासियों के लिए अलग से धर्म कॉलम दी जाए, ताकि आदिवासियों की मूल पहचान बचाई जा सके. प्रेम शाही मुंडा ने कहा कि पूर्णगठन में महिलाओं की संख्या बढ़ाई जाएगी, ताकि आने वाले समय में महिला अपनी जल, जंगल और जमीन बचाने के लिए धरातल पर उतर सके. आदिवासी समाज को जागरूक करने का काम करेंगी. केंद्रीय और ग्राम स्तर पर संगठन को मजबूत किए जाएंगे. ताकि आदिवासी समाज के अधिकारों और मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया जा सके.

रांची की सड़कों पर बेलगाम ओवरलोड स्कूल वैन और बसें, डीटीओ और ट्रैफिक पुलिस ने कार्रवाई कर काटे चालान

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। राजधानी में स्कूली बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों पर अब सख्त कार्रवाई शुरू हो गई है. रांची डीटीओ और ट्रैफिक पुलिस की ओर से ओवरलोड स्कूल वैन और बसों के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू हो चुका है. बार बार चेतावनी के बावजूद नियम तोड़ने वाले वाहन संचालकों पर कार्रवाई की जा रही है.

जांच शुरू, लगा फाइन

रांची में डीटीओ अखिलेश कुमार के नेतृत्व में स्कूल वाहनों की सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है. दो दिन पहले ही परिवहन विभाग की तरफ से स्कूल बसों और वाहनों को कड़ी चेतावनी दी गई थी कि वह क्षमता से अधिक बच्चों को ना बैठाए लेकिन बावजूद इसके नियमों की अवहेलना करके बच्चों की सुरक्षा को ताक पर रखा जा रहा था. सूचना मिलने के बाद परिवहन

विभाग और ट्रैफिक पुलिस ने मंगलवार को एक साथ स्कूल वैन और वाहनों की चेकिंग शुरू की. इस दौरान कई स्कूल वैन और बस ओवरलोड पाई गईं. हैरानी की बात यह है कि लगातार जागरूकता और निर्देश के बावजूद वाहन चालक ज्यादा कमाई के लालच में बच्चों की जान जोखिम में डाल रहे हैं. जिला परिवहन विभाग ने ऐसे वाहनों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए मौके पर ही चालान काटे. अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों को जब्त भी किया जाएगा.

स्कूल के नाम बड़े लेकिन बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़

अभियान के दौरान रांची के ऑक्सफर्ड स्कूल, जेवीएम श्यामली और बिशप गर्ल्स स्कूल सहित कई स्कूलों के वाहनों की जांच की गई, जिनमें कई गाड़ियां ओवरलोड मिली. रांची डीटीओ अखिलेश कुमार ने बताया बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है. नियमों का उल्लंघन करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा. रांची डीटीओ ने बताया कि सुबह के समय में चेकिंग जानबूझकर नहीं की गई थी क्योंकि इससे बच्चों का स्कूल प्रभावित होता लेकिन छुट्टी के बाद पूरे राजधानी में जबर्दस्त अभियान चलाया गया है.

11 हजार सहायक आचार्यों को 9 महीने से वेतन नहीं, बोले अधीक्षक - डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन होते ही मिलेगा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षणिक संघ के सचिव मैनेजर सिंह ने बताया कि 11 हजार सहायक आचार्यों का नौ महीने से वेतन भुगतान नहीं हुआ है. इसकी वजह से शिक्षकों के हालात खराब होने लगे हैं. सहायक आचार्यों ने बैंक से डीडी बनाकर जिला शिक्षा अधिक्षक कार्यालय में जमा भी कर दिए गए हैं. बावजूद इसके वेतन भुगतान नहीं हो पाया है. जमा किए गए डीडी भी शिक्षकों के पास वापस आने लगा है. इसकी शिकायत सीएम,सीएस और सेक्रेटरी को भी आवेदन देकर की गयी है. इस बारे में जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज ने कहा कि रांची जिला में 666 सहायक आचार्य हैं. नौ महीने से वेतन नहीं मिलने वाली खबर फेक है. सहायक आचार्य की नियुक्ति और पोस्टिंग 2025 में हुई है. इसके

बाद वेतन की प्रक्रिया संबंधित बोर्ड या विश्वविद्यालय में जांच के लिए भेजा जा चुका है और दूसरा इनकी प्रक्रिया जीपीएस नम्बर से खुलता है. जिसमें भविष्य निधि का पोर्टल खुलता है. इसमें सहायक आचार्य संबंधित ऑप्शन नहीं है. इसे लेकर पत्राचार कर दिया गया है. जब सभी का डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन पूरा हो जाएगा,तो सैलेरी मिलना शुरू हो जाएगा. दिसंबर में इसकी नियुक्ति पत्र और पोस्टिंग हुई है. इसके बाद से प्रक्रियाधीन है. जैसे ही डॉक्यूमेंट पूरा हो जाएगा औ? जीपीएस नम्बर मिल जाता है तो वैसे ही वेतन भुगतान शुरू हो जाएगा.

रांची के हर अंचल में लगा जनता दरबार, सैकड़ों मामलों का ऑन द स्पॉट निराकरण, मुआवजा राशि मिलते ही खिले चेहरे

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। राजधानी के विभिन्न अंचलों और प्रखंडों में मंगलवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया गया. जिला प्रशासन के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम में सैकड़ों आवेदनों का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया और पात्र लाभुकों को प्रमाण पत्र एवं आर्थिक सहायता प्रदान की गई.

मृत व्यक्तियों के आश्रितों को मुआवजा राशि का भुगतान

जनता दरबार के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में मृत व्यक्तियों के आश्रितों को मुआवजा राशि का भुगतान किया गया. सिल्ली अंचल के जांहे गांव की अजरवी फातमा को उनके पति मोहम्मद सलमान की मौत के बाद 1 लाख रुपये की सहायता

“ जनता दरबार के माध्यम से आम नागरिकों को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए एक प्रभावी मंच मिल रहा है. अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि प्राप्त आवेदनों का निष्पादन समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से किया जाए ताकि लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सके. इस पहल से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लोगों को राहत मिल रही है और उन्हें छोटी-छोटी प्रशासनिक समस्याओं के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं: - **मंजूनाथ भजंत्री, उपायुक्त** ”

दी गई. इसी तरह लोवादग की सुजाता देवी को उनके पति मुरलीधर महतो तथा खलारी क्षेत्र की तरुण निशा को उनके पति मजीद अंसारी की मृत्यु के बाद एक-एक लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई. कार्यक्रम के दौरान विभिन्न अंचलों में प्रमाण-पत्र वितरण भी किया गया. मांडर अंचल के बांसजाड़ी गांव के तुरी उरांव को जाति प्रमाण पत्र दिया गया जबकि चान्हो और मांडर में पारिवारिक सदस्यता प्रमाण पत्र जारी किए गए. टटकुंदो गांव के मुनेसर पासवान को भी त्वरित प्रक्रिया के तहत प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया गया.

मांडर अंचल में सबसे अधिक 119 मामलों का निपटारा

अंचलवार निष्पादन के आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो नगड़ी में 85, सिल्ली में 72 और राहे में 100 मामलों का समाधान किया गया है. खलारी में 51, हेहल में 39 और सोनाहातु में 76 आवेदनों का निष्पादन हुआ. वही मांडर अंचल में सबसे अधिक 119 मामलों का निपटारा किया गया, जिसमें आय, आवासीय, जाति और पेंशन से जुड़े मामले शामिल थे. इसके अलावा अनगड़ा में 94, नामकुम में 89, चान्हो में 80 और बुढ़मू में 53 मामलों का निष्पादन किया गया. रातू अंचल में 89 मामलों का समाधान किया गया, जिसमें जाति, आय, आवासीय प्रमाण पत्र के साथ पेंशन और आपदा मुआवजा से जुड़े मामले भी शामिल हैं.

रांची-टाटा रोड पर दर्दनाक हादसा: एक युवक की मौत, दूसरा गंभीर

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बुंडू। थाना क्षेत्र से एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। रांची-टाटा रोड पर स्थित फ्लाईओवर पर मंगलवार शाम करीब 5 बजे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार दो युवकों में से एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों के अनुसार दोनों युवक बुंडू के भाभरी गांव के रहने वाले थे। मृतक की पहचान अजय मुंडा (20 वर्ष), पिता स्वर्गीय पुशवा मुंडा के रूप में हुई है। वहीं घायल युवक गुरुवा मुंडा (20 वर्ष), पिता सुखराम मुंडा बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही बुंडू पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से गंभीर रूप से घायल गुरुवा मुंडा को बुंडू अनुमंडलीय अस्पताल भेजा गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद रिम्स रांची रेफर कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अभाव में दुर्घटना के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। हालांकि आशंका जताई जा रही है कि तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से यह हादसा हुआ। मामले की जांच के लिए पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, ताकि वाहन की पहचान की जा सके। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स, रांची भेज दिया है। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है।

रांची में 6.5 करोड़ से ज्यादा किराया बकाया, नगर निगम ने 258 दुकानदारों पर कसा शिकंजा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। राजधानी में नगर निगम की दुकानों का किराया नहीं चुकाने वाले दुकानदारों के खिलाफ अब सख्त कार्रवाई की तैयारी शुरू हो चुकी है. नगर निगम के आंकड़ों के मुताबिक, शहर के विभिन्न बाजारों में स्थित निगम की दुकानों से कुल 6,51,07,748 रुपये से अधिक का किराया बकाया हो चुका है. इस गंभीर स्थिति को देखते हुए निगम प्रशासन ने 258 डिफॉल्टर दुकानदारों की सूची जारी कर दी है, जिन्होंने लंबे समय से किराया जमा नहीं किया है.

दुकानदारों को कई बार भेजा जा चुका है नोटिस

रांची नगर निगम की ओर से बताया गया है कि इन दुकानदारों को कई बार नोटिस और चेतावनी दी गई लेकिन इसके बावजूद बकाया

भुगतान को लेकर अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिली है. कुछ मामलों में तो दुकानदारों पर लाखों रुपये तक का किराया बकाया है, जो निगम की वित्तीय व्यवस्था पर सीधा असर डाल रहा है.

विकास कार्यों की गति हुई प्रभावित

वहीं निगम अधिकारियों का कहना है कि दुकानों से मिलने वाला किराया निगम की आय का एक अहम भाग होता है. इसी राशि से शहर में सड़क निर्माण, सफाई व्यवस्था, जलापूर्ति और अन्य बुनियादी सुविधाओं को संचालित किया जाता है. ऐसे में लगातार बढ़ते बकाया के कारण विकास कार्यों की गति प्रभावित हो रही है. अब नगर निगम ने स्पष्ट कर दिया है कि बकायेदारों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे. अंतिम चेतावनी जारी करते हुए कहा गया है कि यदि जल्द ही किराया जमा नहीं किया गया, तो संबंधित दुकानों को सील किया जाएगा और उनका आवंटन रद्द कर दिया जाएगा.

बकाया भुगतान में देरी स्वीकार नहीं: नगर निगम

इसके साथ ही कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया भी शुरू की जा सकती है. जिन दुकानदारों पर अधिक बकाया है, उनके खिलाफ प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाएगी. दूसरी ओर कुछ दुकानदार आर्थिक तंगी का हवाला देते हुए निगम से राहत और समय की मांग कर रहे हैं. व्यापारियों का कहना है कि पिछले कुछ समय में व्यापार प्रभावित रहा, जिसके कारण वे समय पर भुगतान नहीं कर सके. हालांकि निगम प्रशासन का मानना है कि अब परिस्थितियां सामान्य हो चुकी हैं और बकाया भुगतान में देरी को स्वीकार नहीं किया जाएगा.

डिफॉल्टर दुकानदारों की सूची सार्वजनिक

इस बीच नगर निगम ने डिफॉल्टर दुकानदारों की सूची अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर सार्वजनिक कर दी है. इसमें दुकानदारों के नाम, दुकान का स्थान और बकाया राशि का पूरा विवरण दिया गया है. इस कदम के बाद कई दुकानदारों में हलचल देखी जा रही है और वे बकाया चुकाने के लिए निगम कार्यालय पहुंच रहे हैं ताकि किसी भी तरह की सख्त कार्रवाई से बचा जा सके. नगर निगम की संपत्तियों से मिलने वाला किराया शहर के विकास का महत्वपूर्ण आधार है. बार-बार नोटिस देने के बावजूद कई दुकानदारों द्वारा बकाया नहीं चुकाना गंभीर विषय है. अब डिफॉल्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी यदि जल्द भुगतान नहीं किया गया तो दुकानों को सील करने, आवंटन रद्द करने और कानूनी कार्रवाई से भी पीछे नहीं हटेंगे साथ ही जिन पर अधिक बकाया है।

पेसा कानून पर संग्राम! खूंटी में ग्राम प्रधान को नोटिस से भड़का विवाद

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। झारखंड के खूंटी जिला में पेसा कानून को लेकर प्रशासन और पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था आमने-सामने आ गए हैं. कर्रा प्रखंड में ग्राम प्रधान को जारी कारण बताओ नोटिस ने विवाद को तूल दे दिया है. इस कार्रवाई के विरोध में ग्राम प्रधानों और पड़हा राजाओं ने एकजुट होकर मोर्चा खोल दिया है. पंचायती राज विभाग की पूर्व निदेशक और कम्र अधिकारी निशा उरांव के नेतृत्व में पारंपरिक पदाधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को खूंटी उपायुक्त कार्यालय पहुंचा. यहां उन्होंने ज्ञापन सौंपकर मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की.

नोटिस पर उठे कानूनी सवाल

प्रतिनिधिमंडल का कहना है कि

कर्रा प्रखंड के बीडीओ द्वारा जारी नोटिस में किसी भी कानून या धारा का स्पष्ट उल्लेख नहीं है जबकि दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई है. इससे प्रशासनिक प्रक्रिया और अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र पर सवाल खड़े हो रहे हैं.

पारंपरिक व्यवस्था में दखल का आरोप

निशा उरांव ने प्रशासन की कार्रवाई को पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था में हस्तक्षेप बताया. उनका कहना है कि ग्राम प्रधान और पाहन किसी सरकारी ढांचे के कर्मचारी नहीं होते, बल्कि वे परंपरागत प्रणाली के तहत काम करते हैं. ऐसे में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा नोटिस जारी करना ग्राम सभा की स्वायत्तता के खिलाफ है. उन्होंने यह भी कहा कि निर्वाचित जनप्रतिनिधि जैसे मुखिया सरकारी व्यवस्था के अंतर्गत आते हैं। जबकि ग्राम प्रधान पारंपरिक अधिकारों के आधार पर कार्य करते हैं. इस अंतर को समझे बिना की जा रही कार्रवाई से विवाद पैदा हो रहा है.

कोटालपोखर में भाजपा की प्रचंड जीत पर ऐतिहासिक जश्न, पूरे क्षेत्र में निकाला गया भव्य विजय जुलूस

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

बरहरवा/साहिबगंज। पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत के बाद कोटालपोखर क्षेत्र में उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर भाजपा कोटालपोखर मंडल के कार्यकर्ताओं ने भव्य और यादगार तरीके से विजय उत्सव मनाया। कार्यक्रम का नेतृत्व मंडल अध्यक्ष विकास कुमार भगत (बिक्की) ने किया, जिनकी अध्यक्षता में सैकड़ों कार्यकर्ता एकत्र हुए और पूरे क्षेत्र में जोरदार जुलूस निकाला गया। जश्न की शुरूआत शांति चौक से हुई, जहां से कार्यकताओं का काफिला ढोल - नगाड़ों और डीजे की गूंजती धुनों के साथ आगे बढ़ा। यह जुलूस गनी चौक, गांधी मोहल्ला, रेलवे फाटक होते हुए बाजार क्षेत्र और आसपास के ग्रामीण इलाकों तक पहुंचा। पूरे मार्ग में कार्यकताओं ने रंग - गुलाल उड़ाकर और एक - दूसरे को अबीर लगाकर जीत की खुशी साझा की। पटाखों की गूंज और जय श्रीराम के नारों से पूरा वातावरण भक्तिमय और जोशपूर्ण हो उठा। जुलूस के दौरान जगह - जगह लोगों ने कार्यकताओं का स्वागत किया और इस जीत को ऐतिहासिक बताया। खासकर युवा एवं महिला वर्ग में इस जीत को लेकर विशेष उत्साह देखा गया, जो डीजे की धुन पर नाचते - झूमते नजर आए। कार्यक्रम के क्रम में पूर्व बरहरवा प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष रंजीत कुमार साह के आवास पर कार्यकताओं के लिए झालमूड़ी का वितरण किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह जीत केवल एक राजनीतिक सफलता नहीं, बल्कि जनता के विश्वास और कार्यकताओं की अथक मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जनता अब जागरूक हो चुकी है और विकास तथा सुशासन के आधार पर ही अपना निर्णय देती है। वहीं मंडल अध्यक्ष विकास कुमार भगत ने अपने संबोधन में कहा कि इस ऐतिहासिक जीत ने यह साबित कर दिया है कि जनता केवल वादों पर नहीं, बल्कि कार्यों पर भरोसा करती है। उन्होंने सभी कार्यकताओं को इस सफलता के लिए बधाई देते हुए कहा कि पार्टी आगे भी जनहित के मुद्दों पर पूरी मजबूती के साथ काम करती रहेगी। इस मौके पर क्षेत्र के कई वरिष्ठ एवं सक्रिय कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिनमें प्रमुख रूप से रंजीत कुमार साह, राजेश साह, प्रणव सिंह, गंगा घोष, जितेन्द्र सिंह, अशोक साह, सीमा देवी, तारुला देवी, सोनमुनि देवी, अनूप लाल रजक, बासुदेव कुमार, गौरांग मंडल, पंकज गुप्ता सहित बड़ी संख्या में सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल थे। कुल मिलाकर कोटालपोखर में मनाया गया यह विजय उत्सव न केवल राजनीतिक जोश का प्रतीक बना, बल्कि कार्यकताओं की एकजुटता और जनसमर्थन का भी सशक्त संदेश देता नजर आया।

सदर अस्पताल के एआरटी सेंटर के स्वास्थ्य कर्मी व क्लर्क के बीच हुआ विवाद

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ना करने मीटिंग जॉइन,नहीं करने व समय पर ना आने को लेकर स्पष्टीकरण

साहिबगंज। जिले के बड़े सदर अस्पताल में आए सुर्खियों में रहती है. जहां कभी समय पर डॉक्टर उपलब्ध नहीं रहते हैं तो कभी. डॉक्टर मरीज को छोड़कर फरार हो जाते हैं. कभी डॉक्टर व मरीज के साथ तीखा बहस हो जाते हैं. जिसके चलते जिले के बड़े सदर अस्पताल सुर्खियों में बनी रहती है. ऐसा ही मामला सदर अस्पताल में को देखने को मिला जहाँ सदर अस्पताल के क्लर्क प्रवीण सक्सेना व एआरटी सेंटर के कर्मियों के साथ मंगलवार को तीखी बहस हो गई। मामला इतना बढ़ गया कि सीएस व डीएस भी मौके पर पहुंच गए। मामला एआरटी सेंटर के महिला स्वास्थ कर्मियों ने बताया कि क्लर्क प्रवीण सक्सेना द्वारा स्टॉप कर्मी को स्पष्टीकरण निकल गया था.कि अपने कर्तव्य का पालन नहीं कर रही है बताया गया कि आप लोग वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग नहीं करती हो कोई भी मीटिंग ज्वाइन नहीं करती हो व समय पर अस्पताल नहीं पहुंचने को लेकर स्पष्टीकरण पूछा गया। लेकिन जब मंगलवार को एआरटी सेंटर के डॉक्टर व सभी स्वास्थ कर्मी स्पष्टीकरण का जवाब देने डीएस कार्यालय में गए तो वहां मौजूद क्लर्क प्रवीण सक्सेना ने आवेदन लेने से इंकार कर दिया। आरोप है कि क्लर्क द्वारा अभद्र भाषा का उपयोग किया गया। कार्यालय में कभी इस कर्मी तो कभी उस कर्मी के पास भेजा गया। लेकिन कोई भी स्पष्टीकरण का जवाब पत्र नहीं लिया। इस पर दोनों पक्ष के बीच कड़ी बहस हुई। वही क्लर्क प्रवीण सक्सेना से इस मामले में संपर्क नहीं हो पाया दो बार फोन करने के बाद कोई जवाब नहीं मिलपाया इधर सीएस व डीएस मौके पर पहुंच दोनों पक्ष को समझा बुझाकर मामला को शांत कराया है।

खाना बनाने के दौरान आग से झुलसने से एक युवती की दर्दनाक मौत

साहिबगंज। नगर थाना क्षेत्र में खाना बनाने के दौरान आग से झुलसने से एक युवती की दर्दनाक मौत हो गई बताया जा रहा है कि.कॉलेज रोड दाल कुआं के पास आग से एक युवती गंभीर रूप से झुलस गई। परिजनों ने आनन फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां डॉक्टर डॉ.आशुतोष कुमार ने प्राथमिक इलाज के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया है। हालांकि कुछ देर बाद युवती ने दम तोड़ दी। मृतका कॉलेज रोड के रहने वाले मनोज की पुत्री निशा कुमारी(22) है। पीड़िता के भाई सौरभ कुमार ने बताया कि वे अपना सुनार दुकान में था। जबकि मां व बहन घर में थी। खाना बनाने के दौरान उसकी बहन गंभीर रूप से झुलस गई। आसपास के लोगों से सूचना मिलने पर गया तो देखा कि उसकी बहन गंभीर रूप से झुलसी पड़ी है। भाई ने बताया कि खाना बनाने के दौरान ही घटना हुई है। वही डॉक्टर ने बताया कि युवती 80 फीसदी झुलस चुकी थी। बेहतर इलाज के लिए रेफर भी किया गया था। हालांकि इलाज के दौरान ही युवती ने दम तोड़ दी। इधर पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

राधानगर में विवाहिता महिला एवं उसके पति के साथ मारपीट, 6 लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज

उधवा/साहिबगंज। राधानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत राधानगर गांव में एक विवाहिता महिला एवं उसके पति के साथ मारपीट किए जाने के मामले में पुलिस ने मंगलवार को 6 लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र अंतर्गत राधानगर गांव की नीलम कुमारी ने पुलिस को आवेदन देकर आरोप लगाया है कि जितनी देवी, पंचमी देवी, सनोत मंडल, प्रीति कुमारी ने मुझे और मेरे पति को गाली गलौज करते हुए धक्का मारकर घर से निकालने लगे। तभी मेरे पड़ोसी शुकमोल मंडल व अनित मंडल दोनों आए और मेरे पति को मारने लगे। मेरे पति ने कहा तुम क्यों आए झगड़ा में तो सुकमोल मंडल कहने लगे कि तुम्हारे पिता ने कहा है तुम्हे मारने के लिए। मेरे पति को बचाने गई तो मुझे भी जितनी देवी, पंचमी देवी व प्रीति कुमारी ने मिलकर मेरे साथ मारपीट की बाल पकड़कर घसीटने लगी। उन्होंने आगे बताया कि सोमवार को भी मेरे साथ मारपीट की है। और मेरे पति से कहती है कि इसे छोड़ दो तुम्हारी दूसरी शादी करवाएंगे। वही पीड़िता विवाहिता ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई। वही मामले को लेकर पुलिस ने पीड़िता के बयान पर कांड संख्या 145/26 के तहत 6 लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

फूड वेंडर्स को रखना होगा स्वच्छता का ध्यान, गाइडलाइन जारी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

देवघर। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह के निर्देश पर जिले में सड़क किनारे भोजन बेचने वाले फूड वेंडर्स और अन्य खाद्य इकाइयों के लिए स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। यह निर्देश खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत जारी किए गए हैं। इसके अनुसार सभी फूड वेंडर्स को अनिवार्य रूप से निबंधन प्राप्त कर ही खाद्य कारोबार संचालित करना होगा। जारी निर्देशों में कहा गया है कि वेंडर्स को कचरा, अपशिष्ट जल, खुली नालियों और आवारा पशुओं जैसे संदूषण के स्रोतों से दूर रहकर काम करना होगा। वेंडिंग कार्ट (रेहड़ी) की सतह मजबूत, जंग-रोधी और साफ-सुथरी होनी चाहिए और उसे धूल, हवा और धूप से सुरक्षित रखा जाए। उपयोग में नहीं रहने पर गाड़ियों को साफ स्थान पर रखना अनिवार्य होगा। खाद्य स्टॉल संचालकों को ढक्कनयुक्त कूड़ेदान की व्यवस्था करनी होगी और कार्यस्थल जमीन से कम से कम 60-70 सेंटीमीटर ऊंचा होना चाहिए। इसके अलावा शाकाहारी और मांसाहारी खाद्य पदार्थों को अलग-अलग रखने, बचे हुए भोजन का पुनः उपयोग नहीं करने और फ्रिज का तापमान 03 से 07 डिग्री सेल्सियस के बीच बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। उपायुक्त ने कहा कि निर्देशों का पालन में लापरवाही बरतने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जिला जनसंपर्क कार्यालय में शोक सभा आयोजित कर दी गई दिवगंत पत्रकार मामलोत शेख को श्रद्धांजलि

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

साहिबगंज। जिला मुख्यालय के बरहरवा प्रखंड क्षेत्र से लंबे समय से पत्रकारिता जगत में कार्य करने वाले पत्रकार मामलोत शेख का बीते दिनों बीमारी के कारण निधन हो गया था। जहां दिवगंत पत्रकार मामलोत शेख वर्तमान समय में लोकतंत्र की आवाज नामक हिंदी दैनिक समाचार पत्र के जिला प्रभारी के पद पर रहकर पत्रकारिता कर रहे थे। उधर दिवंगत पत्रकार मामलोत शेख के निधन की सूचना पाकर सोमवार को जिला जनसंपर्क कार्यालय परिसर के सभागार में झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन साहिबगंज इकाई के बैनर तले एक शोक सभा कार्यक्रम आयोजित करते हुए सभी पत्रकारों ने 2 मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर कई पत्रकारों ने दिवंगत पत्रकार मामलोत शेख के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे काफी मिलनसार व नेकदिल इंसान थे जहां उनके निधन से पूरा पत्रकार वर्ग दुखी है। वही उनके साथ बिताए हुए पलों को याद करते हुए सभी पत्रकार कुछ देर के लिए भावुक हो गए। इस शोकसभा कार्यक्रम के मौके पर अरविंद ठाकुर, शिवशंकर निराला, मुमताज नुमानी, प्रवीण कुमार, पंकज वर्मा, बच्चन कुमार पाठक, मो. गुलजार, मो. अफसर अली, बिट्टू सिंहा, सहेंद्र प्रसाद, मुकेश मिश्रा, विजय केजरीवाल, अरविंद कुमार यादव, शुभेंदु पंडित, सुनील कुमार आजाद, चंदन सिंह, आलोक कुमार व चंदन कुमार मौजूद थे।

संगठन मजबूती को लेकर पतना में भाजपा प्रखंड कमिटी की बैठक आयोजित

बरहरवा/साहिबगंज। भारतीय जनता पार्टी पतना प्रखंड कमिटी की विशेष बैठक पतना प्रखण्ड के बड़ा दिघी स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष कुणाल किशोर मंडल ने किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्देशानुसार संगठन मजबूत करने तथा केंद्र सरकार की योजनाओं को घर-घर लाभ दिलाने व गरीब मजदूर को हक दिलाने के उद्देश्य को सुनिश्चित करना है,वही प.बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की प्रचण्ड जीत को लेकर भी महत्वपूर्ण चर्चा की गई ,बंगाल की जनता ने सबका साथ सबका विकास वाली भाजपा की नीतियों पर दिल खोलकर भरोसा जताया है।जिसका परिणाम आज देखने को मिल रहा है,बंगाल में अब सुशाशन और रामराज्य स्थपित होगा,और महिलाओं की सुरक्षा और विकास की मुख्य धारा से बंगाल को जोड़ा जाएगा।बैठक में मुख्य रूप से कार्यक्रम प्रभारी उषा भारती जिला उपाध्यक्ष चौकीदार हादसा प्रखंड प्रतिनिधि जितेंद्र टूरी प्रखंड प्रथम महामंत्री रोहित रजक उपाध्यक्ष जगन मुर्मू बासकी मंडल ठाकुर हेमाराम रस्सी मोर्चा अध्यक्ष श्याम टूरी युवा नेता रोबिन दास बाबूलाल हसदा लालटु शेख प्रखंड मंत्री पूनम देवी गीता देवी संजय पुरी होपना मरांडी तथा शक्ति में प्रभारी उपस्थित थे।

जान से मारने की नियत से मारपीट करने एवं धमकी देने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

उधवा/साहिबगंज। राधानगर थाना क्षेत्र के राधानगर गांव में घर में घुसकर जान मारने की नियत से मारपीट करने एवं धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर मंगलवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार राधानगर गांव निवासी जितनी मंडल ने राधानगर थाना में आवेदन देकर आरोप लगाया है, विक्रम मंडल और उसकी पत्नी नीलम देवी उसके घर में घुस आए। उस समय घर में मेहमान मौजूद थे। आरोप है कि दोनों ने घर में रखा भोजन फेंक दिया और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी।पीड़िता के अनुसार, विक्रम मंडल हसुवा लेकर आया था और उसने घर में मौजूद लोगों को काटने के लिए दौड़ाया तथा जान से मारने की धमकी दी। महिला ने यह भी बताया कि आरोपी अक्सर शराब के नशे में गाली-गलौज करता है। मामले को लेकर गांव को पंचायत भी बुलाई गई, जिसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों की मौजूदगी में यह निर्णय लिया गया कि पीड़िता आरोपी को 6 लाख रुपये देगी, जिसके बाद आरोपी घर खाली कर देगा। इसके लिए 3 मई की तिथि तय की गई थी। पीड़िता ने बताया कि उसने किसी तरह सोना-चांदी, पशुधन और जमीन गिरवी रखकर 6 लाख रुपये की व्यवस्था की।लेकिन तय तारीख को जब वह रुपये देने पहुंची, तो आरोपी ने पैसे लेने से इनकार कर दिया और घर खाली करने से भी मना कर दिया। आरोप है कि इसी दौरान आरोपी ने महिला के साथ फिर मारपीट की, धक्का देकर गिरा दिया, जिससे उसके हाथ में चोट लग गई और खून बहने लगा। साथ ही बाल पकड़कर घसीटा और पेट व सीने पर लात से वार किया। हल्ला सुनकर आसपास के लोग जुटने लगे, जिसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। इधर, मामले की गंभीरता को देखते हुए राधानगर थाना पुलिस ने कांड संख्या 144/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी विक्रम मंडल को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच-पड़ताल कर रही है। छापेमारी दल में राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज, एएसआई कान्हू मुर्मू समेत अन्य मौजूद थे।

बीआईटी में एफडीपी का शुभारंभ, देश-विदेश के शोधार्थी होंगे शामिल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

रांची। बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईटी) मेसरा में स्मार्ट ऊर्जा प्रौद्योगिकियों, इंटेलिजेंट कंट्रोल और ड्राइव्स में प्रगति विषय पर मंगलवार को पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का आयोजन किया गया।यह कार्यक्रम आठ मई तक चलेगा, जिसमें आईआईटी और एनआईटी के प्रख्यात शिक्षाविद और उद्योग विशेषज्ञों के व्याख्यान शामिल होंगे।कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न संस्थानों से फैकल्टी सदस्य, शोधार्थी और स्नातकोत्तर छात्र भाग ले रहे हैं।इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि प्रो अशोक शेरॉन, डीन (फैकल्टी अफेयर्स) ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने ऊर्जा प्रणालियों के तेजी से विकसित होते क्षेत्र में निरंतर सीखने और अनुकूलन के महत्व पर बल दिया। डीन प्रोफेसर अशोक ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षाविदों, शोधकताओं और उद्योग विशेषज्ञों को एक मंच प्रदान करना है।

समापन दिवस पर ग्रिड कंट्रोलर ऑफ इंडिया के ईआरएलडीसी (ऑपरेशनलटेक्नोलॉजीझडिसी जन सपोर्ट)के चीफ मैनेजर चंदन कुमार की ओर से उद्योग-केंद्रित सत्र आयोजित किया जाएगा, जिसमें पावर सिस्टम संचालन में वास्तविक अनुप्रयोगों पर चर्चा होगी। सत्रों में माइक्रोग्रिड, ऊर्जा भंडारण प्रणाली, इंटेलिजेंट कंट्रोल तकनीकें और उन्नत इलेक्ट्रिक ड्राइव्स जैसे प्रमुख विषय शामिल होंगे।कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ एसके मिश्रा, प्रो टी घोष, डॉ सोनम आचार्य, डॉ प्रतीम पान, डॉ संजीव कुमार, डॉ सोनम आचार्य सहित अन्य लोग मौजूद थे।

डीटीओ ने की स्कूली बस सहित 93 वाहनों की जांच, दो लाख का वसूला जुमार्ना

रांची,। जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ)अखिलेश कुमार और पुलिस उपाधीक्षक (यातायात) प्रमोद कुमार केशरी के नेतृत्व में संयुक्त रूप वाहन जांच अभियान चलाया गया। जांच अभियान डोरंडा, श्यामली तथा जगन्नाथपुर क्षेत्र में चलाया गया।इस दौरान विशेष रूप से स्कूल वैन एवं बसों की सघन जांच की गई।अभियान के तहत कुल 93 स्कूल वैन और बसों की जांच की गई। जांच के दौरान वाहनों के आवश्यक दस्तावेज जैसे रोड टैक्स, फिटनेस, इंश्योरेंस, परमिट, प्रदूषण प्रमाण पत्र की गहन जांच की गई। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया कि वाहनों में निर्धारित बैठने की क्षमता से अधिक बच्चों को न बैठाया जा रहा हो।जांच में कई वाहनों की ओर से निर्धारित मानकों का उल्लंघन पाया गया। दस्तावेजों के अद्यतन नहीं रहने तथा ओवरलोडिंग के मामलों में 32 वाहनों पर कुल 2,04,550 रुपए का जुमार्ना लगाया गया। इसके अतिरिक्त 78 वाहनों को विभिन्न मानकों का पालन नहीं करने के कारण नोटिस जारी किया जा रहा है।डीटीओ ने बताया कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस संदर्भ में स्कूल वैन से आने-जाने वाले बच्चों के अभिभावकों से अपील की गई है कि वे अपने बच्चों को केवल सुरक्षित एवं नियमों का पालन करने वाले वाहनों से ही विद्यालय भेजें। इस प्रकार के जांच अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे, ताकि स्कूली बच्चों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की जा सके और यातायात नियमों का कड़ाई से अनुपालन हो।

श्री श्याम मंदिर में सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का हुआ पाठ

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

रांची। श्याम मंदिर में 202 वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा पाठ श्री श्याम मित्र मंडल की ओर से हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को 202 वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया गया।राम सिया राम सिया राम जय जय राम...के गायन और बजरंगबली की जय जयकारों से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था।मंडल के सदस्य अरुण खुटेटा ने मंडल के वरिष्ठ सदस्य प्रभुदयाल नारसरिया और निर्वतमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया से बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्जवलित कराई। नारसरिया परिवार ने केसरिया पेड़ा गुड़ चना फल का भोग बालाजी महाराज को अर्पित किया। निर्वतमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ की पूजा करके पाठ वाचकों का चंदन वंदन किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक डफली के स्वर के साथ श्री गणेश वंदना कर श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया।सुंदरकांड का संगीतमय पाठ उपस्थित भक्तजनों से कराया गया। पाठ के मध्य में भजनों का गायन भी किया गया। श्री सुंदरकांड के पाठ के बाद पुनः श्री हनुमान चालीसा का पाठ करके महाआरती करके भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया।इस अवसर पर मण्डल उपाध्यक्ष श्रवन ढानढनिया, अरुण खुटेटा, रिषभ कुमार, हर्ष, कृष्णा, अंकित कुमार सहित कई भक्त उपस्थित थे।यह जानकारी मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने दी।

बरहरवा रेलवे स्टेशन पर रात्रि छापेमारी, 6 नाबालिग संदिग्ध अवस्था में बरामद, मानव तस्करी की आशंका पर सतर्क कार्रवाई

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

बरहरवा/साहिबगंज। मानव तस्करी, टीओपीबी (ट्रैफिकिंग ऑफ पर्सन्स/बच्चों की तस्करी) एवं अन्य आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम को लेकर बरहरवा रेलवे स्टेशन पर सोमवार देर रात व्यापक छापेमारी एवं तलाशी अभियान चलाया गया। यह अभियान इंस्पेक्टर संजीव कुमार के नेतृत्व में रात लगभग 22:40 बजे शुरू हुआ, जिसमें आरपीएफ की टीम पूरी मुस्तैदी के साथ तैनात रही। अभियान में एएसआई सुरेश पासवान, एएसआई बी.एन. टुडू, कांस्टेबल अमरेश कुमार, महिला कांस्टेबल अर्पण कुमारी एवं काजल कुमारी के साथ - साथ बाल मंथन संस्थान, बरहरवा की प्रतिनिधि आराधना मंडल भी शामिल थीं। टीम ने स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म एवं सकुर्लेटिंग एरिया में गहन जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान सकुर्लेटिंग एरिया में कुल 06 नाबालिग बच्चे संदिग्ध परिस्थिति में बिना किसी समुचित सामान के पाए गए। पूछताछ में इनमें से 03 नाबालिग (02 बालिकाएं एवं 01 बालक) ने अपनी आयु लगभग 10 वर्ष, 17 वर्ष एवं 16 वर्ष बताई और अपना घर थाना तालझाड़ी, जिला साहेबगंज बताया। उन्होंने बताया कि वे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक के माध्यम से आपस में संपर्क में आए थे और दिन के करीब 11 बजे बिना परिजनों को बताए घर से निकल गए थे। इनमें से एक 10 वर्षीय बालिका ने बताया कि वह एक परिचित युवक के साथ आई थी, लेकिन आरपीएफ की मौजूदगी देखते ही वह युवक मौके से फरार हो गया। इस घटना ने मानव तस्करी की आशंका को और गंभीर बना दिया। वहीं शेष 03 नाबालिग बालकों (आयु लगभग 16, 16 एवं 17 वर्ष) ने अपना घर थाना कोटालपोखर, जिला साहेबगंज बताया। उन्होंने कहा कि वे मजदूरी के उद्देश्य से बिना परिवार को बताए पटना (बिहार) जाने के लिए स्टेशन पहुंचे थे। नाबालिगों की गतिविधियां एवं उनके बयान संदिग्ध और असंतोषजनक पाए जाने के कारण, सभी को तत्काल सुरक्षा के तहत आरपीएफ पोस्ट बरहरवा लाया गया। वहां बाल मंथन संस्थान की प्रतिनिधि आराधना मंडल की उपस्थिति में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई।इसके बाद सभी 06 नाबालिगों को विधिवत बाल मंथन संस्थान, बरहरवा को सुपुर्द कर दिया गया, ताकि उनके संरक्षण, काउंसलिंग और आगे की वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। आरपीएफ की इस सतर्क और समय पर की गई कार्रवाई से संभावित मानव तस्करी की बड़ी घटना को टाल दिया गया। साथ ही, यह अभियान अभिभावकों के लिए भी एक चेतावनी है कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों पर विशेष नजर रखें, विशेषकर सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए।

रांची में जेपीएससी की परीक्षा को लेकर 10 को रहेगी निषेधाज्ञा

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) रांची की ओर से 10 मई को राजधानी के विभिन्न 15 परीक्षा केंद्रों में आयोजित होनेवाले झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा (बैकलॉग) प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा-2023 होगी।परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन की ओर से मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार परीक्षा केंद्रों में असामाजिक तत्व भीड़ लगाकर विधि-व्यवस्था भंग करने की आशंका को देखते हुए अनुमंडल दंडाधिकारी, सदर ने परीक्षा केन्द्रों के 200 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा जारी की है। यह निषेधाज्ञा 10 मई की सुबह 07 बजे से लेकर अगले दिन सुबह 08 बजे तक प्रभावी रहेगायह निषेधाज्ञा परीक्षा कदाचारमुक्त और विधि-व्यवस्था के लिए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी और अपर जिला दंडाधिकारी (विधि व्यवस्था) के आदेश पर पुलिस बल एवं पुलिस पदाधिकारी के साथ दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है।जारी निषेधाज्ञा के तहत पांच या पांच से अधिक व्यक्तियों का एक जगह जमा होना (सरकारी कार्य में लगे पदाधिकारियों-कर्मचारियों और सरकारी कार्यक्रम एवं शवयात्रा को छोड़कर) और किसी प्रकार का ध्वनि विस्तारक यंत्र का व्यवहार करने की मनाही होगी।साथ ही किसी प्रकार का अस्त्र-शस्त्र, जैसे बंदूक, राईफल, रिवाल्वर, बम, बारूद लेकर चलने पर पांबदी रहेगी।

एसपी ने परखी पुलिसिंग की रफ्तार, गश्ती और जांच व्यवस्था मजबूत करने का आदेश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पाकुड़: जिले में कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ करने तथा पुलिस व्यवस्था की कार्यशैली को चुस्त-दुरुस्त बनाने के उद्देश्य से मंगलवार (05 मई 2026) को पुलिस अधीक्षक पाकुड़ द्वारा जिला नियंत्रण कक्ष (डायल 112), मुफस्सिल थाना, मालपहाड़ी ओ.पी., चांदपुर एवं पथरघट्टा चेकपोस्ट का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न बिंदुओं पर गहन समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण के क्रम में पुलिस अधीक्षक ने सबसे पहले जिला नियंत्रण कक्ष/डायल 112 की कार्यप्रणाली का जायजा लिया। उन्होंने विशेष रूप से आमजन से प्राप्त शिकायतों के त्वरित निष्पादन पर जोर देते हुए

रिस्पॉन्स टाइम को और कम करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आपातकालीन सेवाओं में समय की अहम भूमिका होती है, इसलिए हर कॉल पर तत्परता और संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि जरूरतमंदों को समय पर सहायता मिल सके।इसके बाद पुलिस अधीक्षक ने मुफस्सिल थाना एवं मालपहाड़ी ओ.पी. का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, भवन की स्थिति, सुरक्षा उपकरणों तथा सिरिस्ता अभिलेखों के रख-रखाव की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि थाना परिसर को व्यवस्थित और सुसज्जित रखा जाए तथा सभी अभिलेखों का अद्यतन संधारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही थाना क्षेत्र में अपराध नियंत्रण को लेकर नियमित गश्ती अभियान चलाने और संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखने का निर्देश दिया गया।

पुलिस अधीक्षक ने मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत चांदपुर चेकपोस्ट तथा मालपहाड़ी ओ.पी. अंतर्गत पथरघट्टा चेकपोस्ट का भी निरीक्षण किया। इस दौरान चेकपोस्ट पर तैनात दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि चेकपोस्ट से गुजरने वाले सभी मालवाहक वाहनों की गहन जांच की जाए। विशेष रूप से माइनिंग चालान एवं अन्य आवश्यक कागजातों की बारीकी से जांच सुनिश्चित करने को कहा गया। उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि किसी भी परिस्थिति में अवैध खनिजों का परिवहन चेकपोस्ट से नहीं होने दिया जाए।औचक निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने यह भी स्पष्ट किया कि जिले में अवैध गतिविधियों पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए लगातार निगरानी और सख्ती बरती जाएगी। उन्होंने सभी पुलिस पदाधिकारियों को जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की हिदायत दी, ताकि आमजन में सुरक्षा और विश्वास का माहौल बना

गांवों में सार्वजनिक स्थानों पर सीमेंट कुर्सी लगाने की मांग, जागेश्वर कुमार ने बीडीओ से की मुलाकात

झारखंड उजाला हजारीबाग ब्यूरो

गर्री खुर्द में एक भी कुर्सी नहीं, पांडेपुरा खुर्द में सिर्फ एक: निजी स्कूलों की जगह सार्वजनिक स्थलों पर कुर्सी लगाने पर जोर

केरेडारी/हजारीबाग: विधायक मीडिया प्रतिनिधि जागेश्वर कुमार ने आज प्रखंड विकास पदाधिकारी विवेक कुमार से मुलाकात कर गांवों की समस्याओं पर चर्चा की। बैठक का मुख्य उद्देश्य 15वें वित्त आयोग की राशि से सार्वजनिक स्थानों पर सीमेंट की कुर्सी लगाने के मुद्दे को उठाना था।

क्या है मामला?

जागेश्वर कुमार ने बीडीओ को बताया कि 15वें वित्त आयोग से कई गांवों में सार्वजनिक स्थानों पर बैठने के लिए सीमेंट की कुर्सियां लगाई गई थीं। लेकिन कई गांव अब भी वंचित हैं। गर्री खुर्द गांव में एक भी सार्वजनिक कुर्सी नहीं लगी है, जबकि पांडेपुरा खुर्द में सिर्फ एक कुर्सी लगाई गई है।

निजी स्कूलों में क्यों लग रही कुर्सी?

उन्होंने आरोप लगाया कि कई जगह सार्वजनिक स्थानों की बजाय मुखिया पति विकास कुमार ने अपने निजी स्कूलों में कुर्सियां लगा दी हैं। जागेश्वर कुमार ने मांग की कि कुर्सियां सार्वजनिक स्थानों जैसे चौक-चौराहा, पंचायत भवन, सामुदायिक स्थल पर ही लगाई जाएं ताकि ग्रामीण जनता वहां बैठकर सुविधा का लाभ ले सके। बीडीओ विवेक कुमार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि 15वें वित्त की राशि का उपयोग पूरी पारदर्शिता से सार्वजनिक हित में ही होना चाहिए।

हुसैनाबाद का मुख्य सब्जी बाजार बना नर्क, सड़क पर बह रही नाली, जाम और अव्यवस्था से त्रस्त लोग

हुसैनाबाद,पलामू: हुसैनाबाद नगर पंचायत का मुख्य सब्जी बाजार इन दिनों अव्यवस्था, गंदगी और प्रशासनिक लापरवाही का प्रतीक बन गया है। नगर के सबसे व्यस्त बाजार क्षेत्र में नाली का गंदा पानी मुख्य सड़क पर बह रहा है, जिससे पूरा इलाका नरक में तब्दील हो गया है। बदबू, कीचड़ और जलजमाव के बीच खरीदारी करना तो दूर, पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है।हुसैनाबाद नगर पंचायत एक ऐसा शहरी क्षेत्र है, जहां आज तक व्यवस्थित सब्जी एवं फल बाजार की व्यवस्था नहीं हो सकी है। वर्षों से मुख्य सड़क पर ही सब्जी और फल की दुकानें सजती रही हैं। कोरोना काल में अनुमंडल प्रशासन ने अस्थायी तौर पर बाजार को कपूरी मैदान में शिफ्ट किया था, लेकिन बाद में स्थिति फिर जस की तस हो गई।आबादी बढ़ने और बेरोजगारी के कारण ठेला एवं फुटपाथ दुकानदारों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। अब सैकड़ों की संख्या में विक्रेता सड़क और ठेले पर दुकान लगाकर बाजार संचालित कर रहे हैं। इसका परिणाम यह है कि बाजार क्षेत्र में रोजाना भीषण जाम की स्थिति बन रही है। चारपहिया वाहनों और बाइक चालकों के लिए गुजरना मुश्किल हो गया है, वहीं पैदल राहगीर भी जोखिम उठाकर चलने को मजबूर हैं।सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि लाखों-करोड़ों रुपये खर्च कर बनाई गई नालियां बेकार साबित हो रही हैं। जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से नाली का गंदा पानी सड़क पर बह रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि विकास योजनाएं केवल कागजों और ठेकेदारों की कमाई तक सीमित हैं, जबकि जमीनी स्तर पर स्थिति बदतर होती जा रही है।नगर पंचायत प्रशासन द्वारा हर वर्ष हाट-बाजार की नीलामी लाखों रुपये में की जाती है, लेकिन बाजार के लिए आज तक कोई स्थायी और व्यवस्थित स्थल विकसित नहीं किया गया। बिना मास्टर प्लान के किए जा रहे निर्माण कार्यों और विकास योजनाओं की पोल नगर क्षेत्र की बदहाल व्यवस्था स्वयं खोल रही है।स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि हुसैनाबाद में जल्द से जल्द एक व्यवस्थित सब्जी एवं फल मंडी का निर्माण कराया जाए तथा जल निकासी, यातायात और अतिक्रमण की समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाए, ताकि नगरवासियों को इस नारकीय स्थिति से राहत मिल सके।

जिले में आयोजित आयुष जांच शिविर में 134 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पाकुड़ : आयुष विभाग, पाकुड़ की ओर से जिले के विभिन्न प्रखंडों में आयुष जांच शिविर का आयोजन किया गया। इन शिविरों में कुल 134 लाभुकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाइयाँ निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं।यह शिविर अमड़ापाड़ा प्रखंड के पकलो, पाकुड़िया प्रखंड के ढेकीडुआ, हिरणपुर प्रखंड के मोहनपुर एवं पाकुड़ प्रखंड के झिकरहट्टी में आयोजित किए गए। शिविर में उपस्थित चिकित्सक डॉ मिथिलेश सिंह, डॉ वीरेंद्र कुमार विश्वकर्मा, डॉ कुलेश कुमार एवं डॉ सौरभ विश्वास ने बताया कि जांच शिविर में रक्तचाप, मधुमेह,

जोड़ एवं गठिया रोग, बच्चों से संबंधित रोगों आदि का निःशुल्क परीक्षण किया गया। साथ ही लाभुकों को मुफ्त दवा भी उपलब्ध कराई गई।शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण लाभान्वित हुए और उन्होंने इस पहल की सराहना की।

बड़कागांव: एनटीपीसी पकरी बरवाडीह परियोजना द्वारा पकवा नदी में रोड बनाने से आई बाढ़, 10 गाड़ियां बही, कई लोग लापता

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोश, प्रशासन पर लापरवाही के आरोप, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

बड़कागांव/हजारीबाग: एनटीपीसी पकरी बरवाडीह कोल खनन परियोजना द्वारा पकवा नदी में आवागमन के लिए बनाए गए अस्थायी रोड के कारण नदी में अचानक बाढ़ आ गई। तेज बहाव में 10 गाड़ियां बह गईं और कई लोगों के लापता होने की खबर है। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

कैसे हुआ हादसा?

स्थानीय लोगों के अनुसार, ठळढउ प्रबंधन ने खनन कार्य के लिए पकवा नदी के बीच से अस्थायी रोड बना दिया था। सोमवार को हुई तेज बारिश के बाद नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। रोड के कारण पानी का बहाव रुकने से नदी में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई। इस दौरान नदी पार कर रही 10 गाड़ियां तेज बहाव में बह गईं। कई लोग भी पानी के तेज बहाव में लापता बताए जा रहे हैं।

प्रशासन और ठऊ᷾ᷮ की टीम मौके पर

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, पुलिस और ठऊ᷾ᷮ की टीम मौके पर पहुंची। रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। अब तक किसी के शव बरामद होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। लापता लोगों की तलाश जारी है।

ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। लोगों का आरोप है कि ठळढउ ने बिना सुरक्षा मानकों का ध्यान रखे नदी में रोड बना दिया। बरसात से पहले वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई। ग्रामीणों ने परियोजना प्रबंधन और प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

फिलहाल प्रशासन ने नदी के आसपास आवाजाही रोक दी है। लापता लोगों की संख्या और नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

वृद्धा पेंशन सत्यापन में अव्यवस्था से फूटा लोगों का गुस्सा, घंटों भटकते रहे बुजुर्ग और महिलाएं

हुसैनाबाद ,पलामू : स्थानीय टाउन हॉल में मंगलवार को वृद्धा पेंशन सत्यापन को लेकर आयोजित कार्यक्रम अव्यवस्था का शिकार हो गया, जिससे दूर-दराज से पहुंचे सैकड़ों बुजुर्गों और महिलाओं को भारी परेशानी उठानी पड़ी। जानकारी के अभाव और स्पष्ट निर्देश नहीं मिलने के कारण लोग घंटों तक इधर-उधर भटकते रहे तथा सत्यापन प्रक्रिया को लेकर असमंजस की स्थिति बनी रही।कार्यक्रम स्थल पर सुबह से ही बड़ी संख्या में लाभुक पहुंच गए थे, लेकिन वहां न तो समुचित मार्गदर्शन की व्यवस्था दिखी और न ही लोगों को यह बताया गया कि सत्यापन की प्रक्रिया किस प्रकार पूरी करनी है। सबसे अधिक परेशानी वृद्ध महिलाओं एवं असहाय गरीब लाभुकों को उठानी पड़ी, जिन्हें बिना किसी सहायता के कतारों और काउंटरों के बीच भटकना पड़ा।मौके पर मौजूद सामाजिक कार्यकर्ता प्रदीप पटेल और इम्तियाज आलम ने बताया कि सैकड़ों लोग सुबह से परेशान हैं, लेकिन किसी भी अधिकारी अथवा कर्मी द्वारा सही तरीके से मार्गदर्शन नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशासन की लापरवाही के कारण लाभुकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि यदि पूर्व से स्पष्ट सूचना, आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी और अलग-अलग काउंटर की व्यवस्था की जाती तो इतनी अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न नहीं होती।लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि भविष्य में इस प्रकार के कार्यक्रमों में समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि गरीब एवं वृद्ध लाभुकों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।कार्यक्रम स्थल पर दिनभर अफरातफरी और अव्यवस्था का माहौल बना रहा, जबकि परेशान लाभुक प्रशासनिक व्यवस्था को कोसते नजर आए।

झारखंड उजाला दैनिक अखबार अब गूगल डिजिटल पर लॉन्च, तत्काल पढ़ें ताजा खबरें

जागेश्वर कुमार, झारखंड उजाला हजारीबाग ब्यूरो

पाठकों को मिलेगी रियल टाइम न्यूज, मोबाइल पर एक क्लिक में उपलब्ध होगा ई-अखबार

हजारीबाग: झारखंड उजाला दैनिक अखबार ने डिजिटल युग में कदम रखते हुए गूगल डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपनी शुरूआत कर दी है। अब पाठक झारखंड उजाला की खबरें तत्काल और आसानी से मोबाइल, लैपटॉप या टैबलेट पर पढ़ सकेंगे।

क्यों खास है डिजिटल लॉन्च?

1. तत्काल अपडेट: अब प्रिंट का इंतजार नहीं। ब्रेकिंग न्यूज, राजनीति, अपराध, खेल, शिक्षा और स्थानीय मुद्दों की खबरें रियल टाइम में उपलब्ध होंगी।

2. गूगल पर उपलब्ध: गूगल सर्च या गूगल न्यूज पर ₹झारखंड उजाला₹ सर्च कर सीधे ई-अखबार और लाइव खबरें पढ़ी जा सकती हैं।

3. पूरे झारखंड की कवरेज: हजारीबाग, रांची, धनबाद, बोकारो, गिरिडीह, कोडरमा, चतरा सहित सभी जिलों की विश्वसनीय और तेज खबरें एक जगह।

संपादक ने क्या कहा?

झारखंड उजाला प्रबंधन ने बताया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म का मकसद पाठकों तक तेज, सटीक और निष्पक्ष खबरें पहुंचाना है। ₹हमारा लक्ष्य है कि झारखंड के हर कोने की खबर हर व्यक्ति तक तुरंत पहुंचे। गूगल डिजिटल पर लॉन्च होने से हमारी पहुंच और विश्वसनीयता दोनों बढ़ेगी।

ब्यूरो हेड ने जताई खुशी

हजारीबाग के ब्यूरो हेड ने कहा कि डिजिटल लॉन्च से पाठकों का जुड़ाव और बढ़ेगा। ₹अब हजारीबाग से लेकर दूर-दराज के गांवों तक के लोग सुबह-सुबह अपने फोन पर ही पूरा अखबार पढ़ सकेंगे। यह तकनीक और पत्रकारिता का बेहतर संगम है।₹

कैसे पढ़ें डिजिटल अखबार?

गूगल पर "Jharkhand Ujala ePaper" या ₹झारखंड उजाला न्यूज₹ टाइप करें। वेबसाइट और गूगल न्यूज स्टैंड पर रोज का ई-पेपर भी उपलब्ध रहेगा। अब खबरों के लिए इंतजार खत्म। झारखंड उजाला के साथ जुड़ें और रहें हर पल अपडेट।

आमजनों की समस्या से रूबरू हुए उपायुक्त, संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करने के दिये निर्देश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

पाकुड़ : आम जनमानस के समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर उपायुक्त मेघा भारद्वाज के द्वारा समाहरणालय के कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में आकर अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। इस दौरान उपायुक्त द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक- एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा।इसके अलावे जनता दरबार में डीबीएल कोल कम्पनी से संबंधित, शिक्षा विभाग से संबंधित, अनुकंपा नियुक्ति से संबंधित, गोचर जमीन से संबंधित, जाहेरस्थान घेराबंदी योजना से संबंधित, क्षतिग्रस्त मकान का

मुआवजा से संबंधित एवं विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएं को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करे, ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो।

तोड़ाई पंचायत के विपतपूर बूथ व मोहनपुर पंचायत के करणडांगा बूथ के बूथ समिति का हुआ गठन, झामुमो जिलाध्यक्ष अजीजुल ईस्लाम रहे मौजूद

हिरणपूर:हिरणपुर प्रखंड के तोड़ाई पंचायत में तोड़ाई के पंचायत अध्यक्ष व मोहनपुर पंचायत में करणडांगा में मोहनपुर के पंचायत अध्यक्ष के अध्यक्षता में पंचायत स्तरीय बैठक संपन्न हुई। जहाँ बैठक में मुख्य रूप से झामुमो जिला अध्यक्ष अजीजुल ईस्लाम शामिल हुए। बूथ समिति के गठन की कार्यवाही जिला अध्यक्ष अजीजुल ईस्लाम जी के देख-रेख में सम्पन्न हुई।वही बैठक में पर्यवेक्षक के रूप में प्रखंड अध्यक्ष इसहाक अंसारी, युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष दीपू मुर्मू, अब्दुल गनी, जिला संगठन सचिव मुसलोद्दीन अंसारी उपस्थित रहें।बैठक को संबोधित करते हुए झामुमो जिला अध्यक्ष अजीजुल ईस्लाम ने कहा कि बूथ समिति ही संगठन की नींव है। बूथ जितना मजबूत होगा, संगठन भी उतना ही दम-खम से चुनाव जीतेगा। बूथ स्तर पर आप सभी कड़ी निगरानी रखें, ताकि रक्क़ और जनगणना में कोई भी हमारा आदमी छूटे नहीं। साथ ही बूथ स्तर तक हरेक जरूरतमंद लोगों तक राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी की सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार करते हुए आम लोगों को उन योजनाओं का लाभ लेने हेतू प्रेरित करने का काम करें।मौके पर पंचायत सचिव, सबूर अंसारी सहित सैकड़ों की संख्या में महिला व पुरुष कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हुसैनाबाद प्रखंड परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर, युवाओं ने दिखाई सामाजिक जिम्मेदारी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

हुसैनाबाद ,पलामू: प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में युवाओं, समाजसेवियों और सरकारी कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर मानवता की मिसाल पेश की। स्वास्थ्य विभाग एवं स्थानीय प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिविर का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी सुनील वर्मा तथा प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. एस.के. रवि ने संयुक्त रूप से किया।

शिविर में रेड क्रॉस सोसाइटी और डाल्टनगंज ब्लड बैंक की मेडिकल टीम ने रक्त संग्रह का कार्य संभाला। इस दौरान कुल 9 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। रक्तदान से पूर्व सभी दाताओं के हीमोग्लोबिन, वजन एवं रक्तचाप की जांच कर चिकित्सा मानकों का पालन सुनिश्चित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीडीओ सुनील वर्मा ने कहा कि ह्लरक्तदान महादान है, एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद की जिंदगी बचा सकता है।ह्व पहली बार रक्तदान करने वाले युवाओं में विशेष उत्साह देखा गया, जिन्हें स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।शिविर में जिला से आनंद मोहन, लैब टेक्नीशियन, डॉ. संजीव रंजन, मनोज मिश्रा, डॉ. संजय कुमार रवि, उपाधीक्षक, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक, प्रखंड लेखा प्रबंधक सहित अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद के कई कर्मी उपस्थित रहे। आयोजन की सफलता में प्रखंड विकास पदाधिकारी की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

हैदरनगर के स्तरोन्नत उच्च विद्यालय में प्रतिभा सम्मान समारोह, उत्कृष्ट विद्यार्थियों को बीडीओ ने किया सम्मानित, रेशमा को मिला कंप्यूटर

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

हैदरनगर ,पलामू: स्थानीय परता ग्राम स्थित स्तरोन्नत उच्च विद्यालय में मैट्रिक परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में प्रखंड विकास पदाधिकारी विश्व प्रताप मालवा, अंचल अधिकारी संतोष कुमार एवं पंचायत समिति सदस्य गुप्तेश्वर पाण्डेय मुख्य रूप से उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान पंचायत समिति सदस्य गुप्तेश्वर पाण्डेय ने बीडीओ एवं सीओ को अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया। समारोह का संचालन प्रभारी प्रधानाध्यापक शशि शेखर पांडेय ने किया विद्यालय की मेधावी छात्रा रेशमा कुमारी को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बीडीओ द्वारा कंप्यूटर देकर सम्मानित किया गया, जबकि प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण अन्य

विद्यार्थियों को दीवार घड़ी प्रदान कर पुरस्कृत किया गया।इस अवसर पर बीडीओ विश्व प्रताप मालवा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह उनकी सफलता की पहली सीढ़ी है और उन्हें मन लगाकर पढ़ाई कर जीवन में ऊँचा मुकाम हासिल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जहां भी पहुंचें, अपने परिवार, समाज, विद्यालय और राज्य का नाम रोशन करें। साथ ही उन्होंने भरोसा दिलाया कि पढ़ाई में किसी भी प्रकार की बाधा आने पर उनका कार्यालय विद्यार्थियों के लिए सदैव खुला रहेगा।सीओ संतोष कुमार ने कहा कि शिक्षा सबसे बड़ी पूंजी है और यदि परिवार तथा समाज का विकास करना है तो बच्चों को शिक्षा को प्राथमिकता देनी होगी।पंचायत समिति सदस्य गुप्तेश्वर पाण्डेय ने घोषणा की कि अगले वर्ष मैट्रिक परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले सभी विद्यार्थियों को कंप्यूटर देकर सम्मानित किया जाएगा।प्रभारी प्रधानाध्यापक शशि शेखर पांडेय ने बताया कि इस वर्ष विद्यालय के 32 विद्यार्थियों में से 31 ने प्रथम श्रेणी तथा एक छात्र ने द्वितीय श्रेणी में सफलता प्राप्त की है, जो विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है।

कार्यक्रम का संपूर्ण आयोजन पंचायत समिति सदस्य गुप्तेश्वर पाण्डेय द्वारा कराया गया। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष बिनोद पांडेय, शिक्षक राम कुमार, योगेंद्र राम, कौशलेश सिंह, अर्जुन कुमार, रोहित मिंज, सौरभ पांडेय सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पत्तीचक में किराना दुकान में सज रहा है विदेशी शराब महफिल

गोड्डा:जिले के मेहरमा थाना क्षेत्र के पिरोजपुर धमड़ी मुख्य सड़क पर पत्तीचक शराब दुकान के बगल में प्रीतम कुमार उर्फ पवन यादव का दुकान पर शराबियों का इस कदर महफिल जम रहा है जैसे मानो लाइसेंसी शराब दुकान हो।शराबी को शराब पीने के लिए उक्त पवन ने किराना दुकान के पीछे शराबियों को शराब गटकने के लिए पूरी तरह से बैठने का इंतजाम टीन की चादर से घेरकर कर दिया है।बताया जाता है कि पवन अपनी पढ़ाई छोड़कर शराब बेचने में ही लग गए जिसके कारण आस पास के बच्चों पर भी पूरी तरह बुरा असर पड़ा है।जिस गांव में पवन का दुकान है उक्त गांव पत्तीचक में छोटे छोटे बच्चे शराब का सेवन कर रहे है।लेकिन सम्बंधित उत्पाद विभाग कड़ी नींद में सोई हुई है।ग्रामीणों में चर्चा है कि उत्पाद विभाग के अधिकारी विदेशी शराब दुकानदार पर कार्रवाई करने की बजाय छोटे मोटे महुआ शराब दुकानदार को परेशान कर जिला लौट जाते है।जिसके कारण प्रीतम कुमार उर्फ पवन यादव का कारोबार तेजी से पनप रहा है।

गोड्डा के मेहरमा इंस्पेक्टर और दरोगा ने चलाया वाहन जांच अभियान

गोड्डा:गोड्डा जिले के मेहरमा थाना क्षेत्र के गोविंदपुर पेट्रोल पंप के निकट मंगलवार की शाम पुलिस इंस्पेक्टर रूबी मिंज व थाना प्रभारी सौरभ कुमार ठाकुर ने दो पहिया वाहनों का गहनता पूर्वक जांच किया।कई लोगों को हिदायत देते हुए थाना प्रभारी ने कहा कि सड़क दुर्घटना को देखते हुए अभी भी आपलोग सुधार जाइए और हेलमेट पहनकर घर से निकले। हाल के दिनों में हुई सड़क दुर्घटना से कई थाना प्रभारी सोच में डूबे है।गोड्डा जिले में कई थाना प्रभारी अपने अपने क्षेत्र में सड़क दुर्घटना को रोकने के लिए कई तरह से दिमाग दौड़ा रहे है।साथ ही थाना प्रभारी सौरभ कुमार ठाकुर ने क्षेत्र के लोगों से अपील किया है कि हेलमेट का प्रयोग कर वाहन को स्पीड न चलाए।

कितना सही है नाश्ते में दही लेना

नाश्ते में हम सभी कुछ ऐसा खाना पसंद करते हैं, जो खाने में टेस्टी हो और हमारे शरीर को पूरा दिन काम करने की एनर्जी देता रहे। ऐसे में ज्यादातर लोग किसी ना किसी रूप में नाश्ते में दही खाना पसंद करते हैं। लेकिन क्या नाश्ते में दही लेना एक स्वस्थ विकल्प है?

पाचक होती है लेकिन नींद दिलाती है

- यदि आपके दिन शुरुआत ही दही के साथ हो रही है तो यह आपको एनर्जी देने के स्थान पर नींद दिला सकती है और शरीर में सुस्ती बढ़ा सकती है। इसलिए दही कभी भी आपके फर्स्ट फूड का भाग नहीं होना चाहिए। हालांकि दही नाश्ते का एक शानदार हिस्सा है। यदि आप इसे खाते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखते हैं तब.

समझे विरोधी बातों का अर्थ

- एक तरफ तो हम कह रहे हैं कि दही नाश्ते में खाना अच्छा है। वहीं दूसरी तरफ यह भी कह रहे हैं कि इसे खाने से सुस्ती बढ़ सकती है। दरअसल, ये दोनों ही बातें सही हैं। दही खाने पर आपको एनर्जी मिलेगी या सुस्ती आएगी, यह इस बात पर निर्भर करता है कि दही खाने का आपका तरीका क्या है।

इस तरह खाएं और इस तरह ना खाएं दही

- आप नाश्ते में चपाती, पराठा, चिल्ला आदि के साथ दही खा सकते हैं। एक कटोरी दही का सेवन नाश्ते में करना शरीर के लाभकारी होता है और पाचनतंत्र को सही करता है। साथ ही शरीर को दिनभर के लिए ऊर्जा देने में लाभकारी होता है।
- लेकिन नाश्ते में दही का सेवन तभी करना चाहिए जब आप सुबह के समय नाश्ते से पहले कुछ खा या पी चुके हों। जैसे, सुबह की शुरुआत आपने पानी के साथ की हो और फिर चाय-टोस्ट, स्प्राउट्स या ड्राईफ्रूट्स आदि खाए हों। इसके एक घंटे बाद यदि आप नाश्ते में दही का सेवन करते हैं तो आपको नींद नहीं आएगी। आपको गैस बनने की समस्या है तो इन 5 सब्जियों से बचना चाहिए

खाली पेट नहीं खानी चाहिए दही

- सुबह के समय आप नाश्ते में केवल मीठी दही का उपयोग कर सकते हैं। खट्टी दही खाने से परहेज करें। साथ ही नाश्ते में दही खाते समय आप इसमें एक चम्मच शक्कर मिला सकते हैं। यदि आपको शुगर की समस्या नहीं है तब।
- दिन की शुरुआत यदि किसी भी कारण देरी से हुई हो और आपके पास नाश्ता करने का समय ना हो तो भूलकर भी खाली दही ना खाएं। यदि आप खाली पेट दही खाते हैं तो आपको जबदस्त नींद आएगी और आप खुद को बहुत थका हुआ अनुभव करेंगे।
- ऐसा इसलिए होता है क्योंकि खाली पेट दही खाने से कुछ लोगों को ब्लड प्रेशर कम होने की समस्या हो जाती है। इससे शरीर में ब्लड का फ्लो कम होता है और ऑक्सीजन का स्तर घटने लगता है। यही कारण है कि बहुत तेज नींद आती है और बेहोशी जैसा अनुभव होता है।

लगातार बनी रहती है थकान तो ऐसे रखें अपना ध्यान

आप चाहे मानसिक काम अधिक करते हैं या शारीरिक काम। यदि आपको काम करते समय बहुत जल्दी थकान होने लगती है तो इसका एक अर्थ यह होता है कि आपके शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या है। जी हां, केवल पोषण की कमी के कारण ही नहीं बल्कि शरीर में पानी की कमी के कारण भी जल्दी थकान होती है। जो लोग नियमित रूप से जरूरी पानी नहीं पीते हैं, उन्हें काम करते समय अधिक थकान होना और अन्य लोगों की तुलना में जल्दी थकान होने जैसी समस्याएं होती हैं। जानें, जल्दी थकान होने के अन्य कारण और उनके निवारण के तरीके

जल्दी थकने की वजह

- आमतौर पर जो लोग बहुत जल्दी थकान होने की समस्या से पीड़ित होते हैं, उनके शरीर में कुछ खास तत्वों की कमी देखने को मिलती है.
- पानी की कमी
- खून की कमी
- विटमिन-बी12 की कमी
- फोलेट या फॉलिक एसिड की कमी देखने को मिलती है।

जल्दी थकान से बचने के तरीकों में ना केवल अपने खान-पान पर ध्यान देना है बल्कि यह भी ध्यान देना है कि जिस डायट का सेवन आप कर रहे हैं और जिन ड्रिक्स को आप ले रहे हैं, क्या वे आपके शरीर की जरूरतों को पूरा कर रही हैं। यहां जानें कैसे रखा जाएगा इस बात का ध्यान.

तरल पदार्थों का सेवन

- जल्दी-जल्दी होने वाली थकान की समस्या से बचने के लिए जरूरी है कि आप तरल पदार्थों का सेवन बढ़ा दें। इनमें जूस, सूप, छांछ, दाल इत्यादि शामिल हैं। इसके साथ ही समय-समय सादा पानी पीते रहें। वयस्कों को हर दिन कम से कम 8 गिलास पानी पीना चाहिए।

तनाव को नियंत्रित करना सीखें

- जल्दी थकने की एक बड़ी वजह लगातार बना रहनेवाला तनाव भी होता है। तनाव का कारण चाहे जो भी लेकिन यह व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से जल्द थका देता है। इसलिए तनाव से बचने के लिए हर दिन कुछ समय के लिए मेडिटेशन यानी ध्यान जरूर करें। यह आपको मानसिक रूप से फिट रखने का काम करेगा।

फलियों का सेवन करें

- हरी फलियां कई तरह की वरायटी में आती हैं। खास बात यह है कि मौसम की प्रकृति और उस दौरान शरीर की जरूरत के अनुसार हर सीजन में आनेवाली फलियां पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं।
- हरी फलियां फाइबर युक्त होती हैं और इनका पाचन धीमी गति से होता है। इसलिए ये शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देने का काम करती हैं, जिससे शरीर पर थकान कम हावी होती है।

ड्राईफ्रूट्स

- ऐसा नहीं है कि ड्राईफ्रूट्स का सेवन केवल सर्दियों में ही करना चाहिए। बल्कि सीमित मात्रा में और दूध के साथ ड्राईफ्रूट्स का सेवन गर्मियों में भी हर दिन किया जा सकता है।
- क्योंकि ड्राईफ्रूट्स केवल हमारे शरीर को गर्माहट देने का ही काम नहीं करते हैं बल्कि पोषण देने का काम भी करते हैं। शरीर की कमजोरी को दूर करने में मीट भी अच्छी भूमिका निभाता है। लेकिन कोरोना संक्रमण के दौर में हम आपको मीट खाने की सलाह नहीं देना चाहते हैं। इस समय में आप थकान से बचने के लिए ड्राईफ्रूट्स यानी सूखे मेवों का सेवन कर सकते हैं।

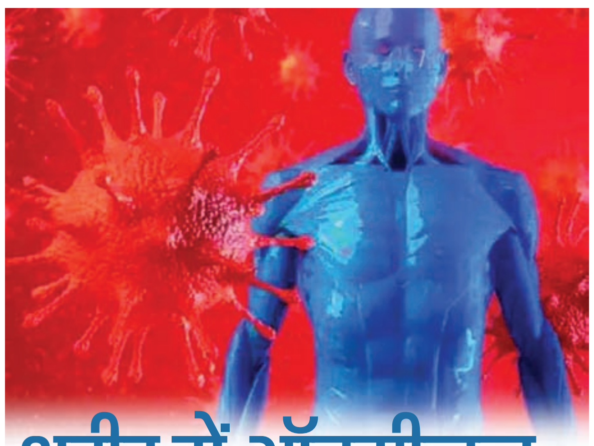

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण

शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो जाना कई रोगों का कारण बनता है। ऑक्सीजन का स्तर कम होने पर सबसे जल्दी और सबसे बुरा असर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। इस स्थिति में कोई भी वायरस और बैक्टीरिया हमारे शरीर पर हावी हो सकता है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण क्या होते हैं.

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी होने से अर्थ है कि शरीर को अपनी नियमित क्रियाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए जितनी मात्रा में ऑक्सीजन चाहिए, उतनी मात्रा में ऑक्सीजन ना मिल पाना।
- जब शरीर में ऑक्सीजन की कमी होती है तो सबसे पहले व्यक्ति को थकान महसूस होती है, सांस लेने में दिक्कत होने लगती या सांस फूलने लगता है। इसके बाद शरीर में रक्त के प्रवाह की गति धीमी हो जाती है। इससे थकान और घबराहट बढ़ जाती है।

हो सकती हैं ये बीमारियां

- यदि शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बहुत कम हो जाए तो ब्रेन डैमेज और हार्ट अटैक तक की स्थिति बन जाती है। शुगर के रोगियों में यदि ऑक्सीजन की कमी हो जाए तो उनकी शुगर अचानक बहुत अधिक बढ़ सकती है, जो कि एक जानलेवा स्थिति भी बन सकती है।
- ऑक्सीजन का स्तर अचानक से बहुत अधिक घट जाने पर शरीर में थायरॉइड हॉर्मोन का संतुलन गड़बड़ा जाता है। इस स्थिति में थायरॉइड का स्तर या तो बहुत अधिक बढ़ सकता है या बहुत अधिक घट सकता है।

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कारण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कई कारण होते हैं, जो व्यक्ति की लाइफस्टाइल पर निर्भर करते हैं। जो लोग बहुत अधिक आलस से भरपूर जीवनशैली जीते हैं यानी फिजिकल ऐक्टिविटी नहीं करते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो जाती है।
- जो लोग बहुत अधिक शारीरिक श्रम करते हैं लेकिन उसके हिसाब से डायट नहीं लेते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है।
- जिन लोगों के भोजन में आयरन की मात्रा कम होती है अगर वे लंबे समय तक इसी तरह का भोजन लेते रहें तो उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है। क्योंकि फेफड़ों सहित पूरे शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह करने में आयरन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

चैन की नींद सोना है तो जरूर करें यह काम

अगर आप चाहते हैं कि रात में आपको सुकून की नींद आए, पैरों में कुलन और बेचैनी के कारण आपकी नींद में किसी तरह की बाधा ना आए तो आपको सोने से पहले एक खास काम करना होगा। यह काम आपके शरीर को राहत देने के साथ ही दिमाग को भी शांति देगा। आइए, जानते हैं कि आखिर क्या और कैसे करना है.

आपको क्या करना है?

- बिस्तर पर जाने से पहले आपको अपने पैर साफ पानी से धुलकर कॉटन के कपड़े से पोछकर साफ करने हैं। इसके बाद सरसों के तेल से अपने पैरों की मालिश करें। यह मालिश 2 से 3 मिनट की भी हो तो काफी है। यहां जानें इस तरह हर दिन मालिश करने से आपको किस तरह के लाभ होंगे.

पैर के तलुए में होते हैं सभी एक्युप्रेशर पॉइंट्स

- हमारे पैर के तलुओं में पूरे शरीर के एक्यूप्रेशर पॉइंट्स होते हैं। पैर के तलुओं पर मसाज करने से इन पॉइंट्स पर दबाव पड़ता है, जिससे शरीर का तनाव कम होता है और मानसिक शांति बढ़ती है। इसलिए आप अच्छी नींद आती है।

ताउम्र रहेंगे युवा

- अगर आप हर दिन सोने से पहले अपने पैर के तलुओं पर सरसों के तेल से मालिश करेंगे तो आप ताउम्र युवा बने रहेंगे। यहां युवा बने रहने से हमारा आशय है कि आपके दांत, आपकी दृष्टि और आपके शरीर के जोड़ों में किसी तरह का दर्द या समस्या नहीं हो पाएगी।

चश्मा नहीं लगेगा

- यदि आप सोने से पहले हर दिन अपने पैरों पर सरसों तेल से मालिश करते हैं तो आप अपनी कमजोर आइसाइट को भी ठीक कर सकते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि आपको एक या दो हफ्ते में ही इसका असर देखने को मिल जाएगा।

पाचन को ठीक रखे

- आपको जानकर थोड़ी हैरानी हो सकती है। लेकिन यह सही है कि जो लोग नियमित रूप से अपने पैर के तलुओं पर मालिश करते हैं या किसी और से कराते हैं, उनका पाचनतंत्र अन्य लोगों की तुलना में काफी ठीक रहता है। साथ ही उन्हें पेट संबंधी रोग नहीं घेरते हैं।
- साथ ही ऐसे लोगों के शरीर पर थकान हावी नहीं हो पाती है। पैर के तलुओं की मसाज करने से शरीर के डैमेज सेल यानी क्षतिग्रस्त कोशिकाओं की जल्द मरम्मत होती है। इससे त्वचा भी चमकदार बनी रहती है। तो देर किस बात की, खूबसूरती और सेहत के लिए आज से ही शुरू करें पैर के तलुओं की मालिश।

ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत हो सकता है आंखों में पानी आना

आंखे शरीर का सबसे जरूरी, सुंदर और नाजुक अंग है। सर्दी के मौसम में नमी और ठंडक के कारण आंखों में पानी आ जाता है लेकिन यह ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत भी हो सकता है। इस बीमारी में आंखों से बहुत ज्यादा पानी आना, धुंधला दिखाई देना और चुभन महसूस होना, सूजन, रैशेज, लालपन जैसे लक्षण दिखाई देते है। इस बीमारी का समय पर इलाज न करने पर आंखों की रोशनी जा भी सकती है। ऐसे में इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप डॉक्टर की दवाइ के साथ-साथ कुछ घरेलू उपाय भी कर सकते हैं। इन घरेलू नुस्खों की मदद से आप बिना किसी नुकसान के इस परेशानी से छुटकारा पा सकते है।

गीला कपड़ा – आंखों को हाथों से इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। आंखों में जलन, दर्द या खुजली होने पर साफ पानी में कपड़े को भिगोकर आंखों की सफाई करें। इससे किसी भी तरह की बीमारी का खतरा कम हो जाता है।

नारियल का तेल – नारियल तेल में मौजूद गुण आखों की गंदगी को साफ करते हैं। रोजाना आंखों के नीचे और आस-पास नारियल के तेल की मालिश करें। आपको इस समस्या से निजात मिल जाएगा।

हर्बल टी – कोमोमाइल या पेपरमिंट चाय की पत्तियों को थोड़ी देर गर्म पानी में भिगो दें। इसके बाद थोड़ी-थोड़ी देर में आंखों की सिकाई करें। ध्यान रहें कि पानी ज्यादा गर्म न हो।

नमक – कई बार आंखो में जलन और खुजली के कारण पानी आने लगता है। ऐसे में आप 1 गिलास गर्म पानी में चुटकीभर नमक डालकर आंखों की सिकांई करें। दिन में 3 बार इसका इस्तेमाल खुजली और जलन की परेशानी को दूर कर देगा।

बेकिंग सोडा – साफ पानी में 1 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर गर्म करें। पानी थोड़ा रह जाने पर इससे अपनी आंखों को धो लें। इससे आपको आराम मिल जाएगा।

ठंडा दूध – कॉटन बॉल को ठंडे दूध में डिप करके अपनी आंखों के आस-पास रगड़ें। इसके अलावा आप कॉटन बॉल को ठंडे दूध में भिगोकर रख भी सकते है। इन उपायों को सुबह-शाम करने से आपको आराम मिल जाएगा।

एलोवेरा – एलोवेरा जेल में 1 चम्मच शहद और 1/2 कप एल्डरबैरी चाय मिलाएं। रोजाना दिन में 2 बार इस मिश्रण से अपनी आंखों को धोएं। आपकी परेशानी कुछ समय में ही दूर हो जाएगी।

कच्चा आलू – एस्ट्रिंजेंट के गुणों से भरपूर कच्चा आलू आंखों में पानी आने की समस्या से जल्दी राहत देता है। आलू की पतली स्लाइस काट कर कुछ देर फ्रिज में रखें। इसके बाद इस ठँडी स्लाइस को 15 से 20 मिनट के लिए आंखों के उपर रख लें। 2-3 दिन तक इसका इस्तेमाल आपकी इस समस्या को दूर कर देगा।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की चली सुनामी के सियासी मायने दूरगामी महत्व वाले

सुमित कुमार सिंह, स्वतंत्र पत्रकार

पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत केवल सरकार बदलने की घटना नहीं होगी, बल्कि यह भारतीय राजनीति में पूर्वी भारत के वैचारिक परिवर्तन का प्रतीक मानी जाएगी। इससे विपक्ष का शक्ति-संतुलन बदलेगा, भाजपा का राष्ट्रीय आत्मविश्वास बढ़ेगा और बंगाल की दशकों पुरानी राजनीतिक संस्कृति में ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिल सकता है। केंद्र में विगत बारह वर्षों से सत्तारूढ़ 'भारतीय जनता पार्टी' ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में निर्णायक जीत दर्ज करके जनसंघ के संस्थापक और बंगाल मूल के दूरदर्शी हिंदूवादी राजनेता पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को अद्भुत श्रद्धांजलि दी है। सच कहूं तो आरएसएस के इस सुप्रसिद्ध सिपाही का कश्मीर में दिया हुआ सियासी बलिदान व्यर्थ नहीं गया। खासकर यह उपलब्धि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर भाजपा द्वारा उसे दिया हुआ बहुमूल्य वैचारिक तोहफा है।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत केवल सरकार बदलने की घटना नहीं होगी, बल्कि यह भारतीय राजनीति में पूर्वी भारत के वैचारिक परिवर्तनह्व का प्रतीक मानी जाएगी। इससे विपक्ष का शक्ति-संतुलन बदलेगा, भाजपा का राष्ट्रीय आत्मविश्वास बढ़ेगा और बंगाल की दशकों पुरानी राजनीतिक संस्कृति में ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिल सकता है। कम शब्दों में कहा जाए तो भय हारा और भरोसा जीता है। भद्रलोक के हृदय परिवर्तन से सोनार बंगला के बहुमुखी विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है। गंगोत्री से गंगा सागर तक कमल खिलने से हिंदुओं का मनोबल बढ़ेगा और बंगलादेशी घुसपैठियों से देश को मुक्ति मिलेगी। इस शुभ घड़ी को दिखलाने के पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता, गृह मंत्री अमित शाह की रणनीति, भाजपा के राष्ट्रीय अध्ययन नितिन नवीन की सूझबूझ और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के सियासी तेवरों का भी अहम योगदान है। वहीं, हिंदुत्व के फायर ब्रांड नेताओं उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व सरमा के योगदान को भी भुलाया नहीं जा सकता। वहीं, पश्चिम बंगाल के राजनेता सुवेन्दु अधिकारी, दिलीप बोस जैसे कर्मठ नेताओं और भाजपा के 'बलिदानी' कार्यकताओं के अथक संघर्ष का प्रतिफल है। देखा जाए तो यह भाजपा के देवतुल्य

कार्यकताओं और उनका हौसलाअफजाई करते रहने वाले स्थानीय और बाहरी नेताओं के संयुक्त प्रयासों का सकारात्मक नतीजा है, जिसके लिए वे सभी बधाई के पात्र हैं। बंगलादेश की हिन्दू विरोधी मानसिकता और ग्रेटर बंगलादेश की थ्योरी ने पूर्वी भारत के हिंदुओं को इस कदर भयभीत कर दिया है कि अब उनके पास भाजपा के नेतृत्व में गोलबंद होने के अलावा कोई चारा नहीं बचा था। लिहाजा, पहले कलिंग यानी उड़ीसा, फिर अंग यानी बिहार और अब बंग यानी पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत और भगवा की बुलंदी बहुत कुछ राजनीतिक चुगली करती है, जिसे समझने, और जनमानस को समझाने की जरूरत है। दिल्ली एनसीआर में बसे पूर्वी भारत के कर्तव्यनिष्ठ आरएसएस/भाजपा नेताओं-कार्यकताओं की मानें तो यह उनके सामूहिक प्रयासों की विजय हैजो अनवरत रूप से जारी अथक जनसंघर्षों और कार्यकताओं के बलिदानों की वजह से मिली है। लिहाजा इसके राजनीतिक निहितार्थ केवल बंगाल तक ही सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति, संघीय ढांचे और विपक्ष की रणनीति पर भी गहरा प्रभाव पड़ेगा। वहीं, निकट भविष्य में पूर्वी एवं पश्चिमी एशिया तक में इसकी अनुगूंज सुनाई पड़ेगी।

1. पूर्वी भारत में भाजपा का निर्णायक विस्तार

पश्चिम बंगाल लंबे समय तक वामपंथ और बाद में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस का गढ़ रहा है। यहां भाजपा की जीत यह संकेत देगी कि पार्टी अब हिंदी पट्टी से आगे निकलकर पूर्वी भारत में स्थायी राजनीतिक शक्ति बन चुकी है। इससे ओडिशा, असम और पूर्वोत्तर में भाजपा की पकड़ और मजबूत होगी। अन्य राज्यों में विस्तार भी होगा।

2. ममता बनर्जी की राष्ट्रीय भूमिका कमजोर पड़ना

ममता बनर्जी विपक्षी राजनीति की सबसे आक्रामक नेताओं में मानी जाती रही हैं। बंगाल में हार होने पर उनकी ह्लराष्ट्रीय विकल्पह्व वाली छवि को गहरा झटका लगेगा। इंडिया गठबंधन की राजनीति में उनका प्रभाव कम हो सकता है और विपक्ष का नेतृत्व पुनः बिखर सकता है। जबकि राहुल गांधी को मजबूती मिलेगी, क्योंकि उनकी टांग खींचने वाले सारे क्षेत्रीय नेता उनकी सटीक रणनीति से सियासी धूल फांकने को अभिशप्त हुए। इससे भविष्य में कांग्रेस लाभान्वित होगी।

3. कांग्रेस और वामपंथ का लगभग राजनीतिक अंत

पश्चिम बंगाल में पहले ही चुनाव भाजपा बनाम तृणमूल तक सिमटता दिख रहा है। भाजपा की जीत होने पर यह संदेश जाएगा कि कांग्रेस और वामदलों की पारंपरिक राजनीति बंगाल में अप्रासंगिक हो चुकी है।

4. हिंदुत्व और कल्याणकारी राजनीति मॉडल की सफलता

भाजपा ने बंगाल में राष्ट्रवाद, सीमा सुरक्षा, घुसपैठ, नागरिकता और हिंदू पहचान के मुद्दों को कल्याणकारी योजनाओं के साथ जोड़कर चुनावी रणनीति बनाई है। यदि यह सफल होती है, तो पार्टी इस मॉडल को अन्य राज्यों में भी और आक्रामक रूप से लागू करेगी।

5. बंगाल की राजनीतिक संस्कृति में बड़ा बदलाव

बंगाल लंबे समय तक वैचारिक राजनीति, वामपंथी विमर्श और क्षेत्रीय अस्मिता की राजनीति के लिए जाना जाता रहा है। भाजपा की जीत यह संकेत देगी कि बंगाल की राजनीति अब वैचारिक संघर्ष से निकलकर राष्ट्रीय ध्रुवीकरण और पहचान-आधारित राजनीति की ओर बढ़ रही है।

6. 2029 लोकसभा चुनाव की दिशा तय होगी

भाजपा द्वारा बंगाल जीत से 2029 लोकसभा चुनाव के लिए मनोवैज्ञानिक बढ़त होगी। बंगाल की 42 लोकसभा सीटें राष्ट्रीय सत्ता संतुलन में बेहद महत्वपूर्ण हैं। भाजपा यह संदेश दे सकेगी कि उसका विस्तार अब दक्षिण और पूर्व भारत तक स्थायी रूप से हो चुका है।

7. संघ और भाजपा संगठन की रणनीति को वैधता

पश्चिम बंगाल में भाजपा का संगठन वर्षों तक कमजोर माना जाता था। यदि पार्टी सत्ता तक पहुंचती है, तो यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के दीर्घकालिक कैडर विस्तार मॉडल की बड़ी सफलता मानी जाएगी। सोशल और वैचारिक स्तर पर संघ की पैठ को भी मजबूती मिलेगी।

8. केंद्र-राज्य संबंधों में नया समीकरण

अब तक बंगाल और केंद्र सरकार के संबंध अक्सर टकरावपूर्ण रहे हैं। भाजपा सरकार बनने पर केंद्र और राज्य के बीच समन्वय बढ़ेगा, जिससे निवेश, बुनियादी ढांचे और केंद्रीय परियोजनाओं को गति मिल सकती है।

आज का राशिफल

स्वामी रत्नेश जी
भारत ज्योतिष शिरोमणि, नई दिल्ली।

मेष राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के चलते आय में बढ़ोतरी होगी और आर्थिक स्थिति सुधरेगी। घर-परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा। परिवार में मांगलिक कार्य हो सकते हैं, जिसमें धन खर्च की संभावना रहेगी। दाम्पत्य जीवन में तनाव की स्थिति रहेगी। आध्यात्मिक क्षेत्र में रुचि बढ़ेगी। क्रोध की अधिकता रहने से विवाद होने की संभावना रहेगी।

वृषभ राशि :- आज का दिन लाभप्रद रहेगा। कारोबार में धनलाभ रहेगा। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। सभी कार्यों में सफलता मिलेगी, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। सामाजिक क्षेत्र में अधिक सक्रिय रहने से मान-प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। धन व्यय अधिक न हो, इसका ध्यान रखें। क्रोध पर नियंत्रण और वाणी पर संयम रखें, अन्यथा परिवार में वाद-विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

मिथुन राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि की संभावना है। बुजुर्गों के आशीर्वाद से सभी कार्य सफल होंगे। व्यापार में विस्तार की योजनाएं बनाएंगे। उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। बेरोजगारों को रोजगार मिलने की संभावना रहेगी। अटवा हुआ धन वापस मिल सकता है। कार्यभार की अधिकता से थकान महसूस करेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सावदान रहें। अधिक धन व्यय होने की संभावना रहेगी।

कर्क राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और कार्यक्षेत्र में लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में भाइयों से भरपूर सहयोग मिलेगा और जीवन में सफलता के नये मार्ग खुलेंगे। गृहस्थ जीवन में आनंदपूर्ण वातावरण रहेगा। किसी धार्मिक या मांगलिक प्रसंग में शामिल हो सकते हैं। समाज में सम्मान और प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होगी। अपने साथियों से धोखा मिलने की संभावना रहेगी।

सिंह राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में निवेश के नए मौके मिलेंगे, लेकिन कोई भी फैसला लेने से पहले अच्छी से सोच-विचार कर लें। निवेश से लाभ प्राप्त होगा। नये कार्य शुरू करने से बचें। क्रोध पर नियंत्रण रखें, अन्यता विवाद में फंस सकते हैं। कार्यभार अधिक रहने से शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। व्यावसायिक क्षेत्र में विघ्न आ सकते हैं, लेकिन कठिन परिश्रम से सभी कार्य सफल होंगे।

कन्या राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। धन हानि के योग रहेंगे। कारोबार में लाभ मिलेगा, लेकिन अनावश्यक खर्च बढने से आर्थिक स्थिति कमजोर होगी। मित्रों-परिजनों के साथ पर्यटन का आयोजन होगा। अच्छे खान-पान और अच्छे वस्त्र उपलब्ध होंगे। लंबे समय से बन रही योजना सफल हो सकती है। समजिक कार्यों में रुचि लेंगे। धार्मिक आयोजन में शामिल हो सकते हैं। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा।

तुला राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार सामान्य रहेगा। कुछ लाभ के सौदे हो सकते हैं। भाइयों के माध्यम से कार्यों में सफलता मिलेगी। मकान-जमीन के कार्य संपन्न होंगे। साझेदारों से भी लाभ होगा। व्यावसायिक स्थल और परिवार का वातावरण आपके अनुकूल रहेगा। शारीरिक और मानसिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे। परिवार में कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। सामाजिक रूप से सम्मान प्राप्त होगा।

वृश्चिक राशि :- आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। व्यवसाय से लाभ होने की संभावना है। कारोबार अच्छा रहेगा। नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। अध्ययन अध्यापन के क्षेत्र में उन्नती होगी। परिश्रम से किये गये कार्य में सफलता मिलेगी। आकस्मिक धन प्राप्ति होने की संभावना रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें। परिवार में आनंद और उल्लासमय वातावरण रहेगा। मानसिक रूप से प्रसन्न और स्फूर्ति का अनुभव होगा।

धनु राशि :- आज का दिन शुभफलदायी रहेगा। व्यवसाय में अच्छा लाभ मिलने की संभावना है। कार्य विस्तार की योजनाएं सफल होंगी। आय में बढ़ोतरी होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। नए लोगों से मुलाकात फायदेमंद रहेगी। कार्यक्षेत्र में सम्मान बढ़ेगा। कार्यभार की अधिकता से शारीरिक स्फूर्ति तथा मानसिक उल्लास में कमी आ सकती है। स्वादिष्ट भोजन का आनंद ले सकेंगे और नए वस्त्रों की खरीदारी भी करेंगे। वाहन सुख मिल सकता है।

मकर राशि :- नए कार्य का शुभारंभ करने के लिए आज का दिन अच्छा है। कारोबार में लाभ होगा। बुजुर्गों की सलाह लेकर किया गया निवेश भी फायदेमंद रहेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगा। किसी प्रिय व्यक्ति से भेंट हो सकती है। सामाजिक रूप से मान-सम्मान प्राप्त होगा। शारीरिक रूप से अस्वस्थता का अनुभव हो सकता है।

कुम्भ राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। निर्धारित कार्य संपन्न नहीं होने से हताशा का अनुभव हो सकता है। किसी भी महत्वपूर्ण कार्य अथवा उसके विषय में निर्णय नहीं लेना ही ठीक रहेगा। समाजिक कार्यों में में दिन बिताना उचित होगा। परिजनों के साथ भी समय बिता सकते हैं। आध्यात्मिकता की ओर रुझान रहेगा। पैतृक संपत्ति से लाभ मिलने के योग हैं। क्रोध की अधिकता रहेगी, जिससे कलह होने की संभावना भी रहेगी।

मीन राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। काफी समय से रुकी योजनाएं शुरू होने की संभावना है। कारोबार में लाभ मिलेगा। कार्यसिद्धि और लक्ष्मी दोनों की प्राप्ति हो सकती है। शारीरिक और मानसिक रूप से आप उत्साही तथा प्रफुल्लित रहेंगे, इसलिए प्रत्येक कार्य करने में आप को उत्साह रहेगा। घर में तथा व्यावसायिक स्थल पर कार्यभार रहेगा। अधिक खर्च हो सकता है। क्रोध पर नियंत्रण और स्वास्थ्य का ध्यान रखें। छात्रों के लिए समय अच्छा रहेगा।

उद्योग जगत की खुशी बंगाल के फिर से निवेश और नौकरियों का केंद्र बनने का संकेत है

पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों का असर बाजार में भी तुरंत दिखाई दिया। सेंसेक्स में अच्छी बढ़त दर्ज की गई और कोलकाता की कई कंपनियों के शेयरों में तेजी आई। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि निवेशक स्थिर और स्पष्ट नीतियों को प्राथमिकता देते हैं। पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणाम केवल राजनीतिक बदलाव ही नहीं लाये बल्कि राज्य के आर्थिक भविष्य को लेकर नई उम्मीदें भी जगाई हैं। उद्योगपति हर्ष गोयनका की प्रतिक्रिया ने इस चर्चा को और गति दी है। उन्होंने कहा है कि बंगाल का व्यापारिक वर्ग इस परिणाम से खुश है और अब विकास, निवेश और रोजगार के नए अवसर सामने आ सकते हैं। हम आपको बता दें कि भारतीय जनता पार्टी की यह जीत ऐतिहासिक मानी जा रही है, क्योंकि पहली बार उसने पश्चिम बंगाल में सरकार बनाई है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस के पंद्रह साल के शासन का अंत हुआ है। इस बदलाव से केंद्र और राज्य के बीच बेहतर समन्वय की उम्मीद की जा रही है, जो विकास परियोजनाओं के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।

पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों का असर बाजार में भी तुरंत दिखाई दिया। सेंसेक्स में अच्छी बढ़त दर्ज की गई और कोलकाता की कई कंपनियों के शेयरों में तेजी आई। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि निवेशक स्थिर और स्पष्ट नीतियों को प्राथमिकता देते हैं। जब राज्य और केंद्र की सरकारें एक दिशा में काम करती हैं, तो निवेश का माहौल बेहतर बनता है। हालांकि, कुछ विश्लेषकों का कहना है कि बाजार की यह तेजी शुरूआती प्रतिक्रिया हो सकती है। दीर्घकाल में आर्थिक स्थिति कई अन्य कारकों पर निर्भर करेगी, जैसे वैश्विक बाजार और कच्चे तेल की कीमतें। उद्योग जगत को उम्मीद है कि अब बड़े आधारभूत ढांचा परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जा सकेगा। निवेश की मंजूरी की प्रक्रिया आसान हो सकती है और नियमों में स्पष्टता आएगी। इससे निजी और सरकारी दोनों तरह के निवेश को प्रोत्साहन मिल सकता है। इसके साथ ही केंद्र सरकार की योजनाओं का विस्तार भी राज्य में तेजी से हो सकता है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, आय और मांग बढ़ने की संभावना है। कई उद्योग संगठनों ने भी इस परिणाम का स्वागत करते हुए निवेश के माहौल में सुधार की उम्मीद जताई है।

अगर विभिन्न क्षेत्रों की बात करें, तो आधारभूत ढांचा और निर्माण क्षेत्र को सबसे ज्यादा लाभ मिलने की संभावना है। सड़क, बंदरगाह और औद्योगिक परियोजनाओं को गति मिल सकती है। अचल संपत्ति क्षेत्र में भी सुधार की उम्मीद है। चाय, कृषि और मत्स्य पालन जैसे क्षेत्रों में नई योजनाएं विकास को बढ़ावा दे सकती हैं। बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में कर्ज वितरण बढ़ सकता है, खासकर छोटे उद्योगों और आवास क्षेत्र में। इसके साथ ही कुछ चुनौतियां भी सामने हैं। राज्य की वित्तीय स्थिति पहले से दबाव में है। वित्तीय घाटा और कर्ज का स्तर ऊंचा बना हुआ है। ऐसे में नई सरकार के लिए अपने वादों को संतुलित तरीके से लागू करना

जरूरी होगा, ताकि आर्थिक स्थिरता बनी रहे। विशेषज्ञों का मानना है कि केवल राजनीतिक बदलाव पर्याप्त नहीं है। नीतियों का सही क्रियान्वयन और वित्तीय अनुशासन ही लंबे समय में वास्तविक परिणाम तय करेंगे। वैसे आम लोगों के लिए इस बदलाव का अर्थ है संभावित रूप से अधिक रोजगार के अवसर और बेहतर आर्थिक गतिविधियां। अगर निवेश बढ़ता है और उद्योग विकसित होते हैं, तो राज्य की अर्थव्यवस्था में सुधार हो सकता है। इससे जीवन स्तर और बाजार की स्थिति पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि, आंकड़े बताते हैं कि पश्चिम बंगाल अभी भी निवेश के मामले में अन्य राज्यों से पीछे है। विदेशी निवेश कम रहा है और विनिर्माण क्षेत्र की गति भी धीमी रही है। राज्य की अर्थव्यवस्था में सेवाओं का योगदान अधिक है, जबकि औद्योगिक विकास को और मजबूत करने की जरूरत है। व्यापार करने की सुविधा से जुड़े पहलू भी महत्वपूर्ण हैं। जमीन की उपलब्धता, मंजूरी की प्रक्रिया और नियमों की पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर सुधार जरूरी है।

हम आपको याद दिला दें कि पश्चिम बंगाल का औद्योगिक इतिहास कभी उसकी सबसे बड़ी ताकत माना जाता था। एक समय ऐसा था जब यह राज्य अपने कारखानों और उद्योगों के कारण पूरे देश ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में पहचान रखता था। दूसरे राज्यों से लोग यहां रोजगार की तलाश में आते थे। लेकिन समय के साथ स्थिति बदलती चली गई। पहले वामपंथी सरकारों की नीतियों के कारण उद्योगों पर दबाव बढ़ा और धीरे धीरे कई कारखाने बंद होने लगे। इसके बाद तृणमूल कांग्रेस के शासन में भ्रष्टाचार और नीतिगत अनिश्चितता को लेकर भी सवाल उठते रहे, जिससे निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ। ममता बनर्जी के आंदोलन के चलते सिंगूर में टाटा नैनो परियोजना के बंद होने की घटना के बाद बंगाल में बड़े उद्योग लगाने को लेकर निवेशकों में एक तरह की हिचक पैदा हो गई। परिणाम यह हुआ कि रोजगार के अवसर घटे और लोगों का पलायन बढ़ने लगा। हालांकि अब जब भाजपा की सरकार बनी है, तो उद्योग जगत में एक बार फिर सकारात्मक संकेत दिखाई दे रहे हैं। कई उद्योग संगठनों का कहना है कि वह आने वाले समय में सरकार को नई परियोजनाओं की रूपरेखा सौंपने की तैयारी कर रहे हैं, जिससे राज्य में औद्योगिक गतिविधियों को फिर से गति मिल सकती है।

शब्दों के इस्तमाल में संयम आवश्यक

नीरज कुमार दुबे

इस बात में कुछ गलत नहीं है कि कोई राजनीतिज्ञ किसी अन्य राजनीतिज्ञ की नीति और विचारधारा से सहमत नहीं हो और उस आधार पर उसे नापसंद करे और उसका विरोध करे लेकिन देश के प्रधानमंत्री पद पर जो व्यक्ति बैठा है उसके खिलाफ अमर्यादित बातें कहना सर्वथा अनुचित है।

विपक्षी गठबंधन की ओर से कई नेता प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनने को आतुर तो दिख रहे हैं लेकिन इस पद की गरिमा और सम्मान का उन्हें जरा भी ख्याल नहीं है। प्रधानमंत्री पद की उम्मीदवारी हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपशब्द बोलने का ऐसा सिलसिला शुरू हुआ है जोकि दिन पर दिन लोकतंत्र को शर्मसार कर रहा है। देखा जाये तो प्रधानमंत्री को अपशब्द बोलने के अभियान का नेतृत्व कांग्रेस नेता राहुल गांधी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री बनने के लिए देश को जातिवाद की आग में झोंक देने को आतुर दिख रहे राहुल गांधी की नजर में पीएम का मतलब है पनौती मोदी। राजस्थान की एक चुनावी सभा में राहुल गांधी ने जब पीएम शब्द की अपने शब्दों में व्याख्या की तो सभी चौंक गये क्योंकि उनके परिवार से तीन लोग प्रधानमंत्री रह चुके हैं और उनकी माँ सोनिया गांधी भी प्रधानमंत्री बन गयी होतीं यदि उनके विदेशी मूल का मुद्दा ऐन वक्त पर आड़े नहीं आया होता। हम आपको यह भी बता दें कि यह वही राहुल गांधी हैं जिन्होंने डॉ. मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्वकाल के दौरान उनका विधेयक सरेआम फाड़ कर प्रधानमंत्री पद के प्रति अपने असम्मान का खुलेआम प्रकटीकरण किया था।

राहुल गांधी मोदी को पनौती कह रहे हैं तो उनकी पार्टी के रिमोट कंट्रोल से संचालित माने जाने वाले अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे प्रधानमंत्री के पिता को सार्वजनिक रूप से अपशब्द कह रहे हैं। प्रधानमंत्री पद की उम्मीदवारी की दौड़ में कहीं राहुल और खरगे आगे ना निकल जायें इसके लिए विपक्षी गठबंधन इंडी के घटक दल भी सक्रिय हो गये हैं। पीएम मोदी के खिलाफ अमर्यादित बातें कहने के अभियान का असर आपको वहां पर साफ दिख जायेगा।

देखा जाये तो लोकतंत्र में इस बात में कुछ गलत नहीं है कि कोई राजनीतिज्ञ किसी अन्य राजनीतिज्ञ की नीति और विचारधारा से सहमत नहीं हो और उस आधार पर उसे नापसंद करे और उसका विरोध करे लेकिन देश के प्रधानमंत्री पद पर जो व्यक्ति बैठा है उसके खिलाफ अमर्यादित बातें कहना सर्वथा अनुचित है। यदि प्रधानमंत्री के खिलाफ विरोध भी प्रकट करना है तो उसे ससम्मान किया जाना चाहिए। इसके अलावा जिस तरह प्रधानमंत्री के गृह राज्य गुजरात को निशाना बनाया जा रहा है वह तो और भी गलत है। एक राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का यह कहना एक राज्य के प्रति नफरत फैलाने के समान है कि अगर क्रिकेट विश्व कप का फाइनल मैच कोलकाता या मुंबई में खेला जाता तो भारत जीत जाता। इसके अलावा राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जिस अंदाज में मारवाड़ी और गुजराती शब्द का प्रयोग करते हुए गुजरात पर कटाक्ष किया है वह भी सर्वथा अनुचित है।

भारत का संविधान और राजधर्म

हृदयनारायण दीक्षित

संविधान भारत का राजधर्म है। संविधान सभा ने 26 नवंबर 1949 के दिन संविधान पारित किया था। भारत के लिए यह तिथि चिर स्मरणीय है। संविधान जन गण मन का भाग्य विधाता है। संविधान में विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका प्रतिष्ठित संस्थाएं हैं। संविधान में विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, विधि के समक्ष समता सहित सभी मौलिक अधिकार हैं। संविधान में भारतीय संस्कृति को भी महत्वपूर्ण स्थान मिला है। संविधान की हस्तलिखित प्रति में राम, कृष्ण, हड़प्पा काल की मोहरों व वैदिक काल के गुरुकुल आश्रम के चित्र हैं। श्रीराम का लंका विजय व श्रीकृष्ण अर्जुन के सुन्दर चित्र भी हैं। बुद्ध, महावीर, सम्राट अशोक, गुप्तकाल, शिवा जी, गुरु गोविन्द सिंह आदि सभी के चित्र आकर्षित करते हैं। संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने अपने आखिरी भाषण में कहा कि, 'संविधान उपबंध करे या न करे, राष्ट्र कल्याण उन व्यक्तियों पर निर्भर करेगा जो देश पर शासन करेंगे।' डॉ. आम्बेडकर ने अंतिम भाषण दिया और कहा कि, 'एक समय था जब भारत गणराज्यों से सुसज्जित था। भारत संसदीय प्रक्रिया से भी अपरिचित नहीं था।' संविधान सभा में राष्ट्रजीवन की सभी समस्याओं पर चर्चा हुई थी। जम्मू कश्मीर विषयक अनुच्छेद 370 संविधान का अस्थाई उपबंध बना। जम्मू कश्मीर विशेष उपबंध की व्यवस्था ठीक नहीं थी। इस व्यवस्था का खात्मा नरेन्द्र मोदी की सरकार ने 2019 में किया। भारतीय संविधान की रचना में देश के चोटी के विद्वानों ने हिस्सा लिया था। सभी विषयों पर जमकर चर्चा हुई थी। अल्पसंख्यक अधिकार समिति के सभापति सरदार पटेल ने अपनी सिफारिशें सभा में रखी थीं। यह हिस्सा ऐतिहासिक महत्व का है। यों तो संविधान सभा की पूरी बहस रोमांचकारी है। लेकिन बहस का एक मजेदार किस्सा संविधान में 'ईश्वर' को शामिल करने का है। राष्ट्रपति की शपथ के प्रारूप मसौदे में 'ईश्वर' का उल्लेख नहीं था। एचवी कामत ने ईश्वर को जोड़ने का संशोधन प्रस्ताव रखा, 'मेरे मन में भावना उठी कि इसमें कुछ कमी है। ईश्वर को विधान में स्थान मिलना चाहिए। मेरी धारणा थी कि प्रस्तावना का ही आरम्भ ईश्वर की स्तुति से होना चाहिए था। कदाचित यह ईश्वर की इच्छा थी कि विधान उसके नाम से वंचित होना चाहिए।' कामत ने कहा, 'हम भगवान को जितना दूर हटाते हैं, उतना ही वह हमारा पीछा करता है।' महावीर त्यागी ने ईश्वर के नाम पर या निश्चयपूर्वक सत्यनिष्ठा से शपथ लेने का संशोधन रखा। उन्होंने कहा 'इसका अर्थ यह होगा कि जो भगवान में विश्वास करते हैं वे उसके नाम में शपथ लेंगे और जो इस मत के हैं कि ईश्वर के विषय में न कुछ जाना जा सका है और न जाना जा सकता है उन नास्तिकों को केवल गम्भीरतापूर्वक निश्चयोक्ति करने की स्वतंत्रता होगी।' यह बहस भारत के इतिहास का अंग है। त्यागी ने कहा, 'ब्रिटिश संसद भी प्रार्थना से शुरू होती है। उनकी व्यवस्था साम्प्रदायिक राज्य नहीं है।' काजी करीमुद्दीन ने कहा, 'मैं बहुत प्रसन्न हूं कि उन्होंने ईश्वर के पक्ष में तर्क उपस्थित किये हैं कि ईश्वर को हमारे विधान से नहीं मिटाना चाहिए। मेरा निवेदन है कि यदि उनका संशोधन स्वीकार कर लिया जाये तो हम उन लोगों को अलग कर रहे होंगे जिन्हें ईश्वर में विश्वास नहीं है। इस देश में और अन्यत्र ऐसे बहुत से लोग है जिन्हें ईश्वर में विश्वास नहीं होता।' प्रो. केटी शाह ने कहा, 'ईश्वर का नाम रखने की प्रबल इच्छा के बावजूद मैं समझता हूं, हम अन्य लोगों की मूर्खताओं को दोहरा सकते हैं। मुझे भय है कि ईश्वर के नाम की केवल उपस्थिति मनुष्य की निर्बलता के विरुद्ध प्रतिभूति नहीं होगी।'

राहत की खबर! बिहार में राजस्व कर्मियों की हड़ताल वापस, काम पर लौटेंगे कर्मचारी

एजेंसी

पटना: बिहार में राजस्वकर्मियों की 9 मार्च से चल रही अनिश्चितकालीन हड़ताल समाप्त हो गई है. बिहार राजस्व सेवा संयुक्त महासंघ ने 9 मार्च 2026 से चली आ रही अनिश्चितकालीन सामूहिक अवकाश यानी हड़ताल को स्थगित करने का निर्णय लिया है. यह फैसला आम जनजीवन पर पड़ने वाले प्रभाव और प्रशासनिक कार्यों की निरंतरता को ध्यान में रखते हुए लिया गया है. अब सभी राजस्व कर्मी 4 मई 2026 से अपने-अपने पदस्थापन स्थल पर योगदान देंगे.

राजस्व कर्मियों की हड़ताल टली: संयुक्त मोर्चा के महासचिव रजनीश कांत में बताया कि राज्य सरकार और विशेष रूप से मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व पर विश्वास जताते हुए यह कदम उठाया गया है. सरकार राजस्व सेवा संवर्ग को सुदृढ़ और व्यवस्थित बनाने की दिशा में जल्द ही सकारात्मक और ठोस पहल करेगी. इसके साथ ही 5 मार्च 2026 को सौंपे गए 11 सूत्री मांग पत्र पर गंभीरता से विचार कर समयबद्ध कार्रवाई की उम्मीद जताई गई है. संयुक्त मोर्चा ने अपनी प्रमुख मांगों में भूमि सुधार उप समाहर्ता के पद को पूर्ण रूप से प्रशासनिक और कार्यात्मक नियंत्रण के तहत राजस्व विभाग में लाने की बात दोहराई है. इसके अलावा सेवा संवर्ग के अंतर्गत अधिसूचित सभी पदों पर बिहार राजस्व सेवा के पदाधिकारियों की विधिवत नियुक्ति सुनिश्चित करने या उन्हें प्रभार देने की मांग भी उठाई गई है. हमारा मानना है कि इन कदमों से प्रशासनिक व्यवस्था अधिक मजबूत और प्रभावी बनेगी. संयुक्त मोर्चा के महामंत्री जितेंद्र पांडेय ने कहा कि हमें उम्मीद है कि सरकार राज्य सेवा के हितों की रक्षा करते हुए लंबित मांगों का शीघ्र समाधान करेगी. इससे न सिर्फ प्रशासनिक ढांचा बेहतर होगा बल्कि आम जनता को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा. वह सरकार के साथ संवाद और सहयोग के माध्यम से समाधान की दिशा में आगे बढ़ना चाहते है.

2 महीने का अल्टीमेटम: हालांकि, संयुक्त मोर्चा ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय सीमा, यानी दो महीने के भीतर मांगों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होती है तो संगठन दोबारा लोकतांत्रिक और वैधानिक तरीके से सामूहिक अवकाश यानी हड़ताल का रास्ता अपनाने को बाध्य होगा. राज्य सरकार, विशेषकर मुख्यमंत्री के नेतृत्व और उनकी कार्यशैली पर हमें पूरा भरोसा है. विश्वास है कि सरकार राजस्व सेवा से जुड़े सभी न्यायोचित और तार्किक मुद्दों पर संवेदनशीलता के साथ निर्णय लेगी.

सचिव से वार्ता के बाद निर्णय: यह निर्णय राजस्व सेवा संयुक्त महासंघ के प्रतिनिधियों के साथ विभाग के सचिव जय कुमार सिंह की हुई वार्ता के बाद लिया गया है. सरकार को दो माह का समय दिया गया है कि 11 सूत्री मांग को माना जाए, अन्यथा फिर से लोकतांत्रिक तरीके से हड़ताल पर राजस्व कर्मी चले जाएंगे. फिलहाल हड़ताल टलने से प्रशासनिक कामकाज सामान्य होने की उम्मीद है और आम लोगों को राहत मिलेगी.

गयाजी: सड़क हादसे में महिला की मौत, गुस्साए ग्रामीणों ने पुलिस पर किया हमलां

एजेंसी

गयाजी: जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे के बाद हालात तनावपूर्ण हो गए. महिला की मौत से आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिसमें दो पुलिसकर्मी घायल हो गए.

हाईवा की टक्कर से महिला की मौके पर मौत

घटना मोहनपुर थाना क्षेत्र के नहाटा गांव के पास हुई. जानकारी के अनुसार, महिला अपने पति के साथ बाइक से मायके से ससुराल लौट रही थी. इसी दौरान एक तेज रफ्तार हाईवा ने बाइक को टक्कर मार दी. हादसे में बाइक पर पीछे

बैठी महिला सड़क पर गिर गई और वाहन के नीचे आ गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. वहीं, उसका पति बाल-बाल बच गया.मृतका की पहचान बोधगया थाना क्षेत्र के जानी बिगहा निवासी ललन यादव की पत्नी सुमित्रा देवी के रूप में हुई है.घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने मोहनपुर-बाराचट्टी सड़क मार्ग को जाम कर दिया और प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया.

पुलिस पर लाठी-डंडों से हमला

सड़क जाम की सूचना मिलने पर मोहनपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जाम हटाने की कोशिश की. इसी दौरान कुछ ग्रामीण पुलिस से उलझ गए और देखते ही देखते स्थिति हिंसक हो गई.जिसमें ग्रामीणों को पुलिस पर हमला करते देखा जा सकता है.

पुलिस ने किया बल प्रयोग, स्थिति पर पाया काबू

हमले के बाद पुलिस ने भी बल प्रयोग कर स्थिति को नियंत्रित किया और भीड़ को तितर-बितर किया. घायल पुलिसकर्मियों का इलाज मगध मेडिकल अस्पताल में कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई.

6 महीने में 2 मुख्यमंत्री.. अधूरी कैबिनेट, तेजस्वी का आरोप- साजिश से बनी पथभ्रष्ट सरकार से जनता नाउम्मीद

एजेंसी

पटना: सम्राट मंत्रिमंडल विस्तार में देरी और कानून-व्यवस्था को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार सरकार पर जोरदार हमला बोला है. उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि साजिश से बनी इस 'पथभ्रष्ट सरकार' के पहले साल के कार्यकाल का 46.03 फीसदी वक्त बर्बाद हो चुका है. इस दौरान उनके निशाने पर पूर्व सीएम नीतीश कुमार भी रहे.

तेजस्वी यादव का एनडीए सरकार पर हमला: तेजस्वी यादव ने लिखा कि विधानसभा चुनाव के 6 महीने बाद ही बिहार ने दो मुख्यमंत्री देख लिए हैं. साजिश से बनी इस 'पथभ्रष्ट सरकार' के पहले साल के कार्यकाल का 46.03 फीसदी वक्त बर्बाद हो चुका है. उन्होंने आगे लिखा कि बिहारवासियों के लिए यह बेहद निंदनीय और चितनीय सवाल है कि लगभग 50 प्रतिशत समय गंवाने के बाद भी सरकार की प्राथमिकता, लक्ष्य, कार्यक्रम और नीति स्पष्ट और निर्धारित नहीं है. नेता प्रतिपक्ष ने कैबिनेट विस्तार में देरी पर भी सवाल उठाए हैं. उन्होंने लिखा, 'एक पखवाड़े से केवल 3 लोग ही बिहार चला रहे हैं. अधूरे मंत्रिमंडल के साथ बिना विमर्श, चिंतन और मनन के ये लोग अलोकतांत्रिक तरीके से मनमर्जी के निर्णय ले रहे हैं.'

नीतीश कुमार को 'सत्ताकामी' बताया: पूर्व डिप्टी सीएम ने कहा कि सत्तालोलुप एनडीए नेताओं ने नैतिकता और लोकलाज की सारी मयार्दाएं त्याग कर राज्य को अपनी तृष्णा पूर्ति का अखाड़ा बना लिया है. पिछले 6 साल में 5 बार और 12 वर्षों में 10 बार सरकार का गठन-पुनर्गठन हुआ है, जिसमें चंचल व्यग्र मन के धनी 'सत्ताकामी' नीतीश कुमार ने कारण-अकारण 8 बार मुख्यमंत्री की शपथ ली है. उनकी इस बेसबब क्षणभंगुर विचारधारा और दिग्भ्रमित उत्कंठा ने शासकीय व्यवस्था को अंधेरे में धकेल प्रशासनिक अराजकता, सामाजिक अस्थिरता व अनिर्णय की स्थिति उत्पन्न कर बिहार को दिशाहीन तथा बिहारवासियों को उपहास का पात्र बनाया है.

जनता को सरकार से कोई उम्मीद नहीं: तेजस्वी ने कहा कि आज बिहार बेलगाम नौकरशाही, अनियंत्रित भ्रष्टाचार, ध्वस्त विधि व्यवस्था, वित्तीय कुप्रबंधन, अपारदर्शी कार्यशैली, अनुशासनहीनता, भ्रष्ट कार्य संस्कृति, गरीबी, पलायन, बेरोजगारी और अविश्वास के दुष्चक्र में फंसा हुआ है. उन्होंने कहा कि बिहार की अवाम को अब इस निरर्थक सरकार से कोई उम्मीद शेष नहीं है. सम्पूर्ण देश जानता है कि तंत्र-यंत्र और षड्यंत्र से अर्जित कथित बहुमत से निर्मित यह असंवेदनशील सरकार अपने कार्यकाल में आमजनों की बजाय तंत्र में बैठे लोगों की पोषक बनकर ही कार्य करेगी.

समस्या में घिरी सरकार क्या समाधान करेगी?: आरजेडी के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि नई सरकार के 6 महीनों में ही प्रदेशवासी उदासीन हो चुके हैं. गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रही 21 वर्षों की एनडीए सरकार की कार्य प्रणाली से बिहार के युवा, महिला, छात्र, किसान, कर्मचारी और व्यापारी अब नाउम्मीद हो चुके हैं. जो सरकार खुद स्वयं के लिए समस्या है, वह जनता का क्या समाधान करेगी?

संक्षिप्त खबर

बगहा में बीडीओ ने स्वास्थ्य अधिकारियों संग की समीक्षा बैठक, दिए सख्त निर्देश

बगहा: बगहा मौसम में बदलाव और बढ़ती गर्मी को देखते हुए बगहा क्षेत्र में एईएस (एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम), जेई (जापानी इंसेफेलाइटिस) और हीट वेव के खतरे को लेकर जिला प्रशासन सतर्क हो गया है. गुरुवार को बगहा-2 प्रखंड विकास पदाधिकारी बिट्टू कुमार राम ने अपने कार्यालय कक्ष में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ विशेष बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की.बैठक में पीएचसी प्रभारी डॉ. के बीएन सिंह सहित अन्य स्वास्थ्य अधिकारी मौजूद रहे. बीडीओ ने निर्देश दिया कि पीएचसी, अर्बन पीएचसी और एपीएचसी सहित सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में जरूरी दवाएं, इंजेक्शन और संसाधन हर समय उपलब्ध रहें, ताकि मरीजों का समय पर इलाज हो सके.उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित किया कि एईएस, जेई और हीट वेव से बचाव को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाए. लोगों को इन बीमारियों के लक्षण और बचाव के उपायों की जानकारी दी जाए, ताकि समय पर इलाज संभव हो सके.बीडीओ ने कहा कि गर्मी के मौसम में विशेष सतर्कता जरूरी है और किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए. स्वास्थ्य विभाग को पूरी तरह अलर्ट मोड में रहकर कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं.

बगहा में सड़क हादसा, बोलेरो से टक्कर में 60 वर्षीय व्यक्ति की मौत

बगहा: बगहा के तलौकरिया थाना क्षेत्र के बहुअरवा गांव निवासी 60 वर्षीय फुल मोहम्मद मियां की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई. घटना उस समय हुई जब वे मोटरसाइकिल से अपने गांव से मिश्रौली की ओर जा रहे थे. सैनिक रोड पर सामने से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो से उनकी आमने-सामने टक्कर हो गई.

सबहेड: अस्पताल ले जाने के दौरान हुई मौत: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर काफी जोरदार थी, जिससे फुल मोहम्मद मियां गंभीर रूप से घायल हो गए. स्थानीय लोगों ने उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाने का प्रयास किया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई. घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया.

सबहेड: गांव में शोक, पुलिस जांच में जुटी: मृतक स्व. खलील मियां के पुत्र थे और अपने पीछे पत्नी, दो पुत्र व दो पुत्रियां छोड़ गए हैं. ग्रामीणों ने उन्हें मिलनसार और शांत स्वभाव का व्यक्ति बताया. घटना के बाद गांव में शोक की लहर है. सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और वाहन की पहचान कर कार्रवाई शुरू कर दी.

मुखिया मुन्ना मिश्रा हत्याकांड में कुख्यात अपराधी लुधियाना से गिरफ्तार, 25 हजार का है इनामी बदमाश

सीतामढ़ी: बिहार के सीतामढ़ी जिले में चर्चित मुखिया मुन्ना मिश्रा हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. 25 हजार रुपये के इनामी कुख्यात अपराधी आकाश सोनार को पुलिस ने पंजाब के लुधियाना से गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था.

विकेश झा गिरोह का सक्रिय सदस्य था आकाश: पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी आकाश सोनार कुख्यात अपराधी विकेश झा गिरोह का सक्रिय सदस्य था. सीतामढ़ी और शिवहर जिले में उसके खिलाफ हत्या, लूट समेत कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं. वह लंबे समय से संगीन वारदातों में संलिप्त रहा है.

लुधियाना में छुपा था आरोपी: आकाश सोनार पुलिस की कार्रवाई से बचने के लिए लुधियाना में एक मोटर गैराज में मजदूर के रूप में काम कर रहा था. उसने अपनी पहचान छिपा रखी थी. हैरानी की बात यह है कि उसने दो शादियां कर रखी थीं और अलग-अलग पहचान से रह रहा था.

मुखिया मुन्ना मिश्रा की गोली मारकर हत्या हुई थी: कुछ समय पहले सीतामढ़ी में मुखिया मुन्ना मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. इस सनसनीखेज घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखा गया था. इस हत्याकांड ने कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए थे.

तकनीकी और खुफिया जानकारी से ट्रेस हुई लोकेशन: सीतामढ़ी पुलिस की विशेष टीम ने तकनीकी अनुसंधान और खुफिया जानकारी के आधार पर आरोपी की लोकेशन ट्रेस की. इसके बाद लुधियाना में छापेमारी कर आकाश सोनार को गिरफ्तार किया गया. गिरफ्तारी के बाद उसे ट्रांजिट रिमांड पर सीतामढ़ी लाया जा रहा है.

पूछताछ में होगा अन्य आरोपियों का खुलासा: पुलिस को उम्मीद है कि आकाश सोनार से पूछताछ में मुन्ना मिश्रा हत्याकांड से जुड़े अन्य आरोपियों और पूरी साजिश के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलेगी. मामले में शामिल बाकी अपराधियों की भी जल्द गिरफ्तारी की जाएगी.

डीएसपी ने की गिरफ्तारी की पुष्टि: सदर डीएसपी-1 राजीव कुमार ने इस कार्रवाई की पुष्टि की. उन्होंने बताया कि आरोपी लंबे समय से फरार था और पुलिस लगातार उसकी तलाश में जुटी हुई थी. अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास भी तेज कर दिए गए हैं.

समस्तीपुर में 100000 रिश्वत लेते रंगे हाथ धराये सीनियर क्लर्क, निगरानी विभाग के जाल में ऐसे फंसां

एजेंसी

समस्तीपुर: समस्तीपुर जिले के रोसड़ा अनुमंडलीय अस्पताल में निगरानी विभाग ने कार्रवाई करते हुए सीनियर क्लर्क अनिल राम को 1 लाख रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया. इस कार्रवाई से अस्पताल प्रशासन और आसपास के इलाकों में हड़कंप मच गया.

सेवा लाभ दिलाने के नाम पर मांगी जा रही थी रिश्वत

जानकारी के अनुसार, आरोपी क्लर्क एक रिटायर्ड कर्मी की सर्विस बुक आगे बढ़ाने और उसके लाभ दिलाने के बदले पैसे की मांग कर रहा था. पीड़ित ने इस मामले की शिकायत निगरानी विभाग से की, जिसके बाद टीम ने पूरे मामले की जांच शुरू की.

जाल बिछाकर रंगे हाथ पकड़ा गया आरोपी

शिकायत की पुष्टि होने के बाद निगरानी विभाग की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया. तय योजना के अनुसार जैसे ही आरोपी ने रिश्वत की राशि ली, टीम ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया. गिरफ्तारी के दौरान सभी जरूरी साक्ष्य भी जुटाए गए.

गिरफ्तारी के बाद इलाके में हड़कंप

अचानक हुई इस कार्रवाई से अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. कर्मचारियों और मरीजों के बीच इस घटना की चर्चा तेज हो गई. लोग इसे भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई के रूप में देख रहे हैं.

पूछताछ जारी, आगे की कार्रवाई की तैयारी

निगरानी टीम आरोपी को अपने साथ लेकर आगे की पूछताछ में जुटी है. अधिकारियों का कहना है कि मामले में अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है और दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त संदेश

इस कार्रवाई के बाद सरकारी दफ्तरों में भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त संदेश गया है. आम लोगों ने भी इस कदम की सराहना की है और उम्मीद जताई है कि आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी.

पूर्वी चंपारण में पुलिस मछली विक्रेताओं से कर रही अवैध वसूली, ग्रामीणों ने सीएम को लिखा लेटर

एजेंसी

बिहार: पूर्वी चंपारण के रामगढ़वा में मछली विक्रेताओं से पुलिस द्वारा अवैध वसूली और मारपीट के आरोप सामने आए हैं. इस मामले ने तूल पकड़ लिया है, जिसके बाद विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) ने सख्त रुख अपनाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है. वीआईपी के राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता देव ज्योति ने आरोप लगाया है कि रामगढ़वा के मछली बाजार में पुलिसकर्मी बिना पैसे दिए मछली ले जा रहे हैं. जब इसका विरोध किया गया तो विक्रेताओं पर कार्रवाई की गई.

विरोध करने पर मारपीट और सड़क जाम का दावा

देव ज्योति के अनुसार, 9 फरवरी को मछली विक्रेताओं ने इस कथित वसूली का सामूहिक विरोध किया था. आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने मौके पर अन्य कर्मियों को बुलाकर लाठी-डंडों से पिटाई की, जिससे स्थिति बिगड़ गई और लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग जाम कर दिया.

20 से अधिक लोग जेल भेजे जाने का आरोप

वीआईपी नेता ने दावा किया कि इस घटना के बाद अब तक 20 से अधिक मछली विक्रेताओं को अलग-अलग आरोपों में जेल भेज दिया गया है. उन्होंने इसे अन्यायपूर्ण कार्रवाई बताते हुए नाराजगी जताई है.

मुख्यमंत्री को पत्र, ग्रामीणों की न्याय की मांग

ग्रामीणों ने इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री को पत्र भी लिखा है और निष्पक्ष जांच की मांग की है. स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस की भूमिका इस पूरे मामले में संदिग्ध है. विकासशील इंसान पार्टी ने इस पूरे मामले की निंदा करते हुए दोषी पुलिसकर्मियों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है. पार्टी ने कहा कि निर्दोष लोगों को जेल से रिहा किया जाए और मामले की निष्पक्ष जांच हो.वीआईपी ने स्पष्ट किया है कि वह इस तरह की घटनाओं को बर्दाश्त नहीं करेगी और जरूरत पड़ने पर आंदोलन भी किया जाएगा.

जिला परिषद अध्यक्ष की कुर्सी छिनी, 26 सदस्यों की सहमति से अविश्वास प्रस्ताव पारितं

एजेंसी

दरभंगा: बिहार के दरभंगा में जिला परिषद अध्यक्ष की कुर्सी छिन गई है. दरअसल अध्यक्ष सीता देवी पर लगा अविश्वास प्रस्ताव गुरुवार को पास हो गया. अल्पसंख्यक पदाधिकारी की अध्यक्षता में हुई विशेष बैठक में 47 सदस्यों में अध्यक्ष सहित 27 सदस्य उपस्थित हुए. इनमें से सभी 26 सदस्यों ने अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया. गौरतलब है कि 2024 में प्रशांत किशोर की अथक मेहनत से सीता देवी चेयरमैन बनीं थीं.

27 सदस्यों ने दिया था अविश्वास प्रस्ताव: दरअसल 6 अप्रैल को दरभंगा जिला परिषद के 47 में से 27 सदस्यों ने अध्यक्ष सीता देवी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव दाखिल किया था. पार्षदों ने सीता देवी पर भ्रष्टाचार, कमीशनखोरी और विकास कार्यों में भारी अनियमितता के गंभीर आरोप लगाए थे. इसी को लेकर अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा और मतदान के लिए अंबेडकर सभागार में गुरुवार यानि आज विशेष बैठक बुलाई गई थी.

प्रभारी डीएम ने की घोषणा: वहीं बैठक के बाद अपसंख्यक पदाधिकारी सह प्रभारी डीएम मो.सलीम अख्तर ने अविश्वास प्रस्ताव पारित होने की घोषणा की. उन्होंने कहा की अविश्वास प्रस्ताव को लेकर हुई विशेष बैठक आयोजित की गई थी जिसमें 26 सदस्यों ने अध्यक्ष पद से हटाने के पक्ष में मतदान किया.सभी ने अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया है. अब हमलोग अध्यक्ष के चुनाव के लिए आगे विभाग को पत्र लिखेंगे उसके बाद आदेश के अनुसार कार्रवाई होगी.आदेश के बाद ही अध्यक्ष पद का चुनाव होगा.

जन सुराज समर्थित प्रत्याशी थीं सीता देवी: मिली जानकारी के मुताबिक इसी महीने अध्यक्ष पद के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था. बताया जा रहा है कि इससे पहले 12 जनवरी 2024 को पूर्व अध्यक्ष ने भी विश्वास मत खो दिया था. चुनाव आयोग के द्वारा निर्धारित तिथि 15 मार्च को अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराने की तारीख तय की गई थी. इस चुनाव में जन सुराज समर्थित प्रत्याशी सीता देवी ने 46 सदस्यों में से 28 जिला परिषद सदस्यों का मत प्राप्त कर जीत हासिल की थी.

देश में लोकतंत्र अब भी जीवित: जिला पार्षद धीरेंद्र मिश्रा के मुताबिक देश में लोकतंत्र अब भी जीवित है. उन्होंने कहा कि कोई भी अगर लोकतंत्र में राजतंत्र लाना चाहेगा. अपनी मर्जी चलाना चाहेगा तो वो कभी सफल नहीं होगा. लोकतंत्र अभी जीवित है और उसी के अनुसार देश व राज्य चलेगा.

एसएच-56 बेर चौक पर पुलिस की कार्रवाई, 28 चालकों से जुमार्ना वसूला गया

बिहार: कुशेश्वरस्थान एसडीपीओ प्रभाकर तिवारी के नेतृत्व में गुरुवार को एसएच-56 स्थित बेर चौक पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया. अचानक शुरू हुई चेकिंग से वाहन चालकों में हड़कंप मच गया और कई चालक मुख्य सड़क छोड़कर ग्रामीण मार्गों से निकलते दिखे.

272 वाहनों की जांच, 28 से वसूला जुमार्ना

अभियान के दौरान पुलिस ने 272 वाहनों की जांच की. इसमें 28 वाहन चालकों से कुल 30 हजार रुपये जुमार्ना वसूला गया. जांच के दौरान वाहन के रजिस्ट्रेशन, इंश्योरेंस, पॉल्यूशन सर्टिफिकेट, ड्राइविंग लाइसेंस और सीट बेल्ट के उपयोग की पड़ताल की गई.

हेलमेट जांच पर विशेष फोकस

खासकर बाइक चालकों के हेलमेट पहनने पर पुलिस ने विशेष ध्यान दिया. बिना हेलमेट चलने वालों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की गई. कई वाहन चालकों को मौके पर ही नियमों का पालन करने की हिदायत दी गई.

नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई जारी

एसडीपीओ प्रभाकर तिवारी ने कहा कि वाहन जांच अभियान केवल कागजात की जांच तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी. अभियान में सअनि मानव शंकर सहित कई पुलिस अधिकारी व जवान मौजूद रहे.

खगड़िया : ट्रक अनियंत्रित होकर ऑटो पर पलटा, सीआईएसएफ जवान समेत 3 की मौत

एजेंसी

खगड़िया: जिले में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. यह हादसा खगड़िया-गौछारी NH-31 पर उस समय हुआ, जब गिट्टी से लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर एक ऑटो पर पलट गया.

ऑटो के नीचे दबे तीनों की मौके पर मौत

हादसे में सीआईएसएफ जवान बिपिन चौरसिया, उनकी पत्नी दीपमाला चौरसिया और ऑटो चालक टांकेश मुनि की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो ट्रक के नीचे पूरी तरह दब गया, जिससे किसी को संभलने का मौका नहीं मिला.

ड्यूटी पर लौट रहे थे जवान

जानकारी के अनुसार, बिपिन चौरसिया छुट्टी के बाद वापस ड्यूटी पर लौट रहे थे. गुरुवार सुबह करीब 5 बजे वह अपनी पत्नी के साथ स्टेशन जाने के लिए ऑटो से निकले थे, तभी रास्ते में यह हादसा हो गया.

राहत-बचाव कार्य में जुटे स्थानीय लोग

घटना के बाद आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया. मलबे में दबे लोगों को निकालने की कोशिश की गई और पुलिस को सूचना दी गई.महेशखुट थाना क्षेत्र के गौछारी स्थित एनएच-31 पर हुई इस घटना के बाद पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शवों को बाहर निकाला और घायलों को नजदीकी अस्पताल भेजा.

हादसे के कारणों की जांच जारी

प्रारंभिक जांच में ट्रक के अनियंत्रित होने को हादसे की वजह माना जा रहा है. हालांकि पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है.इस हादसे के बाद मृतकों के गांव में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है.

खबर संक्षेप

एचएफसीएल को निजी दूरसंचार से मिला ठेका

नई दिल्ली। दूरसंचार उपकरण बनाने वाली कंपनी एचएफसीएल को एक प्रमुख घरेलू निजी दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी से 84.23 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। यह ठेका 'ऑप्टिकल फाइबर केबल' की आपूर्ति के लिए है और इसे कंपनी की अनुषंगी एचटीएल लिमिटेड के साथ मिलकर प्राप्त किया गया है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज का लाभ 70 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। गोदरेज प्रॉपर्टीज का जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध मुनाफा 70 प्रतिशत बढ़कर 649.88 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का शुद्ध मुनाफा पिछले वर्ष की समान अवधि में 381.99 करोड़ रुपये था। मार्च तिमाही में कुल आय बढ़कर 3,806.65 करोड़ रुपये हो गई जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 2,681.06 करोड़ रुपये थी।

सीएसबी बैंक के मुनाफे में छह फीसदी की वृद्धि

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के सीएसबी बैंक का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ छह प्रतिशत बढ़कर 202 करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की इसी तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 190 करोड़ रुपये था। तिमाही में उसकी शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) या मुख्य आय 25 प्रतिशत बढ़कर 464 करोड़ रुपये हो गई।

एथर एनर्जी का शुद्ध घाटा 57 फीसदी घटा

मुंबई। एथर एनर्जी का जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध घाटा 57 प्रतिशत घटकर 100.23 करोड़ रुपये रह गया जो पिछले वर्ष समान अवधि में 234.36 करोड़ रुपये था। बेंगलुरु स्थित इलेक्ट्रिक दोपहिया विनिर्माता कंपनी पिछले साल मई में शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुई थी। समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन आय 74 प्रतिशत बढ़कर 1,174.66 करोड़ रुपये हो गई ।

अंबुजा सीमेंट्स का लाभ 37% बढ़कर 1,857 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। अदाणी समूह की कंपनी अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड (एसीएल) का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 37.43 प्रतिशत बढ़कर 1,857.43 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 1,351.46 करोड़ रुपये था।

एक्साइड का लाभ 15% बढ़कर 217 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। बैटरी विनिर्माता कंपनी एक्साइड इंडस्ट्रीज लिमिटेड का 2025-26 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 15 प्रतिशत बढ़कर 216.73 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में मुनाफा 187.91 करोड़ रुपये रहा था। एक्साइड इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन आय 4,735.13 करोड़ रुपये रही जो एक वर्ष पहले इसी तिमाही में 4,335.42 करोड़ रुपये थी।

यूपीआई ट्रांजेक्शन में गिरावट, होने लगा मोहभंग? 2026 में पहली बार घटा आंकड़ा

नई दिल्ली

यूपीआई ट्रांजेक्शन को लेकर हाल ही में जो आंकड़े सामने आए हैं, उन्होंने डिजिटल भुगतान की रफ्तार को ले कर एक नई बहस छेड़ दी है। मार्च 2026 में जहां यूपीआई ने 2016 में लांच होने के बाद अब तक का सबसे बड़ा रिकार्ड बनाया था, वहीं अप्रैल 2026 में इसकी रफ्तार में थोड़ी गिरावट दिखाई दी है।

- अप्रैल 2026 में यूपीआई ट्रांजेक्शन का कुल मूल्य 1.7% घटकर 29.03 ट्रिलियन रुपए रह गया

अचानक यूपीआई ट्रांजेक्शन में आई इस कमी ने सबको हैरान कर दिया है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, मार्च 2026 में ट्रांजेक्शन वॉल्यूम और वैल्यू दोनों ने बड़ा रिकार्ड दर्ज किया था। लेकिन बाद में यह सवाल उठने लगा है कि क्या लोगों का होने लगा मोहभंग है या यह सिर्फ एक नॉर्मल उतार-चढ़ाव है।

यूपीआई के 2016 में लांच होने के बाद पहली बार आई गिरावट

फास्टटेग लेनदेन 1.6 फीसदी घटा

फास्टटेग लेनदेन में भी करीब 1.6% घटकर 358 मिलियन तक रह गए, जबकि इसका मूल्य 2% घटकर करीब 7,025 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। इसी तरह आधार सक्षम भुगतान प्रणाली में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिला, जहां लेनदेन की संख्या करीब 15% और मूल्य में 14% की गिरावट दर्ज की है।

फास्टटेग, आईएमपीएस और एआईपीएस में भी सुस्ती : यूपीआई के साथ-साथ अन्य डिजिटल पेमेंट में भी अप्रैल 2026 में हल्की गिरावट देखने को मिली है। सिर्फ यूपीआई ही नहीं, बल्कि फास्टैग और आईएमपीएस को भी काफी बड़ा झटका लगा है।

मार्च के रिकॉर्ड के बाद अप्रैल में गिरावट

अप्रैल 2026 में यूपीआई ट्रांजेक्शन का कुल मूल्य 1.7 फीसदी घटकर 29.03 ट्रिलियन रुपए रह गया, जबकि मार्च में यह 29.53 ट्रिलियन रुपए का कारोबार था। सिर्फ वैल्यू ही नहीं, बल्कि ट्रांजेक्शन की संख्या (वॉल्यूम) भी घटकर 22.35 बिलियन पर आ गई है।

विशेषज्ञों की राय और डिजिटल भुगतान का भविष्य

कैशफ्री पेमेंट्स के सीईओ आकाश सिन्हा ने कहा, "यह मांग में कमी नहीं, बल्कि मौसमी प्रभाव है।" उनके मुताबिक, वॉल्यूम के साथ-साथ वैल्यू में तेज वृद्धि यह संकेत देती है कि लोग अब यूपीआई का इस्तेमाल बड़े और ज्यादा भरोसेमंद पेमेंट के लिए भी कर रहे हैं। इसी तरह पेनियरबाय के फाउंडर और सीईओ आनंद कुमार का कहना है कि डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम बड़े पैमाने पर लगातार मजबूत हो रहा है और यूपीआई अब आम लोगों की लाइफस्टाइल का अहम हिस्सा बन चुका है।

डिजिटल पेमेंट में गिरावट या मौसमी असर?

भले ही हालिया आंकड़े पहली नजर में काफी चिंता पैदा करने वाले लग रहे हैं, लेकिन सिक्के के दूसरे पहलू की कहानी कुछ और ही बयां करता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह गिरावट किसी बड़ी मंदी का संकेत नहीं, बल्कि 'मार्च इफेक्ट' का परिणाम है। मार्च 2026 में वित्तीय वर्ष की समाप्ति के कारण लेनदेन में अचानक उछाल आया था, जिसने उस महीने इतिहास के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। दरअसल अप्रैल में जो गिरावट आई थी वह उसी ऊंची छलांग के बाद की एक सामान्य स्थिरता माना जा रहा है।

सब्सिडी खर्च 1.71 लाख करोड़ रुपए से अधिक होने का अनुमान

पश्चिम एशिया संकट: बजट अनुमान से अधिक रह सकती है उर्वरक सब्सिडी

- यूरिया और उर्वरकों की कीमतों में बढ़ोतरी का रुझान दिख रहा
- खरीफ 2026 सत्र में उर्वरकों की उपलब्धता 'अच्छी' और 'स्थिर' बनी हुई है
- मार्च-अप्रैल के लिए घरेलू उत्पादन 67.76 लाख टन रहा

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण आयातित यूरिया और अन्य उर्वरकों की बढ़ती कीमतों के बीच वित्त वर्ष 2026-27 के लिए सरकार का उर्वरक सब्सिडी खर्च 1.71 लाख करोड़ रुपये के बजटीय आवंटन से अधिक होने का अनुमान है।

मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह यह कहा। उर्वरक विभाग में अतिरिक्त सचिव अपर्णा एस शर्मा ने पश्चिम एशिया के घटनाक्रम पर एक अंतर-मंत्रालयी सम्मेलन में कहा, ''हम जानते हैं कि कीमतें बढ़ी हैं। यूरिया और अन्य उर्वरकों दोनों की कीमतों में बढ़ोतरी का रुझान दिख रहा है...। निश्चित रूप से बढ़ोतरी होगी, लेकिन अभी कुछ नहीं कहा जा सकता।''

उर्वरकों की उपलब्धता अच्छी और स्थिर

शर्मा ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण आपूर्ति श्रृंखला में आई रुकावटों के बावजूद, खरीफ 2026 सत्र में उर्वरकों की उपलब्धता 'अच्छी' और 'स्थिर' बनी हुई है। मार्च-अप्रैल के लिए घरेलू उत्पादन 67.76 लाख टन रहा। इसमें यूरिया (40.72 लाख टन), डाई अमोनियम फॉस्फेट (5.39 लाख टन), एनपीके (13.65 लाख टन) और एसएसपी (8 लाख टन) शामिल हैं।

अस्थायी बंद संयंत्र फिर से होगे चालू

शर्मा ने बताया कि यूरिया के कुछ ऐसे संयंत्र जो अस्थायी रूप से बंद हो गए थे, वे अब फिर से चालू होने वाले हैं। उनके लिए गैस की आपूर्ति पहले ही सुनिश्चित कर ली गई है। यूरिया के आयात के लिए एक वैश्विक निविदा की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और मई-जून तक इसकी आपूर्ति होने की उम्मीद है।

समय से पहले स्टॉक किया जाएगा जमा

अधिकारियों के अनुसार यह 'बेहतर योजना और समय से पहले स्टॉक जमा करने' की रणनीति को बताता है। कृषि मंत्रालय के आकलन के आधार पर राज्यों के हिसाब से मांग का खाका तैयार कर लिया गया है और इसके लिए स्टॉक जमा करने तथा अग्रिम योजना बनाने का काम पहले ही पूरा कर लिया गया है। केंद्रीय स्तर पर स्टॉक जमा करने के अलावा, जिलों के भीतर इसके पुनर्वितरण की जिम्मेदारी राज्य सरकारों की ही रहेगी।

आपातकालीन प्रकोष्ठ होगा स्थापित

शर्मा ने कहा, ''हम राज्यों के साथ नियमित बैठकें कर रहे हैं। जैसे-जैसे मौसम नजदीक आएगा, पुनर्वितरण से जुड़ी समस्याओं से निपटने के लिए एक चौबीस घंटे संचालित होने वाला आपातकालीन प्रकोष्ठ स्थापित किया जाएगा।''

घरेलू उत्पादन का लक्ष्य तय

इसके अलावा 17 लाख टन का आयात भी किया गया। यह आयात बंदरगाह और विदेश मंत्रालयों के समन्वित प्रयासों से संभव हो पाया। विभाग ने मई महीने के लिए 22 लाख टन यूरिया, 4 लाख टन डीएपी और 8 लाख टन एनपीके के घरेलू उत्पादन का लक्ष्य रखा है।

19 लाख टन एनपीके उर्वरकों के आयात के लिए निविदा जारी

उर्वरकों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए 19 लाख टन एनपीके उर्वरकों के आयात हेतु एक अलग वैश्विक निविदा भी जारी किया गया है। कृषि विभाग ने खरीफ 2026 सत्र के लिए उर्वरकों की आवश्यकता 390.54 लाख टन रहने का अनुमान जताया है। इसके मुकाबले, राज्यों ने पहले ही 195.71 लाख टन उर्वरक का स्टॉक जमा कर लिया है। यह कुल आवश्यकता का लगभग 50 प्रतिशत है।

चुनावी नतीजों से शेयर बाजार में तेजी लौटी सेंसेक्स 356 अंक चढ़ा

मुंबई

- कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 997.25 अंक उछल गया था
- प्रमुख कंपनियों में निवेशकों की खरीदारी से बाजार में आई तेजी

प्रमुख कंपनियों में लिवाली आने और पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजे बाजार की उम्मीदों के अनुरूप रहने से सोमवार को घरेलू शेयर बाजार चढ़कर बंद हुए। सेंसेक्स में 356 अंक की मजबूती रही जबकि निफ्टी 122 अंक चढ़ा।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 355.90 अंक यानी 0.46 प्रतिशत बढ़कर 77,269.40 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 997.25 अंक उछलकर 77,910.75 अंक तक पहुंच गया था। इसी तरह, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 121.75 अंक यानी 0.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,119.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से अदाणी पोर्ट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टुब्रो, इटर्नल और मारुति सुजुकी के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ, भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और आईटीसी के शेयर नुकसान में रहे।

बाजार में आगे तेजी की संभावना

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख (संपत्ति प्रबंधन) सिद्धार्थ खेमका ने कहा, /"बाजार में आगे भी बढ़त का रुख बने रहने की उम्मीद है। यह कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, मजबूत घरेलू आंकड़े और पांच राज्यों के चुनाव परिणामों के बाद राजनीतिक स्पष्टता पर आधारित रहेगा।

आरबीआई की चेतावनी, कर्ज माफी वाले भ्रामक दावे से रहें सावधान

मुंबई

- कुछ व्यक्तियों और संस्थानों द्वारा यह अभियान चलाया जा रहा
- आरबीआई ने दिसंबर 2023 में भी इसी तरह की चेतावनी जारी की थी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को कर्ज माफी का झांसा देने वाले अनधिकृत और भ्रामक अभियानों से जनता को सावधान रहने को कहा। साथ ही ऐसे व्यक्तियों या संस्थाओं से दूर रहने की सलाह दी।

केंद्रीय बैंक ने कहा, /"आरबीआई ने विभिन्न माध्यमों और प्रत्यक्ष संपर्क के जरिए कुछ व्यक्तियों और संस्थाओं द्वारा चलाए जा रहे ऐसे अभियानों के लगातार सामने आने पर गंभीर चिंता व्यक्त की है।/" आरबीआई ने दिसंबर 2023 में जारी अपनी इसी तरह की चेतावनी को भी दोहराया। केंद्रीय बैंक ने कहा कि ऐसे अभियान न केवल आम लोगों को गुमराह करते हैं, बल्कि देश की ऋण प्रणाली के सुचारु संचालन में भी बाधा डालते हैं। इन अभियानों में बैंकों या गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के बकाया ऋण माफ करने के झूठे वादे, कर्ज माफी प्रमाणपत्र जैसे दस्तावेज जारी करने का दावा और सेवा या कानूनी शुल्क के नाम पर लोगों से पैसे वसूलना शामिल है।

आरबीआई ने कहा, /"यह दोहराया जाता है कि ऐसी सेवाएं देने का दावा करने वाले व्यक्तियों या संस्थाओं के सभी दावे झूठे और भ्रामक हैं तथा उनके खिलाफ लागू कानूनों के तहत उचित कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।/"

सूचना तुरंत कानून प्रवर्तन एजेंसियों को दें

केंद्रीय बैंक ने कहा, /"इसलिए आम जनता से अनुरोध है कि वे ऐसे व्यक्तियों या संस्थाओं से किसी भी प्रकार का संबंध न रखें और उनकी सेवाएं न लें। अपने ऋण से जुड़ी किसी भी जानकारी के लिए सीधे अपने वित्तीय संस्थानों से संपर्क करें। आरबीआई ने लोगों को सलाह दी है कि इस तरह के किसी भी भ्रामक अभियान की सूचना तुरंत संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियों को दें।

विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि में अप्रैल में मामूली सुधार

नई दिल्ली। देश के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों में नए कारोबार की शुरुआत और उत्पादन में वृद्धि के मामले में अप्रैल में मामूली सुधार देखने को मिला, लेकिन वृद्धि दर लगभग चार वर्ष में दूसरे सबसे कमजोर स्तर से बढ़ी। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) मार्च के 53.9 के मुकाबले अप्रैल में 54.7 पर रहा। यह करीब चार साल में समग्र परिचालन परिस्थितियों में दूसरे सबसे धीमे सुधार को दर्शाता है।

यह सूचकांक नए ऑर्डर, उत्पादन, रोजगार, आपूर्तिकर्ताओं की आपूर्ति के समय और खरीद भंडार जैसे मानकों के आधार पर समग्र स्थिति को दर्शाता है। पीएमआई की भाषा में सूचकांक का 50 से ऊपर होने का मतलब विस्तार है जबकि 50 से नीचे होना संकुचन को दर्शाता है। पीएमआई के दो सबसे बड़े घटक नए ऑर्डर और उत्पादन मार्च की तुलना में बढ़े, लेकिन पिछले साढ़े तीन साल के स्तर से पीछे रहे।

रुपया पहुंचा अब तक के सबसे निचले स्तर पर

मुंबई

- रुपया 39 पैसे टूटकर 95.23 प्रति डॉलर पर
- पश्चिम एशिया तनाव से वैश्विक बाजार में अस्थिरता

रुपया सोमवार को 39 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 95.23 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच वैश्विक बाजारों में अस्थिरता, तेल की कीमतों में उछाल और मुद्रास्फीति और आर्थिक नरमी की आशंकाएं बढ़ने से घरेलू मुद्रा दबाव में है।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ब्रेंट तेल की कीमत 110 डॉलर के आसपास बनी हुई है जिससे भारत जैसी तेल आयात करने वाली अर्थव्यवस्थाएं दबाव में हैं। इसके अलावा, वैश्विक अनिश्चितताओं में वृद्धि के बीच विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी जैसे कारकों ने निवेशकों के विश्वास को और भी कमजोर किया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.95 पर खुला। कारोबार के दौरान इसमें गिरावट जारी रही और अंत में 95.23 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा जो पिछले बंद भाव से 39 पैसे की गिरावट है।

डॉलर की निरंतर मांग से रुपए पर दबाव : परमार ने कहा, ''डॉलर की निरंतर मांग से अल्पावधि में रुपये पर दबाव बने रहने के आसार हैं जिससे डॉलर के मुकाबले रुपया 95.35 से 95.70 के स्तर के बीच रह सकता है।'' इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.26 पर रहा।

बीएचईएल का लाभ ढाई गुना बढ़कर 1,290 करोड़...

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) का 2025-26 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ ढाई गुना से अधिक होकर 1,290.47 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में मुनाफा 504.45 करोड़ रुपये रहा था। बीएचईएल ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कुल आय बढ़कर 12,553.50 करोड़ रुपये हो गई जो 2024-25 की इसी तिमाही में 9,142.64 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन तिमाही में बिजली क्षेत्र से राजस्व 9,509.85 करोड़ रुपये रहा जो जनवरी-मार्च 2025 में 6,192.41 करोड़ रुपये था। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध मुनाफा बढ़कर 1,600.26 करोड़ रुपये रहा।

सरकार का अभी तेल कंपनियों को राहत देने का प्रस्ताव नहीं

नई दिल्ली

- पेट्रोल, डीजल और एटीएफ के खुदरा बिक्री से हो रहा नुकसान
- कंपनियों को वित्तीय समर्थन देने का कोई प्रस्ताव नहीं

पेट्रोल, डीजल और विमानन ईंधन (एटीएफ) की खुदरा बिक्री पर सार्वजनिक तेल विपणन कंपनियों को हो रहे नुकसान की भरपाई के लिए वित्तीय समर्थन देने का सरकार के पास फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है। सोमवार को एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा, /"तेल विपणन कंपनियों को उनके नुकसान के लिए समर्थन देने का कोई भी प्रस्ताव सरकार के समक्ष नहीं है।/"

सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) पिछले दो महीनों से पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बावजूद पेट्रोल-डीजल के खुदरा दाम नहीं बढ़ा रही हैं। कच्चे तेल की लागत बढ़ने और खुदरा दाम में स्थिरता की वजह से इन पेट्रोलियम कंपनियों को प्रति लीटर 25-28 रुपये तक का 'अंडर-रिकवरी' (लागत से कम कीमत पर बिक्री) झेलना पड़ रहा है। इसके अलावा, कंपनियों को दो दशक से अधिक समय में पहली बार एटीएफ पर भी घाटा उठाना पड़ रहा है। इसकी वजह यह है कि घरेलू एयरलाइंस के लिए एटीएफ की कीमतों में समुचित बढ़ोतरी नहीं की गई है। पिछले महीने घरेलू एटीएफ कीमतों में 25 प्रतिशत वृद्धि की गई थी, जबकि अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस के लिए मई में इसका दाम 5.33 प्रतिशत बढ़ाकर 1,511.86 डॉलर प्रति किलोलीटर कर दिया गया। घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत सात मार्च को 60 रुपये बढ़ाई गई थी, लेकिन यह लागत में हुई बढ़ोतरी की पूरी भरपाई नहीं कर पा रहा है।

औद्योगिक उपयोग वाले डीजल व एलपीजी के दाम बढ़ाए गए

औद्योगिक उपयोग वाले डीजल और वाणिज्यिक एलपीजी के दाम बढ़ाए गए हैं जो कुल खपत का केवल 10 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, /"उपभोक्तों को संरक्षण देने के लिए हरसंभव प्रयास किया गया है। कीमतों में बदलाव का फैसला करते समय उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखा गया है।/"शर्मा ने कहा कि तेल विपणन कंपनियों की तरफ से कदम महंगाई पर काबू पाने की मंशा से उठाए गए हैं।

अमेरिका-ईरान तनाव के कारण भारत की अर्थव्यवस्था गड़बड़ा गई है

भारत विदेशों से अपना सोना वापस ला रहा, वित्तीय बाजारों में हलचल

नई दिल्ली

यूएस और ईरान के बीच बढ़ते तनाव का असर दुनियाभर में देखने को मिल रहा है। इसी वजह से भारत की अर्थव्यवस्था भी गड़बड़ा रही है। तनाव की स्थिति इस कदर बिगड़ रही है कि अब भारत अपनी आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए तेज हो गया है। इसके लिए विदेशों में रखा भारत का सोना वापस लाया जा रहा है।

- अपनी आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करने विदेशों में रखा सोना वापस ला रहा भारत

एक रिपोर्ट के मुताबिक केवल भारत ही नहीं बल्कि दुनियाभर को ये डर है, कि अन्य देशों में रखा उनका सोना सुरक्षित है या नहीं। ऐसे में सभी अन्य देश इसकी जुगत में लगे हैं।

वैश्विक जोखिम से बचने का तरीका

फिलहाल के हालातों को देखते हुए वैश्विक जोखिम से खुद को बचाने के लिए भारत तेजी से ये कदम उठा रहा है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सिर्फ छह महीने में ही 104.23 टन सोना देश वापस लाया गया है। बता दें कि मार्च 2023 तक हमारा केवल 37 प्रतिशत सोना ही देश में था। ये तेजी बताती है कि भारत अब किसी भी तरह के बाहरी जोखिम को हल्के में नहीं ले रहा है।

चांदी 6,800 रुपए उछली, सोना 2,000 रुपए टूटा

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोमवार को चांदी की कीमत 6,800 रुपये चढ़कर 2.49 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रही। विदेशी बाजारों में कीमतों पर दबाव के बावजूद आभूषण विक्रेताओं और स्टॉकिस्टों की तरफ से मजबूत खरीदारी के कारण घरेलू बाजार में भाव में तेजी रही। हालांकि, अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 2,000 रुपये, यानी 1.3 प्रतिशत टूटकर 1,52,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रहा।

हालांकि भारत के सोने का एक बड़ा हिस्सा विदेशों के बैंकों, खासकर ब्रिटेन जैसे देशों में सुरक्षित रहता है। लेकिन मौजूदा हालातों के चलते लगाए गए प्रतिबंध और युद्ध जैसी परिस्थितियों को देखते हुए सरकार और आरबीआई अब सोने को अपने देश में ही सुरक्षित रखने की तैयारी में है।

क्या कहते हैं आरबीआई के ताजा आंकड़े

आरबीआई की अक्टूबर 2025 से मार्च 2026 की रिपोर्ट के ताजा आंकड़ों के मुताबिक भारत के पास इस वक्त कुल 880.52 मीट्रिक टन सोना है। इसका लगभग 77 प्रतिशत हिस्सा यानी करीब 680 टन अब देश में ही सुरक्षित रखा गया है। वहीं 197.67 टन सोना बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (बीआईएस) के पास है, जबकि 2.8 टन जमा के रूप में है।

आईपीएल: मुंबई का सबसे बड़ा रन चेज

रोहित-रिकेल्टन के तूफान में उड़े सुपर जाइंट्स, इंडियन्स छह विकेट से जीता

मुंबई

सलामी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और रेयान रिकेल्टन के अर्धशतक और दोनों के बीच शतकीय साझेदारी से मुंबई इंडियन्स ने इंडियन प्रीमियर लीग की तालिका की सबसे निचले पायदान की दो टीम के बीच हुए मुकाबले में सोमवार को यहां लखनऊ सुपर जाइंट्स को छह विकेट से हराकर नॉकआउट में जगह बनाने की अपनी मामूली उम्मीदों को जीवंत रखा। इस जीत से मुंबई के 10 मैच में तीन जीत से छह अंक हो गए हैं और टीम नौवें स्थान पर बनी हुई है। सुपर जाइंट्स की टीम लगातार छठी हार के बाद नौ मैच में चार अंक के साथ 10वें और अंतिम पायदान पर है। सुपर जाइंट्स के 229 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियन्स ने चोट के बाद वापसी कर रहे रोहित (84 रन, 44 गेंद, छह चौके, सात छक्के) और रिकेल्टन (83 रन, 32 गेंद, छह चौके, आठ छक्के) के बीच पहले विकेट की 143 रन की तूफानी साझेदारी की बदौलत आठ गेंद शेष रहते चार विकेट पर 229 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। निकोलस पूरन (63 रन, 21 गेंद, आठ छक्के, एक चौका) ने अर्धशतक जड़ने के अलावा सलामी बल्लेबाज मिचेल (44 रन, 25 गेंद, चार चौके, तीन छक्के) के साथ दूसरे विकेट के लिए 94 रन जोड़े जिससे सुपर जाइंट्स ने पांच विकेट पर 228 रन बनाए।

लखनऊ-228/5 (20)

खिलाड़ी	रन
मिचेल का नमन बो बॉश	44
जोश का सूर्यकुमार बो गजनफर	13
निकोलस का रिकेल्टन बो बॉश	63
ऋषभ पंत का रिकेल्टन बो जैक्स	15
एडेन मारक्रम नाबाद	31
अक्षत रघुवंशी का एवं बो रघु	11
हिम्मत सिंह नाबाद	40

अतिरिक्त: 11
कुल: 20 ओवर में पांच विकेट पर: 228 रन
विकेट पतन: 1-29, 1-123, 3-125, 4-148, 5-160
गेंदबाजी: चाहर 4-0-43-0, बुमराह 4-0-45-0, गजनफर 4-0-50-1, जैक्स 2-0-34-1, बॉश 2-0-20-2, रघु 4-0-36-1

मुंबई-229/4 (18.4)

खिलाड़ी	रन
रेयान का इंग्लिस बो मोहसिन	83
रोहित शर्मा का शमी बो सिद्धार्थ	84
तिलक का मारक्रम को सिद्धार्थ	11
सूर्यकुमार का पूरन बो शमी	12
नमन धीर नाबाद	23
विल जैक्स नाबाद	10

अतिरिक्त: 06
कुल:18.4 ओवर में चार विकेट पर: 229 रन
विकेट पतन: 1-143, 2-177, 3-189, 4-213
गेंदबाजी: शमी 4-0-53-1, मोहसिन 4-0-47-1, प्रिंस 3-0-24-0, आवेश 3.4-056-0, सिद्धार्थ 4-0-47-2

घर में जीत की राह तलाशेगी कैपिटल्स

■ आज शाम 7 .30 बजे से अक्षर और रुतुराज की टीमों के बीच अहम मुकाबला

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स को अपने घरेलू मैदान पर लगातार तीन हार झेलने के सिलसिले को खत्म करने के लिए मंगलवार को आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ होने वाले मैच में खेल के तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। दिल्ली और चेन्नई दोनों टीम के 9 मैचों में आठ-आठ अंक हैं। अब जबकि उनके 5 मैच बचे हुए हैं तब छोटी सी गलती भी भारी पड़ सकती है। दिल्ली कैपिटल्स ने लगातार तीन हार के बाद शुक्रवार को जयपुर में खेले गए मैच में महत्वपूर्ण जीत हासिल की। उसने इससे पहले जो तीन मैच गंवाए थे उनमें से दो हार उसे घरेलू मैदान पर मिलीं थी। कोटला में पंजाब किंग्स के खिलाफ उसकी टीम 264 रन के स्कोर का बचाव नहीं कर पाई थी जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ उसके बल्लेबाज नहीं चल पाए थे। इससे पहले दिल्ली को कोटला में गुजरात टाइटंस से भी एक रन से हार का सामना करना पड़ा था।

इंटर मिलान ने 21वीं बार जीता इटालियन लीग का खिताब

इंटर मिलान ने परमा को 2-0 से हराया

मिलान

इंटर मिलान ने परमा को 2-0 से हराकर तीन दौर के मैच शेष रहते ही इटालियन लीग फुटबॉल टूर्नामेंट सीरी ए का खिताब अपने नाम कर लिया। इंटर मिलान को ट्रॉफी हासिल करने के लिए केवल एक ड्रॉ की जरूरत थी। उसने परमा पर जीत से 2025 के चैंपियन और दूसरे स्थान पर काबिज नेपोली पर 12 अंकों की अजेय बढ़त बना ली है। यह इंटर मिलान का 21वां सीरी ए खिताब है। वह सर्वाधिक खिताब जीतने के मामले में युवेंटस (36) के बाद दूसरे स्थान पर है। इंटर मिलान की तरफ से पहला गोल पहले हाफ में मार्कस थुरम ने किया जबकि 37 वर्षीय हेनरिक मखितार्यान ने 80वें मिनट दूसरा गोल दागा। इस सत्र में दो ट्रॉफियां जीतने की दौड़ में शामिल इंटर मिलान 10 दिनों में इटालियन कप के फाइनल में लाजियो का सामना करेगा।

स्पेनिश लीग : रियाल मैड्रिड ने एस्पेनयोल को हराया, बार्सिलोना का बढ़ा इंतजार

मैड्रिड। विनीसियस जूनियर (55वें और 66वें मिनट) ने दूसरे हाफ में दो गोल किए, जिससे रियाल मैड्रिड ने एस्पेनयोल को 2-0 से हराकर बार्सिलोना का लगातार दूसरी बार स्पेनिश लीग फुटबॉल टूर्नामेंट ला लिगा का खिताब जीतने का इंतजार बढ़ा दिया। बार्सिलोना ने ओसासुना को 2-1 से हराकर रियाल मैड्रिड पर 14 अंकों की बढ़त बना ली थी। रियाल मैड्रिड अगर एस्पेनयोल से नहीं जीत पाता तो बार्सिलोना 29वां लीग खिताब अपने नाम कर देता। बार्सिलोना और रियाल मैड्रिड के बीच अब 11 अंक का अंतर रह गया है। अब जबकि इस प्रतियोगिता में चार दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं तब बार्सिलोना 34 मैच में 88 अंक के साथ शीर्ष पर बना हुआ है जबकि रियाल मैड्रिड के इतने ही मैच में 77 अंक हैं। इन दोनों टीमों के बीच अब इस सप्ताह के आखिर में मैच खेला जाएगा जिसमें जीत दर्ज करने पर बार्सिलोना चैंपियन बन जाएगा।

खबर संक्षेप

पेशावर ने जीता पीएसएल का खिताब

लाहौर। आरोन हार्डी के ऑलराउंड प्रदर्शन के दम पर पेशावर जाल्मी ने हैदराबाद किंग्समेन को फाइनल में 5 विकेट से हराकर 2017 के बाद पहली बार पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब जीता। हार्डी ने 27 रन देकर चार विकेट लिए, जिससे पेशावर ने हैदराबाद को 18 ओवर में केवल 129 रन पर आउट कर दिया। पेशावर की तरफ से साइम अयूब (54) ने जुझारु अर्धशतक बनाया। इसके बाद हार्डी ने 39 गेंदों पर 56 रन की नाबाद पारी खेली, जिससे पेशावर ने गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में 15.2 ओवर में 5 विकेट पर 130 रन बनाकर जीत दर्ज की।

सामूहिक प्रयास से जीत हासिल कर रही टाइटन्स: होल्डर

अहमदाबाद। जेसन होल्डर का मानना है कि गुजरात टाइटन्स ने अभी तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया है लेकिन इसके बावजूद वह मैच जीत रहा है और इंडियन प्रीमियर लीग के प्लेऑफ में जगह बनाने की दौड़ में बना हुआ है। होल्डर ने इस बात पर खुशी व्यक्त की कि टीम व्यक्तिगत प्रदर्शन के बजाय सामूहिक प्रयास से जीत हासिल कर रही है। होल्डर ने कहा, 'हम जिस तरह से खेल रहे हैं उसकी खूबसूरती यह है कि हम किसी भी मैच में केवल एक खिलाड़ी के प्रदर्शन पर निर्भर नहीं हैं और अलग-अलग दिनों में अलग-अलग खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।'

डब्ल्यूटीए 1000 खिताब

मार्टा ने हासिल की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग सबालेंका के बराबर पर पहुंची

मैड्रिड

मार्टा कोस्त्युक ने कॅरियर की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए पहला डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीत लिया। क्ले कोर्ट पर शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने ताजा डब्ल्यूटीए रैंकिंग में करियर की सर्वश्रेष्ठ 15वीं रैंकिंग भी हासिल की। कोस्त्युक ने पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक सेट गंवाया। इससे पहले वह 2026 सीजन में ब्रिस्बेन के फाइनल तक भी पहुंची थीं। मैड्रिड में मिली यह जीत उनके करियर का तीसरा खिताब और लगातार दूसरा खिताब है, जो साल की शुरुआत में चोट से प्रभावित अभियान के बाद उनकी शानदार वापसी को दर्शाता है। खास बात यह है कि इस सीजन वह टॉप-10 खिलाड़ियों के खिलाफ पांच जीत दर्ज कर चुकी हैं। इस मामले में वह एरिना सबालेंका की बराबरी पर हैं और सिर्फ एलेना रायबाकिना से पीछे हैं।

एंड्रीवा को रैंकिंग में फायदा

टीन सेंसेशन मीरा एंड्रीवा को भी रैंकिंग में काफी फायदा हुआ। मैड्रिड में उपविजेता रहने के बाद वह वर्ल्ड नंबर 7 पर पहुंच गईं। यह उनका तीसरा डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल और क्ले कोर्ट पर पहला फाइनल था। वहीं, इगा स्वियातेक बीमारी के कारण टूर्नामेंट से जल्दी बाहर होने के बावजूद टॉप 3 में वापस जगह बनाने में कामयाब रहीं।

अंजलि ने 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण जीता

नई दिल्ली। राजस्थान की अंजलि शेखावत ने सोमवार को यहां 24वीं कुमार सुरेंद्र सिंह स्मृति निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। अंजलि क्वालीफिकेशन में 576 अंक के साथ चौथे स्थान पर रही थी। उन्होंने फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए 240.5 के स्कोर से शीर्ष स्थान हासिल किया। हरियाणा की कनक बुधवार ने 238.7 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता जबकि पंजाब की अगम रंजीत कौर ग्रेवाल ने 216 के स्कोर से कांस्य पदक हासिल किया। क्वालीफिकेशन दौर में तेलंगाना की ओलंपियन ईशा सिंह 582 अंक के साथ शीर्ष पर रहीं थी। हालांकि ईशा सिंह और मध्य प्रदेश की महिमा तुर्ही अग्रवाल ने फाइनल में हिस्सा नहीं लिया। तुर्ही ने 575 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहते हुए क्वालीफाई किया था।

एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप

जापान की कड़ी चुनौती के लिए तैयार भारत

सुझोऊ

भारत को मंगलवार को एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप 2026 फुटबॉल टूर्नामेंट में जापान की मजबूत टीम के रूप में कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। भारत अपनी शुरुआती हार से उबरकर टूर्नामेंट में वापसी की उम्मीद कर रहा है। भारतीय टीम ग्रुप बी के अपने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया से 0-2 से हार गई थी। अब वे ऐसी स्थिति में हैं, जहां हर गोल मायने रखेगा, विशेषकर तब जब जापान ने लेबनान को 13-0 से हराकर तीन अंक हासिल कर लिए हैं। महिला फुटबॉल की तकनीकी रूप से सबसे बेहतरीन टीम में से एक जापान इस

मुकाबले में अपना शानदार इतिहास लेकर उतर रहा है। उसने एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप के 9 टूर्नामेंट में सात बार फाइनल में जगह बनाई है और चार बार खिताब जीता है। इस एशियाई दिग्गज टीम ने 2014 में फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप का खिताब जीतकर वैश्विक स्तर पर भी अपना दबदबा साबित किया था।

लेडीज क्लासिक में नीचे खिसकी भारतीय तिकड़ी

दीक्षा, त्वेसा और हिताशी का निराशाजनक प्रदर्शन

सपोर्ट लुईस

दीक्षा डागर, त्वेसा मलिक और हिताशी बख्शी की भारतीय तिकड़ी को 2026 एमसीबी लेडीज क्लासिक मॉरीशस गोल्फ के अंतिम दौर में खराब प्रदर्शन के कारण तालिका में नीचे खिसकना पड़ा।

शुरुआती दो दौर में 68-69 के स्कोर के साथ अच्छी स्थिति में रही दीक्षा तीसरे दौर में 74 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त 21वें स्थान पर रहीं। दीक्षा ने नौवें होल पर सिर्फ एक बर्डी लगाई और पहले, दसवें तथा पंद्रहवें होल पर बोगी कर बैठीं। त्वेसा 70-71 के स्कोर के बाद 73 का कार्ड खेलकर संयुक्त 38वें स्थान पर रहीं।

लय गंवा बैठीं हिताशी

हिताशी ने पहले दो दिनों में 71-69 के स्कोर के साथ अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन तीसरे दिन लय गंवा बैठीं। वह 76 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त 58वें स्थान पर खिसक गईं। डेनमार्क की स्मिला टार्निंग सोंडरबी ने अंतिम होल पर बर्डी लगाकर लेडीज यूरोपियन टूर (एलईटी) पर अपना दूसरा खिताब जीता।

24 मई से पेरिस में शुरू होगी स्पर्धा

फ्रेंच ओपन पुरस्कार राशि : जोकोविच, सिनर और एरीना नाखुश

पेरिस

नोवाक जोकोविच, यानिक सिनर, एरीना सबालेंका और कोको गॉफ सहित कई प्रमुख खिलाड़ियों ने फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि को लेकर 'अपनी गहरी निराशा' व्यक्त की है। यह क्ले कोर्ट ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता इस महीने के आखिर में पेरिस में शुरू होगी। खिलाड़ियों का कहना है कि उनकी कुछ अन्य मांगें भी हैं, जिन पर आयोजकों ने ध्यान नहीं दिया है। इनमें बेहतर प्रतिनिधित्व, स्वास्थ्य और पेंशन शामिल हैं।

खिलाड़ियों की यह मांग तब आई जब फ्रेंच ओपन के आयोजकों ने पिछले महीने घोषणा की थी कि रोलां गैरां पर खेले जाने वाले टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि में लगभग 10 प्रतिशत बढ़ोतरी की गई है, जिससे कुल पुरस्कार राशि 61.7 मिलियन यूरो (72.1 मिलियन अमेरिकी डॉलर) हो गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 5.3 मिलियन यूरो अधिक है।

पुरस्कार राशि में केवल 5.4 प्रतिशत वृद्धि

खिलाड़ियों ने कहा, 'असली आंकड़े बिल्कुल अलग कहानी बयां करते हैं। टूर्नामेंट के आयोजकों के अनुसार फ्रेंच ओपन ने 2025 में 395 मिलियन यूरो का राजस्व प्राप्त किया, जो उससे पिछले वर्ष की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक था। इसके बावजूद पुरस्कार राशि में केवल 5.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस तरह से खिलाड़ियों का राजस्व में हिस्सा घटकर 14.3 प्रतिशत रह गया है।'

चैंपियन को मिलेंगे 28 लाख यूरो

शीर्ष खिलाड़ियों ने कहा, 'फ्रेंच ओपन टूर्नामेंट के राजस्व में खिलाड़ियों की हिस्सेदारी 2024 में 15.5 प्रतिशत से घट गई है और 2026 में इसके 14.9 प्रतिशत रहने की संभावना है।' फ्रेंच ओपन 24 मई से शुरू होगा। पुरुष और महिला एकल चैंपियन को 28 लाख यूरो और उपविजेता खिलाड़ियों को 14 लाख यूरो मिलेंगे। सेमीफाइनल में पहुंचने वालों को सात लाख 50 हजार यूरो जबकि पहले दौर में हारने वाले खिलाड़ियों को 87000 यूरो मिलेंगे। पुरुष और महिला युगल विजेताओं को 6 लाख यूरो और मिश्रित युगल चैंपियन को 1 लाख 22 हजार यूरो मिलेंगे।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
पंजाब	9	6	2	13
बेंगलुरु	9	6	3	12
हैदराबाद	10	6	4	12
राजस्थान	10	6	4	12
गुजरात	10	6	4	12
चेन्नई	9	4	5	8
दिल्ली	9	4	5	8
कोलकाता	9	3	5	7
मुंबई	10	3	7	6
लखनऊ	9	2	7	4

ऑरेंज कैप

अभिषेक शर्मा
440 रन
हैदराबाद

पर्पल कैप

भुवनेश्वर कुमार
17 विकेट
बेंगलुरु

आरसीबी को झटका, इंग्लैंड लौटे ओपनर सॉल्ट

नई दिल्ली

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट पिछले महीने उंगली में लगी चोट का स्कैन कराने के लिए इंग्लैंड लौट गए हैं। इस चोट के कारण साल्ट आरसीबी के पिछले तीन मैचों में नहीं खेल पाए थे।

उनकी जगह उनके हमवतन जैकब बेथेल ने विराट कोहली के साथ पारी का आगाज किया। यह 29 वर्षीय खिलाड़ी 18 अप्रैल को चिन्नास्वामी स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के दौरान डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर बाउंड्री बचाने के लिए डाइव लगाते समय चोटिल हो गया था। उनकी बाएं हाथ की उंगली में चोट लग गई थी।

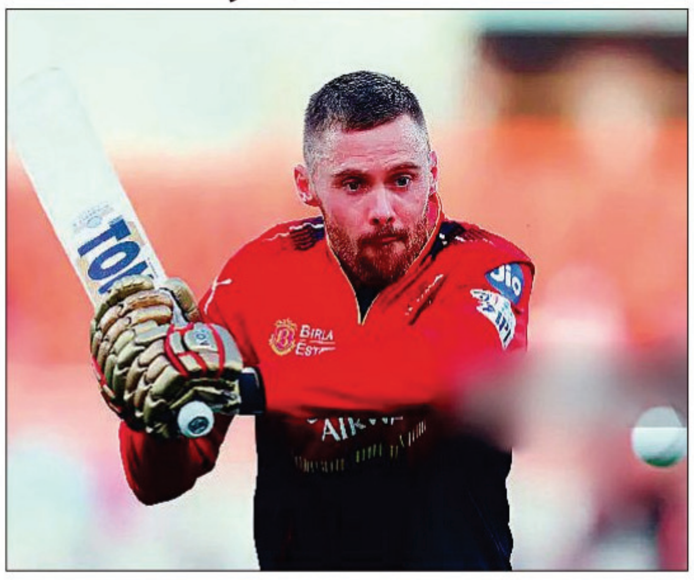

किया गया उंगली का स्कैन

रिपोर्ट के अनुसार, 'ईसीबी (इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड) से अनुबंधित साल्ट इंग्लैंड के टीम प्रबंधन के अनुरोध पर स्वदेश लौट गए हैं और उनकी उंगली का स्कैन किया गया है।' रिपोर्ट के अनुसार आरसीबी और साल्ट दोनों को उम्मीद है कि वह जल्द फिट हो जाएंगे और वह इस महीने बाद में भारत लौट सकते हैं। साल्ट ने मौजूदा आईपीएल में छह पारियों में 168.33 के स्ट्राइक रेट से 202 रन बनाए थे। आरसीबी फिलहाल पंजाब किंग्स के बाद अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है। उसका अगला मुकाबला गुरुवार को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) से होगा।

निगार सुल्ताना ने जमीन पर पटका बल्ला, आईसीसी ने लिया बड़ा एक्शन

दुबई। बांग्लादेश की कप्तान निगार सुल्ताना जोटी को सिलहट में श्रीलंका के खिलाफ तीसरे महिला टी20 मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने के लिए आधिकारिक तौर पर फटकार लगाई गई है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बताया कि बांग्लादेश की कप्तान ने अनुच्छेद 2.2 का उल्लंघन किया है, जो 'किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट के सामान या कपड़ों, मैदान के सामान या फिक्स्चर और फिटिंग का गलत इस्तेमाल' करने से संबंधित है।

श्रीलंका ने सीरीज अपने नाम की

मैच की बात करें तो श्रीलंका ने बारिश से प्रभावित तीसरे टी20 मैच में बांग्लादेश को तीन रनों से हराकर 3-0 से सीरीज अपने नाम कर ली। श्रीलंका की कप्तान चमारी अथापथु ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए टीम को जीत दिलाई। उन्होंने सबसे ज्यादा 41 रन बनाए और फिर गेंदबाजी में 2/15 का प्रदर्शन किया।

तमिलनाडु में 'सीटी क्रांति': फिल्म अभिनेता एस.वी. शेखर ने विजय की जीत को बताया ऐतिहासिक

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में बड़ा उलटफेर हुआ है. तमिलगा वेट्री कजगम ने 108 सीटों पर जीत हासिल की है. पार्टी के नेता विजय ने चेन्नई पेराम्बूर और त्रिची ईस्ट से चुनाव लड़ा था, उन्होंने दोनों ही सीटों पर बड़ी जीत दर्ज की है. इसी तरह, पार्टी के कई अन्य प्रमुख चेहरे- जैसे जनरल सेक्रेटरी 'बुस्सी' आनंद, सेंगोट्टइयन और आधव अर्जुन भी विजयी हुए हैं. तमिलनाडु की राजनीति में इस बदलाव को लेकर एक्टर और पूर्व विधायक एस.वी. शेखर ने 'इंटीवी भारत तमिलनाडु' के प्रतिनिधि से खास बातचीत की. उन्होंने कहा- ये नतीजे चौंकाने वाले कम और एक सुखद आश्चर्य ज्यादा हैं. ऐसा आरोप है कि इस चुनाव में भी वोट पाने के लिए पूरे राज्य में 2,500 करोड़ बांटे गए. फिर भी, इस चलन से ऊपर उठकर- बिना पैसे बांटे, घर-घर जाकर पारंपरिक प्रचार किए, वाकई एक बड़ी 'सीटी क्रांति' हुई है, जैसा कि विजय ने भविष्यवाणी की थी. उन्होंने आगे कहा- अगर यह सिलसिला जारी रहता है, तो यह देखना वाकई उत्साहजनक है कि देश में ऐसा माहौल बन रहा है जहां नागरिक बिना किसी लालच के लोकतांत्रिक तरीके से अपना वोट डाल रहे हैं. टीवीके की ओर से 108 उम्मीदवार विधानसभा में प्रवेश करने जा रहे हैं. मैं उन्हें हार्दिक बधाई देता हूं. मेरा यह भी मानना है कि किसी को इस सोच के साथ विधानसभा नहीं जाना चाहिए कि यह केवल व्यक्तिगत आर्थिक लाभ कमाने की जगह है. एस.वी. शेखर ने कहा, इस चुनाव में मेरे प्रिय मित्र एम.के. स्टालिन को कोलाथुर निर्वाचन क्षेत्र में हार का सामना करना पड़ा है. उनके साथ यह स्थिति तब हुई है, जब उन्होंने इस क्षेत्र के लोगों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं लागू की थीं. इस हार से उबरते हुए, वे कल शाम करीब 7:00 बजे पार्टी मुख्यालय पहुंचे.

क्या मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए केवल एक फिल्मी चेहरा ही काफी है? इसके जवाब में उन्होंने कहा कि इसका विश्लेषण करने पर पता चलता है कि जहां आंध्र प्रदेश में एन.टी.आर. के लिए यह जादू चला, वहीं चिरंजीवी के मामले में ऐसा नहीं हो सका. लेकिन वही सफलता अब विजय ने हासिल कर ली है. यह वाकई एक ऐसा विकास है जिसे आश्चर्य के साथ देखा जाना चाहिए. अगर विजय इस स्थिति को परिपक्वता के साथ संभालते हैं और जनता के कल्याण के लिए काम करते हैं, तो वे निस्संदेह सभी की प्रशंसा के पात्र बनेंगे.

यूएस का चीन पर टेरर फंडिंग का बड़ा आरोप, ईरान को पैसा देना बंद करने की चेतावनी

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने ईरान के साथ ऊर्जा संबंध बनाए रखने के लिए चीन पर आतंकवाद के सबसे बड़े प्रायोजक देश को वित्त पोषण करने का आरोप लगाया है और जोर देकर कहा है कि बीजिंग को होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए वाशिंगटन के पहलों का समर्थन करना चाहिए। वित्त मंत्री की बीजिंग-तेहरान संबंधों पर यह तीखी आलोचना अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात के लिए बीजिंग यात्रा से कुछ ही दिन पहले आई है। बेसेंट ने तर्क दिया कि चीन का भारी मात्रा में ऊर्जा आयात सीधे तौर पर ईरानी शासन को मजबूत कर रहा है। बेसेंट ने सोमवार को समाचार चैनल से कहा, ईरान आतंकवाद का सबसे बड़ा प्रायोजक देश है, और चीन उनकी 90 प्रतिशत ऊर्जा खरीद रहा है, इसलिए, वे आतंकवाद के सबसे बड़े प्रायोजक देश को वित्त पोषण कर रहे हैं।

बढ़ती बयानबाजी के बावजूद, अमेरिकी अधिकारी ने बीजिंग से अपना रुख बदलने और रणनीतिक जलमार्गों को सुरक्षित करने के लिए वाशिंगटन के नेतृत्व वाले अभियान में भाग लेने का आग्रह किया, जो वर्तमान में ईरान द्वारा अवरुद्ध है। क्षेत्रीय अशांति पर प्रकाश डालते हुए बेसेंट ने कहा कि ईरान के हमलों ने जलडमरूमध्य को बंद कर दिया है। हम इसे फिर से खोल रहे हैं। इसलिए, मैं चीन से आग्रह करूंगा कि वह इस अंतरराष्ट्रीय अभियान में हमारा साथ दे। राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा हाल ही में घोषित प्रोजेक्ट फ्रीडम के बाद यह आह्वान किया गया है, जिसका उद्देश्य जलमार्ग में फंसे जहाजों को मार्गदर्शन देना है। ट्रंप ने पहले ही तेहरान को इस मिशन में किसी भी प्रकार की बाधा डालने के प्रयास के खिलाफ चेतावनी दी है।

'भाजपा में शामिल होने के बाद आप की पंजाब सरकार हमलोगों को कर रही परेशान', राघव चड्ढा ने लगाए आरोप

एजेंसी

नयी दिल्ली। राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार पर प्रतिशोध की राजनीति करने और हाल में पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले राज्यसभा सदस्यों को निशाना बनाने के लिए सरकारी तंत्र का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया. चड्ढा ने तीन अन्य सांसदों के साथ मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की और एक ज्ञापन प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने आप छोड़ने के बाद उनके खिलाफ उत्पीड़न और राजनीतिक रूप से प्रेरित कार्रवाई का आरोप लगाया. राज्यसभा सदस्य राजिंदर गुप्ता और अशोक मित्तल भी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे.

चड्ढा ने बैठक के बाद यहां पत्रकारों से कहा, आम आदमी पार्टी से असहमति जताने का अपना संवैधानिक अधिकार प्रयोग करने वाले सभी सांसदों, जिन्होंने पार्टी छोड़ने का फैसला किया, उनके संबंध में तथा इन सभी घटनाओं व घटनाक्रमों को आज राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत किया गया है. मैं आम आदमी पार्टी को यह भी बताना चाहता हूं कि जब तक हम आज्ञाकारी रहे, हमें संस्कारी माना गया. जैसे ही हमने पार्टी छोड़ी, हमें भ्रष्ट करार दे दिया गया. उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए कई पूर्व आप सांसदों को राज्य एजेंसियों द्वारा धमकाया और दबाव डाला जा रहा है. उन्होंने कहा, आम आदमी पार्टी, जो दूसरों पर बदले की राजनीति का आरोप लगाती रही है, आज खुद खतरनाक प्रतिशोध की राजनीति में लिप्त है. 24 अप्रैल को जब हम आप छोड़कर भाजपा में शामिल हुए तब से हमारे सांसदों को सुनियोजित तरीके से निशाना बनाया जा रहा है और उन्हें परेशान किया जा रहा है. चड्ढा ने कुछ विशेष उदाहरण देते हुए दावा किया कि पूर्व क्रिकेटर और सांसद हरभजन सिंह पर हमला किया गया है, जबकि उद्योगपति एवं सांसद राजेंद्र गुप्ता के व्यावसायिक कार्यों में कथित तौर पर बाधा डाली गई है.

उन्होंने कहा, हमने 24 अप्रैल, 2026 को आम आदमी पार्टी छोड़ दी और भाजपा में शामिल हो गए. तब से हमारे सांसदों को परेशान किया जा रहा है. सबसे पहले, विश्व कप विजेता क्रिकेटर हरभजन सिंह के घर के बाहर ह्यगद्दारह्न लिखा गया. पंजाब पुलिस की मदद से उनके आवास पर कथित तौर पर पत्थर फेंके गए और उनके परिवार को निशाना बनाकर अपमानजनक नारे लगाए गए. उन्होंने कहा, हमारे साथी राजेंद्र गुप्ता, जो पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित हैं और पंजाब के मालवा क्षेत्र में एक बड़ी फैक्टरी चलाते हैं जिससे लगभग 30,000 लोगों को आजीविका मिलती है, उनकी फैक्टरी को निशाना बनाया गया. पंजाब सरकार ने कथित तौर पर उनकी पानी की आपूर्ति काट दी और प्रदूषण बोर्ड ने फैक्टरी को बंद करने की कार्रवाई शुरू करने के लिए छापे मारे.

उन्होंने दावा किया कि सांसद संदीप पाठक के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं, जिन्हें उन्होंने दुर्भावनापूर्ण और मनगढ़ंत बताया. चड्ढा ने कहा, ये प्राथमिकी और नोटिस इतने बेबुनियाद हैं कि कागज पर लिखने के भी लायक नहीं हैं. न्यायपालिका इन्हें खारिज कर देगी. उन्होंने आप के नेतृत्व वाली सरकार को चेतावनी दी कि ऐसे कार्यों के गंभीर परिणाम हो सकते हैं. उन्होंने कहा, राजनीतिक प्रतिशोध के लिए सतर्कता विभाग, प्रदूषण बोर्ड और पुलिस का इस्तेमाल करना एक खतरनाक खेल है। आपने भले ही इसकी शुरूआत की हो, लेकिन इसका अंत अच्छा नहीं होगा. इसे रोकना होगा. उन्होंने कहा, आप की एक राज्य में सरकार है और वहां की पुलिस पर उसका नियंत्रण है. भाजपा की 21 राज्यों में सरकार है और उन राज्यों की पुलिस पर उसका नियंत्रण है. चड्ढा ने यह भी आरोप लगाया कि मनगढ़ंत मामलो के जरिए उन्हें निशाना बनाने की कोशिश की जा रही है और दावा किया कि उन्हें बदनाम करने के लिए सोशल मीडिया अभियान चलाए जा रहे हैं।

यूपी में कहर बरपा रहा मौसम : 23 की मौत, तेज आंधी-बिजली का खतरा बरकरार, 60 जिलों में अलर्ट

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मौसम ने अचानक खतरनाक रूप ले लिया है। पिछले 48 घंटों से जारी आंधी, तेज बारिश और आकाशीय बिजली ने पूरे प्रदेश में तबाही मचा दी है। अलग-अलग जिलों में हुए हादसों में अब तक 23 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि कई लोग घायल हैं। हालात इतने बिगड़ गए हैं कि भारतीय मौसम विभाग (क्टऊ) को 60 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी करना पड़ा है। प्रशासन ने लोगों से घरों में रहने की अपील की है, क्योंकि आने वाले 24झ्र48 घंटे और ज्यादा खतरनाक साबित हो सकते हैं। प्रदेशभर में आए इस भीषण तूफान और बिजली गिरने (वज्रपात) की घटनाओं ने कई परिवारों को उजाड़ दिया है। सबसे ज्यादा असर बुंदेलखंड और कानपुर मंडल के जिलों में देखा गया है: उन्नाव में आकाशीय बिजली और घर गिरने की घटनाओं में यहाँ सबसे अधिक 7 लोगों की मौत हुई है। कन्नौज में यहाँ अलग-अलग हादसों में 6 लोगों ने अपनी जान गंवाई है। वहीं, अन्य जिले में बांदा, कानपुर शहर, इटावा और मैनपुरी में भी कई मौतों की खबर है।

ज्यादातर मौतें पेड़ गिरने, बिजली की चपेट में आने और कच्चे मकानों की दीवारें ढहने के कारण हुई हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन हादसों पर गहरा शोक व्यक्त किया है और प्रभावित परिवारों को तत्काल आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। बेमौसम हुई इस बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की कमर तोड़ दी है। कानपुर देहात, जालौन और हमीरपुर जैसे जिलों में बड़े-बड़े ओले गिरने से मूंग और सब्जियों की खड़ी फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है। कई इलाकों में 50 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली आंधी के कारण बिजली के पोल और सैकड़ों पेड़ गिर गए हैं, जिससे ग्रामीण इलाकों में विद्युत आपूर्ति ठप हो गई है। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण मौसम का यह मिजाज फिलहाल शुक्रवार तक जारी रह सकता है। विभाग ने आज के लिए 60 जिलों में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया है।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की बंपर जीत के बाद कई हिस्सों में हिंसा की खबरें, टीएमसी बीजेपी पर भड़की

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भाजपा की बंपर जीत के बाद पश्चिम बंगाल के कई हिस्सों में हिंसा की खबरें सुनने को मिल रही है. हिंसा करने का आरोप भाजपा कार्यकताओं पर लगा है. आरोप है कि भाजपा सदस्यों ने टीएमसी के कार्यालयों में तोड़फोड़ की, आगजनी की, संपत्ति को नुकसान पहुंचाया. आज मंगलवार सुबह रोतिबाती पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत जमुड़िया विधानसभा क्षेत्र में तनाव फैल गया है. पीटीआई ने पुलिस के हवाले से कहा है कि सोमवार को दोपहर होते होते टॉलीगंज, बहरामपुर, हावड़ा, बारुईपुर, कमरहाटी, बारानगर सहित कसबा में टीएमसी के कार्यालयों में भीड़ ने तोड़फोड़ की. टीएमसी ने इन घटनाओं की निंदा करते हुए सोशल मीडिया पोस्ट में आरोप लगाया कि भाजपा सत्ता में आते ही अपना असली रंग दिखा रही है. कहा कि उनके(भाजपा) गुंडों ने मुर्शिदाबाद में टीएमसी कार्यालय पर हमला किया. तोड़-फोड़ की. लिखा कि यह भाजपा की गटर वाली राजनीति में गिरने की शुरूआत है. टॉलीगंज के विजयगढ़-नेताजीनगर इलाके में टीएमसी उम्मीदवार और पूर्व मंत्री अरूप बिस्वास के चुनाव कार्यालय में तोड़फोड़ की खबर है. टीएमसी पार्षद सुशांत घोष के कार्यालय में भीड़ ने जमकर हंगामा मचाया.

टीएमसी ने आरोप लगाया कि भाजपा ने मानिकतला वार्ड के अध्यक्ष का सिर फोड़ दिया. वो कैंसर के मरीज हैं. टीएमसी के आसनसोल कार्यालय में भी तोड़फोड़ की खबर है. टीएमसी ने कहा, सत्ता के अहंकार में लोकतंत्र को कुचलने का भाजपा का गंदा खेल शुरू हो चुका है. कहा कि जीत के साथ ही भाजपा ब्रिगेड अपना असली रंग दिखाने लगी है. रिपोर्ट के अनुसार आसनसोल भाजपा समर्थकों ने तृणमूल कांग्रेस के कार्यालय में तोड़फोड़ की और आग लगा दी. हिंसा की खबरों के बीच कोलकाता पुलिस ने सोशल मीडिया पोस्ट में बयान जारी कर कहा है कि चुनाव नतीजों के बाद सोशल मीडिया पर कई गुमराह करने वाली पोस्ट फैलाई जा रही हैं. दूसरी जगहों के वीडियो और तस्वीरें गलत तरीके से कोलकाता से जोड़ा जा रहा है.

ममता ने भाजपा और चुनाव आयोग पर हमला बोला, कहा, हम हारे नहीं हैं, हराये गये हैं, इस्तीफा नहीं दूंगी

एजेंसी

कोलकाता। टीएमसी चीफ ममता बनर्जी ने आज प्रेस कॉफ्रेंस कर भाजपा और चुनाव आयोग पर हमला बोला. टीएमसी की हार को लेकर कहा कि हम हारे नहीं हैं, हमें हराया गया है. ममता बनर्जी ने कहा कि मेरा इस्तीफा देने का सवाल ही नहीं. हम चुनाव नहीं हारे है. यह पूछे जाने पर कि क्या वह राजभवन जायेंगी. इस पर ममता ने कहा, लोकभवन जाकर इस्तीफा नहीं दूंगी. ममता ने कहा कि यह कहते हुए दुख हो रहा है कि लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों को लूटने और ईवीएम को लूटने के लिए चुनाव आयोग ने इस चुनाव में खलनायक का रोल अदा किया. सवाल किया कि क्या कोई मुझे बता सकता है कि मतदान के बाद ईवीएम में 80-90फीसदी चार्ज होता है? यह कैसे संभव है? आरोप लगाया कि चुनाव से दो दिन पूर्व उन लोगों ने हमारे(टीएमसी) लोगों को गिरफ्तार करना शुरू कर दिया. हर जगह छापेमारी शुरू कर दी. आयोग ने सभी आईपीएस और आईएएस अधिकारियों का तबादला कर दिया. आरोप लगाया कि उन्होंने अपनी पार्टी (भाजपा) के लोगों को चुना. भाजपा ने सीधे चुनाव आयोग के साथ खेल खेला.कहा कि यह भाजपा और चुनाव के बीच का दांव है. ममता ने कहा, हमने सभी मशीनरी के खिलाफ लड़ाई लड़ी. कहा कि इसमें प्रधानमंत्री और गृहमंत्री भी शामिल हैं, ममता ने कहा कि एसआईआर के नाम पर 90 लाख नाम हटा दिये. साथ ही 32 लाख नाम शामिल किये गये.मैंने अपने जीवन में इस तरह का चुनाव कभी नहीं देखा. ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि धांधली कर हमें चुनाव हराया गया है. हम इस पर एक्शन लेंगे. ममता ने कहा कि हमने 10 सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग समिति बनाई है. कहा कि जिन जगहों पर हमारे पार्टी कार्यालयों पर कब्जा किया गया है, हमारी टीम उन सभी जगहों पर जायेगी. ममता ने आरोप लगाया किअभिषेक बनर्जी के ऑफिस में भी तोड़फोड़ की गयी है. भाजपा ने यह जीत चोरी की है.

ममता बनर्जी का सीएम पद से इस्तीफा देने से इनकार, भाजपा ने जनादेश का खुलेआम अनादर करार दिया

टीएमसी चीफ ममता बनर्जी द्वारा सीएम पद से इस्तीफा नहीं देने की घोषणा किये जाने पर भाजपा ने ममता को निशाने पर लिया है. भाजपा ने कहा कि आजाद भारत के इतिहास में यह पहली बार है किसी मुख्यमंत्री ने चुनाव हारने के बाद इस्तीफा देने से इनकार किया है. भाजपा ने इसे संविधान का उल्लंघन करार दिया है. ममता बनर्जी के बयान के बाद पश्चिम बंगाल की राजनीति में हलचल बढ़ गयी है.राज्य में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गयी है. भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, आजाद भारत के इतिहास में पहली बार किसी हारे हुए मुख्यमंत्री ने इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है. गौरव भाटिया ने कहा कि सत्ता से चिपक कर ममता बनर्जी अराजकतावादी बन रही हैं।

चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर एक यात्री के पावर बैंक में आग लगने के बाद इंडिगो की फ्लाइट को खाली कराया गया

चंडीगढ़। चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर एक यात्री के पावर बैंक में आग लगने के बाद आपातकालीन निकासी अभियान चलाया गया। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना हैदराबाद से चंडीगढ़ जा रही इंडिगो की फ्लाइट में हुई। इंडिगो एयरलाइंस ने प्रेस को दिए एक बयान में पुष्टि की 5 मई 2026 को, हैदराबाद से चंडीगढ़ जाने वाली इंडिगो की उड़ान 6ए 108 लैंडिंग के बाद स्थिर थी, तभी एक यात्री के व्यक्तिगत इलेक्ट्रॉनिक उपकरण में आग लगने की घटना की सूचना मिली। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, तत्काल निकासी की गई और सभी संबंधित अधिकारियों को तुरंत सूचित किया गया। सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से टर्मिनल तक पहुँचा दिया गया है और उनकी देखभाल के लिए टीम तैनात है। परिचालन फिर से शुरू करने से पहले विमान की आवश्यक जाँच की जाएगी। इंडिगो ने आगे कहा हमारे यात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सहयात्रियों द्वारा साझा किए गए दृश्यों के आधार पर, विमान में सवार यात्रियों को रनवे पर विमान से बाहर निकलते हुए देखा गया। यात्रियों ने आगे बताया कि आग लगने के कारण विमान का केबिन धुएं से भर गया था। लगभग पांच यात्रियों के घायल होने की आशंका है और उन्हें अस्पताल ले जाया गया है।

यूएई के फुजैरा में ईरान का हमला, तीन भारतीय घायल, पीएम मोदी ने कहा, ऐसी हिमाकत बर्दाश्त नहीं की जायेगी

एजेंसी

नयी दिल्ली। पश्चिम एशिया में फिर एक बार शांति में खलल पड़ा है. ईरान ने यूएई के फुजैरा में हमला कर नया हंगामा खड़ा कर दिया है. बता दें कि यूएई के फुजैरा में हुए ईरानी हमलों में तीन भारतीय नागरिक घायल हो गये हैं. भारत ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के फुजैरा में हुए अटैक की निंदा की है. अहम खबर यह है कि पीएम मोदी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि यूएई पर हमला कर हमें कुरेदने की हिमाकत बर्दाश्त नहीं की जायेगी. पीएम ने कहा किआम लोगों को निशाना बनाया जाना हमें किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है. इससे पूर्व भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि ईरानी हमला भारत को स्वीकार नहीं है. विदेश मंत्रालय ने कहा कि इसका हल संवाद और कूटनीति के जरिए निकाला जाना चाहिए. पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, मैं यूएई पर हुए हमलों की कड़ी निंदा करता हूं, जिसमें तीन भारतीय नागरिक घायल हुए हैं. भारत को आम लोगों और इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाना मंजूर नहीं है. भारत यूएई के साथ मजबूती से खड़ा है. पीएम ने कहा, भारत बातचीत और डिप्लोमेसी के जरिए सभी मुद्दों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए अपना समर्थन दोहराता है. होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित और बिना रुकावट के नेविगेशन पक्का करना क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और ग्लोबल एनर्जी सिक्योरिटी को बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी है. यूएई में भारतीय दूतावास ने कहा, फुजैराह में हुए हमलों में तीन भारतीय नागरिक घायल हुए हैं. हम प्रभावित भारतीय नागरिकों की मेडिकल देखभाल और भलाई पक्का करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में हैं. यूएई के विदेश मंत्रालय ने मिसाइलों और ड्रोन का इस्तेमाल कर ईरान के हमले की निंदा की.

संक्षिप्त खबर

कर्म योगी का युवाओं को तोहफा: 75 जिलों में होगी 'सीएम फेलो' की भर्ती, हर महीने मिलेंगे 50 हजार और लैपटॉप!

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को 'वन ट्रिलियन डॉलर' अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बड़ा क्रांतिकारी कदम उठाया है। प्रदेश के सभी 75 जिलों में विकास कार्यों की रियल-टाइम मॉनिटरिंग और डेटा आधारित रणनीति बनाने के लिए अब 'ओटीडी सीएम फेलो' की तैनाती की जाएगी। कैबिनेट बैठक में लिए गए इस निर्णय के तहत चयनित युवाओं को न केवल सरकार के साथ काम करने का मौका मिलेगा, बल्कि उन्हें हर महीने 50,000 रुपये मानदेय भी दिया जाएगा। सरकार की योजना के मुताबिक, प्रदेश के प्रत्येक जिले में दो विशेषज्ञों की नियुक्ति की जाएगी। इसमें एक 'इकोनॉमिक डेवलपमेंट फेलो' और दूसरा 'डेटा एनालिस्ट फेलो' होगा। ये दोनों फेलो जिलाधिकारी के सीधे नेतृत्व में काम करेंगे। इनका मुख्य काम सिर्फ आंकड़े जुटाना नहीं होगा, बल्कि कृषि, उद्योग, निवेश, पर्यटन और रोजगार जैसे क्षेत्रों में विकास की रणनीति तैयार करना और 'जिला घरेलू उत्पाद' की नियमित समीक्षा करना होगा। अब तक सरकारी योजनाओं की प्रगति अक्सर कागजी रिपोर्टों पर निर्भर रहती थी, जिससे डेटा मिलने में देरी होती थी। लेकिन सीएम फेलो की तैनाती के बाद डिजिटल डैशबोर्ड आधारित मॉनिटरिंग शुरू होगी। इससे हर जिले के किस सेक्टर में सुधार की जरूरत है, इसकी ऑनलाइन ट्रैकिंग हो सकेगी। डेटा आधारित निर्णयों से न केवल पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होगी।

पश्चिम बंगाल, असम में भाजपा की जीत को राहुल गांधी ने जनादेश की चोरी, चुनावी चोरी, संस्थागत चोरी करार दिया

नयी दिल्ली। लोकसभा में नेता विपक्ष कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनाव में भाजपा की बंपर जीत को जनादेश की चोरी करार दिया है. इस क्रम में राहुल गांधी ने बंगाल की सत्ता से बाहर हो गयी टीएमसी का भी समर्थन किया. राहुल गांधी ने आज मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, कांग्रेस में कुछ लोग टीएमसी की हार पर खुशी मना रहे हैं. राहुल गांधी ने उन कांग्रेस से कहा, आप स्पष्ट रूप से समझें कि असम और प बंगाल के जनादेश की चोरी भारतीय लोकतंत्र को नष्ट करने के अपने मिशन में भाजपा द्वारा एक बड़ा कदम है. उन्होंने लिखा, छोटी-मोटी राजनीति को किनारे रख दें, यह किसी एक पार्टी या दूसरी पार्टी के बारे में नहीं है. यह भारत के बारे में है. राजनीतिक गलियारों में राहुल गांधी का यह बयान भाजपा की बड़ी जीत पर तल्ख राजनीतिक प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा रहा है. राहुल ने इसे केवल चुनावी हार-जीत से बड़ा मुद्दा करार दिया है. एक अन्य पोस्ट मे लिखा, असम और बंगाल चुनाव आयोग के समर्थन से भाजपा द्वारा चुनाव जीतने के स्पष्ट मामले हैं. हम ममता जी से सहमत हैं. बंगाल में 100 से ज्यादा सीटें चोरी हो गयी. लिखा कि हमने यह प्लेबुक पहले भी देखी है. राहुल ने मध्य प्रदेश, हरयाणा, महाराष्ट्र का उदाहरण देते हुए लिखा, चुनावी चोरी, संस्थागत चोरी - अब दूसरा विकल्प क्या है? बता दें कि कल सोमवार को दोनों राज्यो में घोषित किये गये परिणामों में भाजपा ने बंगाल में टीएमसी को और असम में भारी अंतर से हराया. असम में लगातार तीसरी बार भाजपा ने जीत का परचम लहराया है.

दिलीप घोष ममता बनर्जी पर हुए हमलावर, बोले-15 साल में कोई काम नहीं किया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में एक तरफ जहां भाजपा ने बंपर जीत हासिल की है. वहीं दूसरी तरफ ममता को करारी हार मिली है. चुनावी नतीजों के बाद सियासी माहौल गरमा गया है और राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है. खड़गपुर से जीत हासिल करने वाले भाजपा नेता दिलीप घोष ने ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला है. उन्होंने कहा कि कि बंगाल की जनता ने ममता को 15 साल तक शासन करने का मौका दिया, लेकिन उन्होंने अपेक्षित काम नहीं किया. उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी ने जो भी जिम्मेदारी दी, उसे उन्होंने पूरी मेहनत से निभाया और जनता का आशीर्वाद उन्हें मिला है. भारी बहुमत से मिली जीत के बाद लोगों की उम्मीदें भी काफी बढ़ गई हैं. वहीं भाबानीपुर और नंदीग्राम से विजयी भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि उन्होंने करीब 10 हजार वोटों से जीत दर्ज की है. उनके अनुसार, नंदीग्राम के हिंदू मतदाताओं ने उन्हें समर्थन दिया. जबकि मुस्लिम वोट तृणमूल कांग्रेस को मिले. उन्होंने दावा किया कि वे क्षेत्र के हिंदुओं के लिए काम करेंगे और टीएमसी के खत्म होने की बात भी कही. वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चुनावी नतीजें आने के बाद पश्चिम बंगाल की जनता को बधाई दी है. उन्होंने कहा कि यह परिणाम भय, घुसपैठ और तुष्टीकरण की राजनीति के खिलाफ जनता का स्पष्ट संदेश है. इस नतीजे से उन राजनीतिक दलों को सबक मिलेगा जो भय, घुसपैठ और तुष्टीकरण की राजनीति करते हैं.

ओमान से आकर एनआरआई ने की वोटिंग, एक वोट से जीता टीवीके उम्मीदवार, मंत्री को हराया

चेन्नई: तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के नतीजे चौंकाने वाले रहे. विजय की पार्टी टीवीके की आंधी में जहां सत्तारूढ़ डीएमके की हवा निकल गई, वहीं डीएमके उम्मीदवार और मंत्री केआर पेरियाकरुप्पन सिर्फ एक वोट से तिरुप्पत्तूर सीट से चुनाव हार गए. टीवीके उम्मीदवार सीनिवास सेतुपति आर. ने शिवगंगा जिले की इस सीट से जीत दर्ज की. इससे भी दिलचस्प बात यह है कि ओमान में काम करने वाले एनआरआई मणिकंदन शिवनाथम वोट करने के लिए तमिलनाडु आए और इस सीट पर मतदान किया. तिरुप्पत्तूर में ळश्ङ की जीत के बाद मणिकंदन ने अपनी खुशी का इजहार किया कि उनका एक वोट कितना महत्वपूर्ण साबित हुआ. उन्होंने एक्स पर लिखा कि उन्होंने खास तौर पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हिस्सा लेने के लिए 3,000 किमी से ज्यादा का सफर किया. टीवीके ने सिर्फ एक वोट से तिरुप्पत्तूर सीट जीती. मुझे गर्व है कि मैंने थलपति को वोट देने के लिए मस्कट (ओमान की राजधानी) से भारत तक का सफर किया. अपनी जीत पर सीनिवास सेतुपति ने कहा, मेरी सफलता सिर्फ और सिर्फ विजय की वजह से है. यह दिखाता है कि हर एक वोट कितना जरूरी है. बता दें, सोमवार को मतगणना के आखिरी राउंड में, डीएमके उम्मीदवार पेरियाकरुप्पन तिरुप्पत्तूर विधानसभा सीट से टीवीके उम्मीदवार से 30 वोटों से आगे थे.

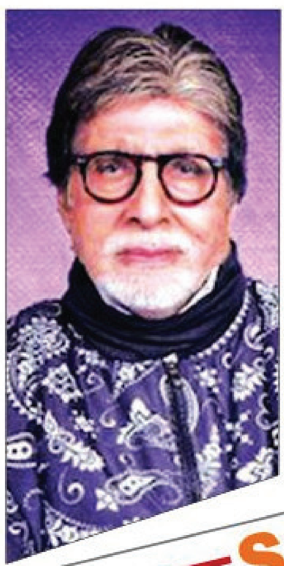

अमिताभ के साथ हुआ तगड़ा 'खेला' ..!

मुंबई। अमिताभ बच्चन का 'संडे दर्शन' एक बार फिर चर्चा में है, लेकिन इस बार वजह खुद महानायक नहीं, बल्कि उनके पड़ोसी बन गए हैं। हर हफ्ते की तरह अमिताभ बच्चन अपने घर के बाहर फैंस का अभिवादन कर रहे थे, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जमा थे। इसी दौरान कैमरा अचानक उनके घर के पीछे की छत पर खड़े एक पड़ोसी की ओर चला गया। वह शख्स चुपचाप पूरे पल को देख रहा था, लेकिन जैसे ही कैमरा उनकी तरफ गया, उनका रिएक्शन देखने लायक था। हल्की झिझक, चेहरे पर मुस्कान और हाथ जोड़कर उन्होंने इशारा किया कि उन्हें रिकॉर्ड न किया जाए।

लाइफ Style

तृषा
बनना चाहती थीं क्रिमिनल साइकोलॉजिस्ट

फिल्म इंडस्ट्री में हर किसी के लिए अपनी पहचान बना पाना उतना आसान नहीं है, फिर चाहे वो हीरो हो या हीरोइन। आज हम आपको ऐसी ही एक्ट्रेस के बारे में बताने वाले हैं, जिन्होंने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से इंडस्ट्री में अपनी मजबूत पहचान बनाई है।

आज ये हीरोइन भारत की हाईएस्ट पेड एक्ट्रेस हैं। हम जिस एक्ट्रेस की बात कर रहे हैं, वो कोई और नहीं बल्कि साउथ एक्ट्रेस तृषा कृष्णन हैं, जो इस समय सुपरस्टार विजय थलापति के साथ अफेयर की खबरों को लेकर पिछले कुछ समय से सुर्खियों में छाई हुई हैं। तृषा ने चेन्नई में ही बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की पढ़ाई की। तृषा ने बताया था कि वो क्रिमिनल साइकोलॉजिस्ट बनना चाहती हैं। कॉलेज के दिनों ही उन्होंने मॉडलिंग में कदम रख दिया। इसके बाद तृषा ने साल 1999 में मिस मद्रास का खिताब जीता। इसके बाद से तृषा को फिल्मों के ऑफर आने लगे। तृषा ने अपने एक्टिंग की शुरुआत साल 1999 में आई तमिल फिल्म 'जोड़ी' में सपोर्टिंग रोल से की थी। साल 2000 में आए फाल्गुनी पाठक के हिट सॉन्ग 'चुनरी उड़ उड़ जाए' में तृषा को आशिया टाकिया के साथ कास्ट किया गया, जिसमें उनके काम की तारीफ हर किसी ने की। 2002 में आई फिल्म 'मौनम पेसियाधे' में तृषा बतौर लीड एक्ट्रेस कास्ट हुईं, जिसके बाद उन्होंने कभी पीछे नहीं देखा। तृषा कृष्णन ने तमिल और तेलुगु सिनेमा में कई सुपरहिट फिल्में देने के साथ ही बॉलीवुड में भी एक हिट फिल्म दी है।

हॉलीवुड मसाला

स्क्रीन पर देखकर नहीं होंगे बोर

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड अभिनेत्री जेंडाया की 2026 में कई बड़ी फिल्में और सीरीज रिलीज होने जा रही है। जेंडाया ने कहा, मुझे उम्मीद है कि फैंस मुझे बार-बार स्क्रीन पर देखकर बोर नहीं होंगे। मैं सच में फैंस की आभारी हूं, जो मेरे फिल्मों और मेरे करियर को सपोर्ट करते हैं। मैं अपने हर प्रोजेक्ट के लिए दर्शकों के प्यार और समर्थन की शुक्रगुजार हूं। उन्होंने कहा, इस साल दर्शक मुझे काफी ज्यादा देखने वाले हैं, क्योंकि मेरी कई फिल्में और शोज एक के एक रिलीज होने वाले हैं।

लिसा कुड्रो के शो ने रचा था इतिहास...

लॉस एंजिल्स। 'फ्रेंड्स' साल 1994 में शुरू हुआ, तो उसने इतिहास रच दिया। हॉलीवुड स्टार लिसा कुड्रो ने बताया कि उस समय में वह दो अलग-अलग शो में नजर आ रही थीं और दोनों में उनके किरदार अलग थे। इससे दर्शकों के बीच भ्रम की स्थिति न बने, इसके लिए मेकर्स ने एक दिलचस्प तरीका निकाला था। 'मैड अबाउट यू' के उनके किरदार उर्सुला बफे को 'फ्रेंड्स' में फीबी की जुड़वां बहन के रूप में दिखाया गया। यह बदलाव दर्शकों को भी पसंद आया। इस तरह वह उर्सुला का किरदार भी निभा सकें और फीबी का भी। लिसा ने कहा, मैं किसी भी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहती थी। मुझे लगता था कि अगर 'फ्रेंड्स' कुछ एपिसोड के बाद बंद हो गया, तो मेरे पास 'मैड अबाउट यू' जैसा विकल्प होना चाहिए।

प्रियंका इस बार नहीं जा रहीं मेट गाला

मुंबई। हर साल 'मेट गाला' इवेंट में अपने स्टाइल से लाइमलाइट चुराने वाली प्रियंका चोपड़ा 2026 में होने वाले इस फेमस इवेंट के रेड कार्पेट पर नजर नहीं आएंगी। लेकिन सूत्रों के हवाले से एक खबर सामने आई है कि प्रियंका इस साल मेट गाला में शामिल नहीं हो पाएंगी क्योंकि एक्ट्रेस इस समय 'सिटाडेल' के अपकमिंग सीजन के प्रमोशन के लिए तैयारियां कर रही हैं। प्रियंका की ये नई सीरीज 6 मई को एक एक्सटेनसि ग्लोबल प्रेस टूर के बीच में रिलीज होगी। इसके तुरंत बाद वह गोल्ड हाउस गाला के लिए लॉस एंजिल्स का टूर करेंगी, जहां उन्हें लगातार दूसरे बार ग्लोबल वैंगार्ड अवॉर्ड से नवाजा किया जाएगा। इन खबरों के बीच मेट गाला ने प्रियंका चोपड़ा से जुड़ी कुछ खास यादों और फोटोज को सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

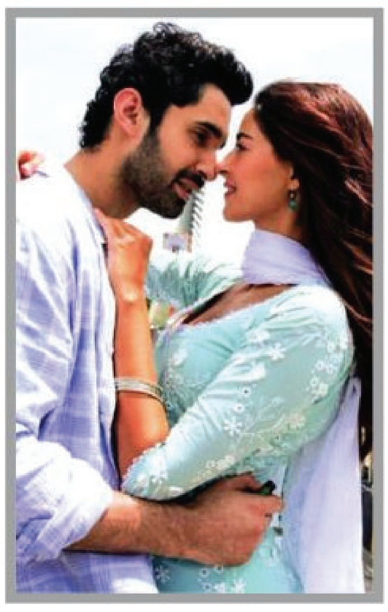

'चांद मेरा दिल'... गाने का टीजर रिलीज

मुंबई। फिल्म चांद मेरा दिल के बहुप्रतीक्षित तीसरे ट्रैक 'खासियत' का टीजर रिलीज कर दिया गया है। इससे पहले 'चांद मेरा दिल' टाइटल ट्रैक और 'ऐतबार' को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। गाने 'खासियत' को सचिन जिगर ने संगीत दिया है, जबकि इसके बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं। इस रोमांटिक ट्रैक को राघव चैतन्य और जोनिता गांधी ने अपनी आवाज दी है। मेकर्स के अनुसार पूरा गाना जल्द ही रिलीज किया जाएगा। फिल्म में अनन्या पांडे और लक्ष्य की जोड़ी पहली बार साथ नजर आएगी। टीजर में दोनों की केमिस्ट्री काफी इमोशनल और इंटेंस दिखाई दे रही है, जो फिल्म की लव स्टोरी को खास बनाती है। चांद मेरा दिल 22 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिलहाल 'खासियत' के टीजर ने फिल्म के लिए शानदार माहौल तैयार कर दिया है।

टीवी मसाला

नागिन 7 के एपिसोड में हुआ टीवी के इतिहास का सबसे बड़ा ब्लंडर...

मुंबई। टीवी की दुनिया में इन दिनों 'नागिन 7' को लेकर जबरदस्त चर्चा छिड़ी हुई है, लेकिन इस बार वजह शो की कहानी नहीं बल्कि एक बड़ी तकनीकी गलती बन गई हैं। हाल ही में रिलीज हुए एपिसोड में ऐसा ब्लंडर देखने को मिला, जिसने दर्शकों को हैरान कर दिया। दरअसल, शो के एक सीन में मेकर्स ब्लू स्क्रीन हटाना ही भूल गए। ये सीन तब का है, जब अनंता अपने दुश्मनों से भिड़ती नजर आती है। आमतौर पर ऐसे सीन्स में वीएफएक्स का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन इस बार एडिटिंग में बड़ी चूक हो गई, और बैकग्राउंड में ब्लू स्क्रीन साफ दिखाई दे गई। भले ही ये गलती कुछ सेकंड की थी, लेकिन सोशल मीडिया पर लोगों ने तुरंत इसे पकड़ लिया। इस गलती के सामने आते ही दर्शकों ने मेकर्स को ट्रोल करना शुरू कर दिया। कई यूजर्स ने कहा कि शो को जल्द खत्म करने की जल्दबाजी में क्वालिटी से समझौता किया जा रहा है। वहीं कुछ लोगों ने शो के वीएफएक्स पर भी सवाल खड़े किए और इसे पहले से ही कमजोर बताया। शो की प्रोड्यूसर एकता कपूर पहले भी कई बार अपने कंटेंट और वीएफएक्स को लेकर आलोचनाओं का सामना कर चुकी हैं, लेकिन इस बार की गलती ने मामला और बढ़ा दिया। खास बात ये है, कि ये गड़बड़ी जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम हुए एपिसोड में नजर आई, जबकि टीवी पर टेलीकास्ट के दौरान इसे ठीक कर दिया गया था।

श्रुति करेंगी फिल्म पेड्डी में स्पेशल डांस नंबर

मुंबई। पेड्डी को लेकर और बड़ा अपडेट सामने आया है। सिनेमा की बज गर्ल श्रुति हासन फिल्म में एक हाई-एनर्जी स्पेशल डांस नंबर में नजर आने वाली हैं, जिसकी शूटिंग इस वक्त चल रही है। इससे पहले उन्हें एक और बड़े प्रोजेक्ट वाराणसी के लिए भी अप्रोच किया गया था। इससे साफ है कि भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी आने वाली फिल्मों में उनकी डिमांड और मौजूदगी लगातार बढ़ रही है। पेड्डी का म्यूजिक एल्बम तेजी से बड़ा चर्चा का विषय बनता जा रहा है, जहां हर नया गाना फिल्म की बढ़ती लोकप्रियता में और इजाफा कर रहा है। पहला सिंगल चिकिरी चिकिरी अपनी कैची एनर्जी और एआर रहमान के शानदार म्यूजिक के चलते अलग नजर आया और जल्दी ही फैंस का फेवरेट बन गया। यह गाना सभी प्लेटफॉर्म्स पर 200 मिलियन से ज्यादा व्यूज पार कर चुका है, जो इसके लिए ब्लॉकबस्टर शुरुआत मानी जा रही है। इस सफलता के बाद दूसरा गाना राई राई रा रा रिलीज हुआ, जिसने बिल्कुल अलग अंदाज पेश किया। इसके इलेक्ट्रिफाइंग बीट्स और शानदार कोरियोग्राफी को लोगों ने खूब पसंद किया।

शुरू की कान्स फिल्म फेस्टिवल की तैयारी

मुंबई। इस साल का 79वां कान्स फिल्म फेस्टिवल 12 से 23 मई तक फ्रांस में आयोजित किया जाएगा। इस इवेंट के लिए जैकलीन फर्नांडिस ने अभी से अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं, जिसमें रेड कार्पेट लुक्स, फैशन फिटिंग्स और आउटफिट सेलेक्शन शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक, जैकलीन इस बार अपने रेड कार्पेट अपीयरेंस को लेकर बेहद सतर्क हैं। वह अलग-अलग डिजाइनर्स के साथ मिलकर अपने लुक्स फाइनल कर रही हैं ताकि इंटरनेशनल स्टेज पर उनकी मौजूदगी और भी प्रभावशाली बन सके। पिछले कुछ वर्षों में जैकलीन का कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 से मजबूत जुड़ाव रहा है। 2025 में उन्हें 'वीमेन इन सिनेमा' पहल के तहत सम्मानित भी किया गया था, जिससे उनकी ग्लोबल पहचान और मजबूत हुई। अब एक बार फिर कान्स के लिए उनकी तैयारी शुरू होने के साथ, सभी की नजरें जैकलीन पर।

दुल्हन बनने वाली हैं हुमा

मुंबई। एक्ट्रेस हुमा कुरैशी इन दिनों अपनी शादी की खबरों को लेकर खूब सुर्खियों में बनी हुई हैं। फिल्मी गलियारों में ये चर्चा तेजी से हो रही है कि 40 साल की हुमा अब जल्द ही दुल्हन बनने वाली हैं और अपनी नई जिंदगी की शुरुआत करने वाली हैं। हुमा कुरैशी की शादी की खबर सामने आते ही जहां फैंस खुशी से झूम उठे हैं, वहीं लोगों के मन में कई सवाल भी उठने लगे हैं।

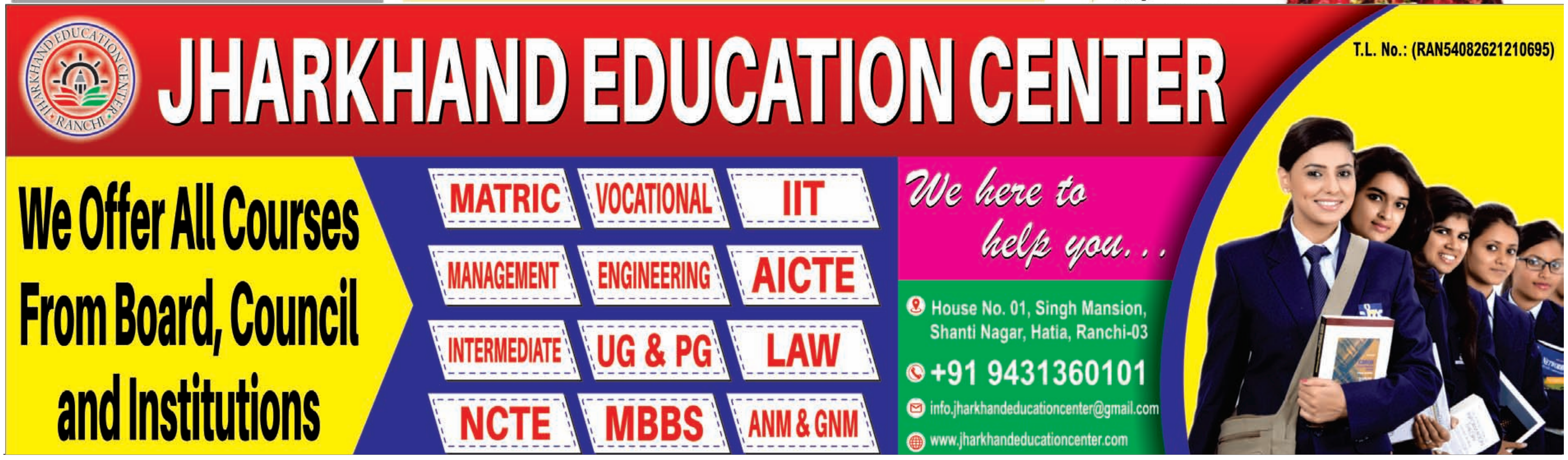

हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रनेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.